CMYK

दैनिक

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

# जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

n वर्ष : 10 अंक : 112 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, गुरूवार 15 मई, 2025 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 ■ मूल्य : 1.5 रुपए ■ पृष्ठ : 8+2

jaipurtimes.org twitter.com/JaipurTimes2 facebook.com/dainikjaipurtimes youtube.com/c/JaipurTimes instagram.com/jaipurtimesjt

### सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक

# आमजन का समग्र कल्याण हमारी प्राथमिकता : भजनलाल शर्मा

जयपुर टाइम्स

**जयपुर(कासं.)।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार आमजन के समग्र कल्याण के लिए प्राथमिकता से कार्य कर रही है। प्रदेश के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में सड़क, पानी, बिजली, स्वास्थ्य और आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए हम समृद्ध और उत्कृष्ट राजस्थान की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनकल्याण से जुड़े कार्यों को सर्वोच्च वरीयता देते हुए इनका समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। समीक्षा बैठक के दौरान ऊर्जा विभाग, पीडब्ल्यूडी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, राजस्व, पीएचईडी, स्वायत्त शासन, जल संसाधन एवं नगरीय विकास विभाग से संबंधित विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि संबंधित विभाग प्रत्येक विकास कार्य के लिए समय सीमा निर्धारित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय बनाकर कार्यों को शीघ्र पूरा करें जिससे आमजन को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश में सुदृढ़ चिकित्सकीय तंत्र को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में सुपर स्पेशयलिटी चिकित्सा को नए आयाम देने के लिए आरयूएचएस का उन्नयन कर एम्स दिल्ली की तर्ज पर राजस्थान इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (रिम्स) की स्थापना की जाएगी। इस केन्द्र पर आयुष विंग, वरिष्ठ नागरिकों को बेहतर चिकित्सकीय सुविधाएं देने के लिए एकीकृत केन्द्र, थैलीसीमिया से पीड़ित बच्चों के उपचार के लिए अत्याधुनिक चिकित्सकीय सुविधाएं विकसित होंगी। उन्होंने कहा कि जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए आरयूएचएस संस्थान एक बेहतर विकल्प है। ऐसे में वहां अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं विकसित की जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस प्रोजेक्ट को शीघ्र पूर्ण किया जाए। उन्होंने सांगानेर में बहुउद्देशीय पशु चिकित्सालय में एनिमल प्रोस्थेटिक सेंटर की स्थापना के लिए कार्ययोजना बनाकर काम को गति देने के निर्देश दिए।

### चौराहों के सौन्दर्यीकरण के लिए बनाएं कार्ययोजना

मुख्यमंत्री ने कहा कि सांगानेर के जैन मंदिर, सांगा बाबा मंदिर और हनुमानजी मंदिर के आस-पास सौन्दर्यीकरण का कार्य करवाया जाए। साथ ही, प्रमुख चौराहों के सौन्दर्यीकरण के लिए भी कार्ययोजना बनायी जाए। उन्होंने कहा कि द्रव्यवती नदी का भू-जल स्तर बढ़ाने के लिए आवश्यक कार्यवाही करें। साथ ही, भू-जल रिचार्ज स्थानों से मलबा हटवाने व मरम्मत का कार्य भी निरन्तर किया जाए, जिससे द्रव्यवती नदी स्वच्छ रहे। उन्होंने कहा कि सांगानेर ब्लॉक प्रिंटिंग जोन की स्थापना कार्य को गति प्रदान करें। शर्मा ने निर्देश दिए कि मुहाना मण्डी क्षेत्र और इसके आस-पास की सड़कों से अतिक्रमण हटाए जाने के कार्य में भी गति लाई जाए। उन्होंने दुर्गापुरा उद्यानिकी महाविद्यालय में बालिका छात्रावास व स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, प्रतापनगर में खेल स्टेडियम के निर्माण को भी शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में उन्नत तकनीक का प्रयोग बढ़ाने की दृष्टि से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर टिश्यू कल्चर की स्थापना के काम में तेजी लाई जाए। बैठक में नारायण विहार व पत्रकार कॉलोनी में पुलिस थाने खोलने, सांगानेर में जिला अस्पताल का निर्माण, सीवर लाईन के मरम्मतीकरण कार्य, जयपुर मेट्रो का विस्तार सहित विभिन्न विकास कार्यों की भी समीक्षा की गई। इस दौरान विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। शर्मा ने आमजन के सुगम आवागमन के लिए विभिन्न सड़क निर्माण कार्य और आवश्यकतानुसार सड़क चौड़ाईकरण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सवाईमाधोपुर रेलवे लाइन तक 100 फीट सेक्टर रोड निर्माण कार्य, वंदे मातरम रोड का सुदृढ़ीकरण, इस्कॉन रोड के शेष हिस्से का निर्माण कार्य, क्षतिग्रस्त सड़कों के निर्माण कार्यों को भी शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

### जलभराव की समस्या के समाधान के लिए पक्के नालों का हो निर्माण

मुख्यमंत्री ने कहा कि कमला नेहरू नगर से भांकरोटा पुलिया तक बरसाती पानी भराव की समस्या को दूर करने के लिए पक्के नालों का निर्माण करवाया जाए। साथ ही, मालपुरा गेट पर वर्षा जल निकासी के लिए आवश्यकतानुसार नालों के मरम्मत कार्य करवाए जाएं। उन्होंने कहा कि महारानी फार्म को अग्रवाल फार्म से जोडने वाली पुलिया का काम शीघ्र पूर्ण किया जाए जिससे आमजन का सुगम आवागमन हो सके। मुख्यमंत्री ने विभिन्न 132 केवी और 33 केवी जीएसएस निर्माण कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ट्रांसफार्मर के आस-पास के क्षेत्र में चेतावनी बोर्ड लगाने के साथ-साथ तारबंदी की जाए व इसकी ऊंचाई बढ़ाई जाए।

### होली अभियान में बड़ा खुलासा

## जयपुर की 24 फर्मों के खाद्य सैंपल अमानक

### 3 'अनसेफ' घोषित, न्यायिक कार्रवाई जारी

जयपुर टाइम्स

**जयपुर(कासं.)।** जयपुर में खाद्य सुरक्षा को लेकर की गई एक बड़ी कार्रवाई में चौकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत के निर्देशन में 3 मार्च से 13 मार्च 2025 तक चलाए गए विशेष होली अभियान के तहत लिए गए कुल 52 खाद्य सैंपलों में से 24 सैंपल अमानक पाए गए हैं। इनमें से 3 नमूने 'अनसेफ' और 21 नमूने 'सब-स्टैण्डर्ड' श्रेणी में पाए गए हैं। जिन फर्मों के उत्पाद 'अनसेफ' पाए गए हैं, उनमें मैसर्स राधा गोविन्द ट्रेडर्स, नया खेड़ा का टमाटर सॉस, जे. मार्ट प्राइवेट लिमिटेड, श्रीराम नगर-ए का सेंधा नमक, और श्री श्याम ट्रेडर्स, मनोहरपुर का घी (डेयरी नाइस) शामिल हैं। श्री श्याम ट्रेडर्स की ओर से नमूने की पुनः जांच के लिए अपील भी की गई है। खाद्य सुरक्षा दल की रिपोर्ट के अनुसार, मैसर्स श्री श्याम मावा पनीर भंडार, सोडाला, रामपाल भगवान सहाय, सूरजपोल मंडी, बालाजी मावा पनीर उद्योग, सोढ़ानी स्वीट्स प्रा. लि., शंकर मिष्ठान भंडार, श्री स्पेशल शंकर नमकीन भंडार, हरी ट्रेडर्स और विनायक ट्रेडर्स, बालाजी मावा पनीर भंडार जौहरी बाजार, ओल्ड मथुरा पनीर भंडार, स्टैंडर्ड पनीर उद्योग, ओल्ड हरियाणा डेयरी, मदिना डेयरी एंड बेकर्स, शर्मा पनीर गलता गेट, श्री लक्ष्मी मिष्ठान भंडार, बजरंग डेयरी, और वीआर चौल फूड प्रा. लि. की सामग्री को सब-स्टैण्डर्ड पाया गया है। इन नमूनों में मावा, पनीर, घी, मिल्क केक, लहसुन पाउडर, सेंधा नमक, काला नमक और बादाम कटिंग जैसी वस्तुएं शामिल हैं, जिन्हें आम तौर पर त्यौहारी सीजन में ज्यादा खपत में लाया जाता है। कई फर्मों ने नमूनों की पुनः जांच के लिए अपील भी की है, जो प्रक्रिया में है। एक अन्य गंभीर मामला श्री अग्रवाल कैटरर्स, विद्याधर नगर की छेना मिठाई में सामने आया, जिसमें बाह्य तत्व पाए गए हैं। यह उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए सीधा खतरा हो सकता है। सीएमएचओ डॉ. रवि शेखावत ने बताया कि सभी अमानक नमूनों के मामले नियमानुसार माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किए जा रहे हैं। जिन नमूनों को 'अनसेफ' घोषित किया गया है

### डॉ. सतीश पूनिया की मौजूदगी में नई दिल्ली में बैठक का आयोजन

# हरियाणा भाजपा संगठन को मजबूत बनाने को लेकर मंथन

### आगामी कार्यक्रमों पर बनी रणनीति

जयपुर टाइम्स

**नई दिल्ली(एजेंसी)।** भारतीय जनता पार्टी के हरियाणा संगठन को लेकर मंगलवार को नई दिल्ली में एक अहम बैठक आयोजित की गई, जिसमें संगठनात्मक मजबूती और आगामी कार्यक्रमों को लेकर रणनीतिक चर्चा की गई। बैठक में भाजपा केंद्रीय नेतृत्व के दिशा-निर्देशों को अमल में लाने के साथ-साथ प्रदेश स्तर पर पार्टी की सक्रियता बढ़ाने पर जोर दिया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में हरियाणा प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया, प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहनलाल बडौली, राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल, प्रदेश सह प्रभारी सुरेंद्र नागर और संगठन महामंत्री फनीन्द्रनाथ शर्मा शामिल हुए। बैठक के दौरान संगठन की जमीनी स्थिति, बूथ स्तर की तैयारियां, कार्यकर्ताओं की भागीदारी व विभिन्न मोर्चों की सक्रियता जैसे बिंदुओं पर व्यापक विमर्श हुआ। चर्चा के दौरान तय किया गया कि प्रदेश में भाजपा की ओर से शीघ्र ही जनसंपर्क, जनसुनवाई और सामाजिक संवाद जैसे कार्यक्रम चलाए जाएंगे। महिला, युवा और किसान मोर्चों को और अधिक सक्रिय करते हुए प्रदेश के सभी जिलों में संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने पर सहमति बनी। केंद्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार प्रदेश में मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान चलाया जाएगा और मंडल एवं शक्ति केंद्र स्तर तक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाएगी, जिससे आगामी चुनावों में संगठन की पकड़ और सशक्त हो सके। इस बैठक को हरियाणा भाजपा के लिए भविष्य की रणनीति निर्धारण की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

## तनाव बरकरार, पाक की गुस्ताखी जारी

# राजस्थान के दस जिलों में हाई अलर्ट, सायरन बजाने के निर्देश

जयपुर टाइम्स

**जयपुर/जैसलमेर(कासं)।।** भारत-पाकिस्तान के बीच भले ही सीजफायर हो गया हो, लेकिन आतंकवाद के खिलाफ भारत का ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है। सीजफायर के बावजूद पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। संघर्ष विराम की घोषणा के कुछ ही घटे बाद ही श्रीनगर से लेकर बाड़मेर तक पाकिस्तान ड्रोन एक्टिविटी नजर आई थी। ऐसे में भारत में बॉर्डर से सटे जिलों में किसी भी स्थिति से निपटने के लिए बीएसएफ और और स्थानीय पुलिस हाई अलर्ट' पर है।

### प्रमुख स्थानों पर सायरन लगाने के निर्देश

गृह मंत्रालय ने संभावित हवाई हमलों के लिहाज से राजस्थान के 10 जिलों को संवेदनशील माना है। इन जिलों में प्रमुख स्थानों पर इलेक्ट्रिक सायरन लगाने के निर्देश दिए गए हैं, जो सीधे सेंट्रलाइज्ड कंट्रोल रूम से संचालित किए जाएंगे।

नागरिक सुरक्षा निदेशालय की ओर से गाइडलाइन्स के अनुसार, जिन जिलों में इलेक्ट्रिक सायरन लगाने के निर्देश दिए गए हैं, उनमें जयपुर, अलवर, भरतपुर, कोटा और अजमेर के साथ ही बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर, गंगानगर और जोधपुर जैसे सीमावर्ती जिले शामिल हैं।

### 50 किमी अंदर तक गावों में सुरक्षा कड़ी

इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय सीमा के 50 किलोमीटर अंदर तक के गांवों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। बाहरी लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। साथ ही राजस्थान के जैसलमेर और श्रीगंगानगर जिलों में पाकिस्तानी सिम कार्ड के इस्तेमाल पर बैन लगा दिया गया है। किसी परिस्थिति से निपटने के लिए बीएसएफ से लेकर स्थानीय पुलिस हाई अलर्ट पर है। अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे एक गांव में बीएसएफ के डिप्टी कमांडेंट (इंटेलिजेंस) महेश चंद्र जाट ने ड्रोन गतिविधि के बारे में आम लोगों को प्रशिक्षण दिया।
प्रशिक्षण सत्र के दौरान बीएसएफ ने सीमा पार से ड्रोन गतिविधि में संभावित वृद्धि की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि हमें हर समय तैयार रहना चाहिए। लोगों को समझना चाहिए कि ड्रोन कैसे काम करते हैं और वे किस तरह के संभावित खतरे पैदा करते हैं। उधर सीजफायर के बाद सीमावर्ती इलाकों में हालात धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हैं। पाकिस्तान की सीमा से सटे राजस्थान के प्रभावित जिलों में बाजार फिर से खुल गए और रोजमर्रा की गतिविधियां फिर से शुरू हो गईं। पाकिस्तान के हमले के बाद राजस्थान के बंद हुए 3 एयरपोर्ट बीकानेर, जोधपुर और किशनगढ़ (अजमेर) पर सेवाएं फिर से चालू हो गईं।

### पाकिस्तान सहित चीन की भी निकल जाएगी हेकड़ी

# भारत की ताकत बढ़ी: स्वदेशी भार्गवास्त्र ड्रोन-रोधी प्रणाली की सफल टेस्टिंग

जयपुर टाइम्स

**नई दिल्ली(एजेंसी)।।** आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में युद्ध भी अब हाईटेक हो चुकी है, जहां ड्रोन सबसे बड़ा और घातक हथियार बन चुका है। हाल ही में भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष में बड़े पैमाने पर ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। वहीं, रूस-यूक्रेन युद्ध में भी ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसी के मद्देनजर भारत अपनी रक्षा क्षमताओं को लगातार मजबूत करता जा रहा है। पाकिस्तान से चल रहे तनाव के बीच भारत ने स्वदेशी 'भार्गवास्त्र' ड्रोन-रोधी प्रणाली की सफल टेस्टिंग की है। यह प्रणाली एक साथ 64 गाइडेड माइक्रो- मिसाइल दागने में सक्षम है, जो इसे ड्रोन झुंडों के खिलाफ एक अभूतपूर्व समाधान बनाती है।

### कम लागत में तैयार की गई 'भार्गवास्त्र' ड्रोन-रोधी प्रणाली

सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड की ओर से ड्रोन-रोधी प्रणाली को तैयार किया गया है। सबसे खास बात है कि इस प्रणाली को विकसित करने में ज्यादा पैसे भी खर्च नहीं किए गए। यह प्रणाली भारत की आत्मनिर्भर रक्षा नीति और 'मेक इन इंडिया' मिशन की एक और सफलता को उदाहरण है।

### 'भार्गवास्त्र' की हुई तीन बार टेस्टिंग

13 मई को ओडिशा के गोपालपुर सीवर्ड फायरिंग केंज में इस प्रणाली के माइक्रो रॉकेट्स की टेस्टिंग की गई। टेस्टिंग में रॉकेट्स ने सभी टारगेट (ड्रोन) को हिट किया। आर्मी एयर डिफेंस (एएडी) के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में रॉकेट के लिए तीन टेस्टिंग की गई। पहली दो टेस्टिंग में एक-एक रॉकेट दागे गए। इसके बाद तीसरे टेस्टिंग में सैल्वो मोड में दो सेकंड के अंतराल में दो रॉकेट दागे गए। चारों रॉकेट्स ने शानदार प्रदर्शन किया। रॉकेट्स ने सभी लॉन्च पैरामीटर हासिल किए। आसान भाषा में समझें तो झुंड में आने वाले ड्रोन को मार गिराने में भी 'भार्गवास्त्र ने सफलता हासिल की है। बता दें कि पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ 400 से ज्यादा ड्रोन दागे थे। हालांकि, भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम ने सभी ड्रोन को मार गिराया था।

CMYK

# कृषि में छात्राओं का रूझान बढ़ाने के लिए राज्य सरकार का महत्वपूर्ण निर्णय

## 11वीं कक्षा से लेकर पीएचडी करने तक मिलेगी प्रोत्साहन राशि

जयपुर टाइम्स

**अलवर(निसं.)।** मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा लगातार प्रदेश में विभिन्न वर्गों के कल्याण के लिए कई निर्णय लिए गए हैं। इसी कडी में राज्य सरकार ने कृषि विषय लेकर अध्ययन करने वाली छात्राओं को 11वीं से लेकर पीएचडी करने तक प्रोत्साहन राशि देने का निर्णय किया है। ग्रामीण एवं शहरी अंचल की आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की ऐसी छात्राएं जो दसवीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद 11वीं में कृषि विषय लेना चाहती हैं और कृषि विषय में ही उच्च अध्ययन करना चाहती हैं उन्हें यह प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। योजना में आवेदन की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2026 तक होगी।

### कितनी होगी प्रोत्साहन राशि

कृषि विषय लेकर सीनियर सैकेण्डरी में अध्ययनरत छात्राओं को 15 हजार रूपये प्रतिवर्ष 11 वीं एवं 12 वीं कक्षा के लिए।
-उद्यानिकी, डेयरी, कृषि अभियांत्रिकी, खाद्य प्रसंस्करण में कृषि स्नातक में अध्ययनरत छात्राओं को 25 हजार रूपये प्रतिवर्ष 4 वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए। श्री कर्ण नरेन्द्र व्यवसाय प्रबंधन महाविद्यालय, जोबनेर में बी.एस.सी कृषि एवं एग्री बिजनेस में अध्ययनरत् छात्राओं को 25 हजार रूपये प्रतिवर्ष या 5 वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए।
-एम.एस.सी. कृषि में अध्ययनरत छात्राओं को 25 हजार रूपये प्रतिवर्ष 2 साल के लिए।
-कृषि विषय में पी.एच.डी. में अध्ययनरत छात्राओं को 40 हजार रूपये प्रतिवर्ष अधिकतम 3 वर्ष के लिए।

### क्या होगी पात्रता

राजस्थान की मूल निवासी ऐसी छात्राएं जो राजकीय एवं राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत हैं। आवेदन के लिए आवश्यक दस्तावेजों में मूल निवास प्रमाण पत्र, गत वर्ष की अंकतालिका प्रस्तुत करनी होगी।

### कैसे करें आवेदन

योजनान्तर्गत प्रोत्साहन राशि के लिए पात्र छात्राओं को ई-मित्र के माध्यम से या स्वयं की एसएसओ आईडी से राज किसान साथी पोर्टल पर ऑनलाइन स्वयं या नजदीकी ई-मित्र केन्द्र पर जाकर आवेदन करना होगा। संबंधित कृषि अधिकारी द्वारा ऑनलाइन प्राप्त आवेदनों की जांच कर ई-साइन सर्टिफिकेट जारी करने के लिए संबंधित स्कूल, कॉलेज अथवा यूनिवर्सिटी के संस्था प्रधान को अग्रेषित किया जाएगा।

### संस्था प्रधान जारी करेंगे ई-साइन सर्टिफिकेट

राज किसान साथी पोर्टल पर पंजीकरण के बाद संबंधित संस्था प्रधान द्वारा आवेदनों की जांच कर ई-साइन सर्टिफिकेट जारी किया जाएगा जिसमें बताया जाएगा कि छात्रा किस कक्षा में अध्ययनरत् है। साथ ही, संस्था प्रधान द्वारा यह भी सर्टिफाई किया जाएगा कि छात्रा ने पुनः उसी कक्षा में प्रवेश नहीं लिया है और वह अनुत्तीर्ण नहीं हुई है। छात्राओं के गलत आवेदनों पर ई-साइन सर्टिफिकेट जारी होने पर जिम्मेदारी संस्था प्रधान की होगी। संस्था प्रधान द्वारा जारी ई-साइन सर्टिफिकेट की जांच के बाद वित्तीय स्वीकृति संयुक्त निदेशक (कृषि विस्तार) जिला परिषद द्वारा दी जाएगी। छात्राओं द्वारा जिस वित्तीय वर्ष प्रोत्साहन राशि के लिए आवेदन किया गया है संस्था प्रधान द्वारा उसी वित्तीय वर्ष में ई-साइन सर्टिफिकेट जारी नहीं होने पर प्रोत्साहन राशि देय नहीं होगी।

### इन्हें नहीं मिलेगा लाभ

गत वर्ष में अनुत्तीर्ण छात्राएं जिन्होंने पुनः उसी कक्षा में प्रवेश लिया हो, श्रेणी सुधार के लिए उसी कक्षा में पुनः प्रवेश लेने वाली छात्राएं, सत्र के मध्य विद्यालय, महाविद्यालय या विश्वविद्यालय छोड़कर जाने वाली छात्राएं प्रोत्साहन राशि का लाभ नहीं उठा सकेंगी।

## राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 1 नवम्बर से सभी परिवहन एवं वाणिज्यिक माल वाहन का प्रवेश प्रतिबंधित

जयपुर टाइम्स

**अलवर(निसं.)।** राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता आयोग के निर्देशानुसार वाहनों से होने वाले अत्यधिक प्रदूषण एवं इसके दुष्परिणामों को दृष्टिगत रखते हुए 1 नवम्बर 2025 से BS-VI, CNG, LNG एवं EV को छोडकर समस्त परिवहन एवं वाणिज्यिक भार वाहन (LGVs/ MGVs/ HGVs) का प्रवेश राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पूर्णतः प्रतिबंधित है। प्रादेशिक परिवहन अधिकारी सतीश कुमार ने बताया कि वाहन स्वामी 1 नवम्बर 2025 के पश्चात दिल्ली एनसीटी में परिवहन एवं वाणिज्यिक माल वाहन जो BS-VI, CNG, LNG एवं EV से कम मानक के है का आवागमन पूर्णतः बन्द किया जाना सुनिश्चित करें।

## पुरुषार्थी समाज सेवा और सिमरन में हमेशा आगे- संजय शर्मा

### स्वामी गंगाधर गुरुद्वारे में किया वाटर कूलर का उद्घाटन

जयपुर टाइम्स

**अलवर(निसं.)।** राज्य के वन व पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि पुरुषार्थी समाज सेवा और प्रभु के सिमरन में हमेशा आगे रहा है जिससे सभी को प्रेरणा मिलती है। शर्मा ने मोहल्ला नवाबपुरा में स्वामी गंगाधर गुरुद्वारे में खानचंद चिमनी बाई हजरती ट्रस्ट की ओर से लगाए गए वाटर कूलर के लोकार्पण अवसर पर यह बात कही। इस अवसर पर शर्मा ने कीर्तन में भाग लिया और लंगर किया। ट्रस्ट की ओर से दौलत राम हजरती और कृष्ण कुमार हजरती ने संस्था के कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम में कई संस्थाओं के पदाधिकारियों ने वन मंत्री का स्वागत किया जिसमें गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष महेन्द्र तनेजा, नेक कमाई फाउंडेशन से मुख्य कोर्डिनेटर अभिषेक तनेजा और सौरभ कालरा, जिला पुरुषार्थी समिति तथा अपना घर आश्रम की ओर से अशोक आहूजा, पंजाबी खत्री एकता मंच की ओर से राजू धवन, तांगा स्टैंड रामलीला से हरिकिशन खत्री, कॉमर्स कॉलेज के प्रिंसीपल डा. सत्यभान यादव, मनोहर झाम, तिलक झाम, अशोक राजा जोशी, धर्मेन्द्र अदलकखा, जगदीश गिज्जा और आशीष तनेजा आदि थे। अंत में दोलत राम हजरती ने आभार जताया।

## जिला ट्रक ओनर्स एसोसिएशन के सुरेश मेहता अध्यक्ष बने

जयपुर टाइम्स

**अलवर(निसं.)।** अलवर जिला ट्रक ओनर्स एसोसिएशन की बुधवार को ट्रांसपोर्ट नगर में सदस्यों की बैठक हुई। जिसमें सर्वसम्मति से निम्न पदाधिकारियो को मनोनीत किया गया। महामंत्री अनिल अग्रवाल ने बताया कि बैठक में अध्यक्ष सुरेश मेहता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सरदार परमजीत सिंह, महामंत्री अनिल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष प्रेम गांधी, उपाध्यक्ष गगन अनेजा, उपाध्यक्ष इमरतदिन (इम्मी), मंत्री संदीप मित्तल बने। इसके अलावा कार्यकारी सदस्य के रूप में इमामदीन, गजेंद्र शर्मा, महेश सेठी एवं शिवकुमार गुप्ता को लिया गया।

## अपनाघर शालीमार में छठा वाटर कूलर का किया उद्घाटन

जयपुर टाइम्स

**अलवर(निसं.)।** रोटरी क्लब अलवर द्वारा CSR प्रोजेक्ट के तहत आर के इंफ्रा के राकेश जैन अगोनीज एवं अशोक जैन अगोनीज के सौजन्य से वाटर कूलर के लगाने के क्रम में छठा वाटर कूलर अपनाघर शालीमार के G&H पार्क अलवर में बुधवार 14 मई 2025 को विशिष्टजनों द्वारा संयुक्त रूप से उद्धघाटन किया गया। इन वाटर कूलर के समस्त रख रखाव की जिम्मेदारी अपनाघर शालीमार RWA की रहेगी। उद्धघाटन कार्यक्रम में रोटरी क्लब अलवर अध्यक्ष दीपक कट्टा, रोटेरियन सचिव मुकुंद गुप्ता, कोषाध्यक्ष बी डी अग्रवाल, प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर अशोक कुमार, दीपकमल अरोड़ा, दीपक गुप्ता, ब्रजेश गोयल, संजय खण्डेलवाल, राजेश खण्डेलवाल , एवं अपनाघर शालीमार RWA अध्यक्ष राहुल अग्रवाल, हर्षा मेहता, वीना यादव, पूनम अग्रवाल, अनु मोदी, प्रवीण, रिंकू, गौरीशंकर एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। इस प्रोजेक्ट के चेयरमैन रोटरी क्लब अलवर के पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन नीरज जैन हैं।

## नगर पालिका कर्मचारी ने रोजगार सहायक को चप्पल से पीटा

**भरतपुर(निसं.)।** रोजगार सहायक ने संविदा पर काम कर रही नगर पालिका कर्मचारी को अश्लील वीडियो और मैसेज भेजे तो हंगामा हो गया। युवती अपने भाई और परिजनों को लेकर नगर पालिका कार्यालय पहुंच गई। इसके बाद परिजनों ने युवक की धुनाई कर दी। युवती ने चप्पल निकाली और (कनिष्ठ अभियंता) के कमरे के बाहर रोजगार सहायक को पीटती रही। इस दौरान आरोपी कहता रहा कि मैंने गलती की है, जो सजा देना चाहो दे दो। घंटे भर से ज्यादा चले हंगामे में पूरा स्टाफ और नगर पालिका में आए लोग इकट्ठा हो गए। इसके बाद पुलिस के आने के बाद समझाइश कर शांत करवाया गया। इसके बाद रोजगार सहायक को पुलिस थाने ले गई। फिलहाल कोई मामला दर्ज नहीं करवाया गया है।

# निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण करने हेतु कार्यों में गति लाए- जिला कलक्टर

## जिला कलक्टर ने ली बजट घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक

जयपुर टाइम्स

**अलवर(निसं.)।** जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला की अध्यक्षता में बुधवार को मिनी सचिवालय के कलक्ट्रेट सभागार में बजट घोषणाओं की प्रगति एवं राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज परिवेदनाओं के समयबद्ध निराकरण के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित हुई। जिला कलक्टर ने जिले के लिए हुई बजट घोषणाओं की बिन्दुवार प्रगति की समीक्षा कर विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन हेतु निर्धारित टाइम लाइन के अनुसार कार्यों को पूर्ण कर उसे मूर्त रूप देवे। उन्होंने निर्देश दिये कि प्रत्येक बजट घोषणा की डीपीआर, निविदा, कार्य प्रारम्भ होने तथा कार्य समाप्ति की दिनांक को निर्धारित कर मॉनिटरिंग करें। राज्य सरकार स्तर के बिन्दुओं से अवगत करावे ताकि उनका समयबद्ध निराकरण कराया जा सके साथ ही विभाग स्तर से इन बिन्दुओं पर समन्वय भी रखें। उन्होंने कहा कि जिले में लगभग सभी भूमि आवंटन प्रकरणों में भूमि आवंटन की जा चुकी है अतः उन सभी कार्यों को समयबद्ध रूप से प्रारम्भ कर पूर्ण करें। उन्होंने राजस्थान सम्पर्क पोर्टल की समीक्षा कर निर्देश दिये कि सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज परिवेदनाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग करते हुए प्रत्येक अधिकारी नियमित पोर्टल का अवलोकन करें। उन्होंने निर्देश दिये कि आमजन की परिवेदनाओं का गुणवत्ता के साथ न केवल त्वरित निस्तारण किया जाए बल्कि उनकी संतुष्टि स्तर को बढ़ाने हेतु सकारात्मक प्रयास करें। साथ ही सुनिश्चित करें कि जनसुनवाई में आने वाले प्रकरणों व किसी भी भी माध्यम से प्राप्त होने वाली परिवेदनाओं का भी गुणवत्ता के साथ समयबद्ध निस्तारण होवे ताकि फरियादियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पडे। उन्होंने निर्देश दिये कि केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग कर सभी पात्र व्यक्तियों को लाभांवित कराना सुनिश्चित करावें। इस दौरान एडीएम प्रथम मुकेश कायथवाल, यूआईटी सचिव धीगदे स्नेहल नाना, नगर निगम आयुक्त जितेन्द्र सिंह नरूका, पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियन्ता भूरी सिंह, विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियन्ता सुधीर पाण्डे, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक पी.सी मीना सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

## जिला कलक्टर ने ली जिला स्तरीय वनाधिकार समिति की बैठक

जयपुर टाइम्स

**खैरथल-तिजारा।** वनाधिकार अधिनियम 2006, नियम 2008 एवं संशोधित नियम 2012 के अंतर्गत जिला स्तरीय वनाधिकार समिति की महत्वपूर्ण बैठक जिला सचिवालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला कलेक्टर किशोर कुमार द्वारा की गई। बैठक में उपखंड टपूकड़ा के अंतर्गत आने वाले 07 ग्राम पंचायतों - गंधौला, गुवाल्दा, सारेकला, खोहरी कला, सारेखुर्द, लाडपुरी एवं चौपानकी - के संबंध में 400 केवी डी/सी विद्युत लाइन परियोजना से प्रभावित वन क्षेत्र की भूमि हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने का निर्णय लिया गया। यह निर्णय उपखण्ड अधिकारी टपूकड़ा द्वारा आयोजित उपखंड स्तरीय समिति की कार्यवाही एवं संबंधित ग्राम सभाओं से प्राप्त अनुमोदन के आधार पर लिया गया। इस अवसर पर उप वन संरक्षक अलवर राजेंद्र हुड्डा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद सालुखे गौरव रविंदर एवं तीन जिला परिषद सदस्यगण भी उपस्थित रहे।

## नगर निगम की टीम ने की कार्रवाई, जप्त किया एक क्विंटल प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक

### आयुक्त नरूका के निर्देश पर राजस्व और अतिक्रमण शाखा की संयुक्त कार्रवाई

जयपुर टाइम्स

**अलवर(निसं.)।** नगर निगम की राजस्व और अतिक्रमण निरोधक शाखा ने बुधवार को संयुक्त कार्रवाई करते हुए शहर के चार स्थानों से करीब एक क्विंटल प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक जप्त की। नगर निगम आयुक्त जितेन्द्र सिंह नरूका ने बताया कि शहर के आटे वाली गली तथा एन ई बी क्षेत्र के 160 फीट रोड, 60 फीट रोड और दाउदपुर क्षेत्र में दुकानों पर प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक बेचने पर कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि नगर निगम की ओर से आगे इस तरह की कार्रवाई नियमित रूप से की जाती रहेगी। कार्रवाई के दौरान राजस्व शाखा की प्रभारी निशा लखानी और अतिक्रमण शाखा के सह प्रभारी रितिक सिंह चौधरी सहित निगम की टीम मौजूद रही।

## प्रसादी कार्यक्रम में चूरमा-बाटी खाने से 39-बच्चों समेत 50 बीमार, 4 अस्पतालों में चल रहा इलाज, बुजुर्गों को खाट पर लेटाकर लाए

जयपुर टाइम्स

**सिरोही (निसं.)।** प्रसादी कार्यक्रम में चूरमा-बाटी खाने के बाद बुधवार को 50 लोगों की तबीयत बिगड़ गई। इनमें 39 बच्चे शामिल हैं। उल्टी होने पर इनको हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया। मामला सिरोही जिले के भुला गांव का है। गांव में मंगलवार को गमेती समाज की ओर से प्रसादी कार्यक्रम आयोजित किया गया था। परिजन बच्चों को गोद में उठाकर और बुजुर्गों को खाट पर लिटाकर रोड तक लाए। वहां से निजी वाहन से हॉस्पिटल लेकर गए। सरूपगंज के सरकारी अस्पताल में 9, निजी अस्पताल में 21, दूसरे निजी अस्पताल में 4 और रोहिड़ा अस्पताल में 13 मरीजों का इलाज चल रहा है। कुछ लोगों का मौके पर ही इलाज किया गया। सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सा प्रभारी डॉ. रामलाल के निर्देशन में मेडिकल टीम ने इलाज शुरू कर दिया। फूड पॉइजनिंग का मामला सामने आने पर पिंडवाड़ा बीसीएमओ डॉ. भूपेंद्र प्रताप सिंह सहित मेडिकल विभाग की टीम भुला गांव पहुंची। प्रसादी स्थल का जायजा लिया। खाद्य विभाग की टीम को बुलाकर चूरमा और अन्य भोजन के सैंपल लिए गए हैं। इसे जांच के लिए भेजा गया। डिप्टी सीएमएचओ डॉ. एसपी शर्मा ने बताया- जांच में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। भुला गांव के पूर्व सरपंच कन्हैयालाल अग्रवाल ने बताया- भुला गांव में गमेती समाज की ओर से प्रसादी का आयोजन किया गया था। प्रसादी खाने के बाद 50 लोगों की तबीयत बिगड़ गई। जहां प्रसादी का आयोजन था, वहां तक वाहन नहीं जा सकते थे। ऐसे में बच्चों को परिजन हाथों में उठाकर और बुजुर्ग लोगों को खाट पर लिटाकर रोड तक लेकर आए। वहां से उन्हें निजी वाहन की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया।

# जिला कलक्टर ने किया अलवर ई-विद्या प्रोजेक्ट के प्रशिक्षण सत्र का शुभारम्भ

## 21वीं सदी की डिजिटल शिक्षा के अनुरूप जिले के सरकारी स्कूल को आइकॉनिक स्कूल बनाना प्रोजेक्ट का उद्देश्य - जिला कलक्टर

जयपुर टाइम्स

**अलवर(निसं.)।** जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने श्री आदिनाथ जैन शिक्षण संस्थान के सभागार में अलवर ई-विद्या परियोजना के अंतर्गत आयोजित प्रशिक्षण सत्र का दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारम्भ कर कहा कि अलवर ई-विद्या प्रोजेक्ट का उद्देश्य सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों को 21वीं सदी के अनुरूप आधुनिक डिजिटल शिक्षा से जोडकर उसका सदुपयोग करना है। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि अलवर ई विद्या जिला प्रशासन की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जिसका उद्देश्य सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को न केवल डिजिटल संसाधनों की समुचित मात्रा में उपलब्ध कराना बल्कि उन्हें 21वीं सदी की आधुनिक डिजिटल शिक्षा से जोडकर उन्हें तकनीकी रूप से दक्ष करना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय तकनीकी शिक्षा का युग है इसमें विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षकों को भी तकनीकी शिक्षा का उपयोग करना बेहद जरूरी है। अभियान के तहत प्रत्येक स्कूल की वेबसाइट आदि बनाई जाकर बच्चों को डिजिटल शिक्षा प्रदान कर उनके स्कील डवलमेंट में उपयोगी सिद्ध होगी। प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि पूरे मनोयोग से प्रशिक्षण प्राप्त कर इस तकनीकी का सदुपयोग करें। उन्होंने कहा कि इस कार्य हेतु शिक्षकों को डिजिटल ट्रेनिंग प्रदान करना इस प्रशिक्षण का उद्देश्य है। प्रतिभागी डिजिटल शिक्षा के प्रत्येक पहलू को बारीकी से समझकर विद्यार्थियों को डिजिटल नॉलेज देवे। यह योजना विशेष रूप से दिव्यांग विद्यार्थियों (सीडब्ल्यूएसएन) के लिए सहायक सिद्ध हो रही है। उन्होंने कहा कि डिजिटल पहुंच विद्यार्थियों के लिए एक वरदान सिद्ध हो सकती है। हमें प्रत्येक विद्यालय में डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना और उसका समुचित उपयोग सुनिश्चित करना है। ये स्कूल ब्लॉग एवं ई-पत्रिकाएं विद्यार्थियों की रचनात्मकता को अभिव्यक्त करने का एक सशक्त मंच बनेंगी। राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त शिक्षक एवं सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी प्रशिक्षक मोहम्मद इमरान खान ने सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, ई-पत्रिका निर्माण तथा विद्यालय ब्लॉग निर्माण संबंधी सत्रों की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि पूर्ववर्ती सत्रों के उपरांत विद्यालयों ने अपने ब्लॉग तैयार कर उन्हें साझा किया है। बाल अनुकूल अधिगम वातावरण -बाला प्रशिक्षक राजेश लवानिया ने वर्षा जल संग्रहण प्रणाली और हरित परिसर की पहल पर चर्चा की तथा अलवर जिले के विद्यालयों की प्रेरणादायक कहानियां प्रस्तुत की। डॉ. कोमल कांत शर्मा ने भजेड़ा विद्यालय की परिवर्तन यात्रा तथा विद्यार्थियों द्वारा की गई नवाचारपूर्ण गतिविधियों को साझा किया। प्रशिक्षण सत्र में रामगढ़, गोविंदगढ़ और थानागाजी ब्लॉकों के पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारियों (पीईईओ) ने सहभागिता की। साथ ही खंड प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी (सीबीईओ) विश्वजीत, रमेश गांधी तथा महेन्द्र मीणा उपस्थित रहे।

## जनसम्पर्क अधिकारी परीक्षा-2024 के लिए जयपुर में तैयारियां पूर्ण, जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित

### 17 मई को आयोजित होगी परीक्षा, 75 केन्द्रों पर 19 हजार से अधिक अभ्यर्थी होंगे शामिल

जयपुर टाइम्स

**जयपुर(कासं.)।** राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा जनसम्पर्क अधिकारी परीक्षा-2024 का आयोजन आगामी 17 मई (शनिवार) को किया जाएगा। परीक्षा का समय प्रातः 11 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक निर्धारित किया गया है। जयपुर में इसके लिए 75 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं, जहां 19 हजार 318 अभ्यर्थी सम्मिलित होंगे। परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैं। अतिरिक्त जिला कलक्टर (जयपुर शहर-पूर्व) गोपाल सिंह शेखावत ने जानकारी दी कि जयपुर कलेक्ट्री के कमरा नंबर 116 में जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जो 15 मई से 17 मई तक सक्रिय रहेगा। यह नियंत्रण कक्ष 15 एवं 16 मई को सुबह 9.30 बजे से शाम 6 बजे तक और परीक्षा दिवस 17 मई को सुबह 9 बजे से परीक्षा से संबंधित समस्त कार्यों के पूर्ण होने तक कार्य करेगा। परीक्षा की निगरानी हेतु 29 उप समन्वयकों एवं 15 उड़नदस्तों की नियुक्ति की गई है। जयपुर के परीक्षा केन्द्रों से संबंधित किसी भी जानकारी या शिकायत के लिए नियंत्रण कक्ष का दूरभाष नम्बर 0141-2206699 रहेगा। परीक्षा के सफल आयोजन के लिए पुलिस, यातायात पुलिस, नगर निगम, चिकित्सा विभाग, शिक्षा विभाग, नागरिक सुरक्षा, विद्युत विभाग, रोडवेज, जेसीटीसीएल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। प्रशासन ने सभी परीक्षार्थियों से समय पर केन्द्र पर पहुंचने और निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

## बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय में कुलगुरु नियुक्त

### राज्यपाल बागडे ने जारी किए नियुक्ति आदेश

जयपुर टाइम्स

**जयपुर(कासं.)।** राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने आदेश जारी कर प्रो. अखिल रंजन गर्ग को बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर के कुलगुरु पद पर नियुक्त किया है। बागडे ने राज्य सरकार के परामर्श से यह आदेश जारी किया है। बागडे ने कुलगुरु पद पर यह नियुक्ति प्रो. अखिल रंजन गर्ग के कार्यभार संभालने की तिथि से 3 वर्ष या 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक इनमें से जो भी पहले के लिए की है।

## नगर निगम ग्रेटर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्यवाही

### 33 हजार 500 रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 6 केन्टर सामान जब्त

जयपुर टाइम्स

**जयपुर(कासं.)।** नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रूकमणि रियाड़ के निर्देषानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में बुधवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में रोडू राम नगर, पत्रकार कॉलोनी, मानसरोवर मेट्रो स्टेशन के पास, पार्श्वनाथ कॉलोनी रोड़, विद्युत नगर चौराहा, आदर्श बाजार गली नं. 17 व 18 तिकलिया कॉलोनी, दुर्गापुरा बस स्टैण्ड, पुलिया के नीचे, खाटूश्याम सर्किल से चीलगाड़ी रेस्टोरेन्ट, 07 नं. चौराहा एनआरआई चौराहा एवं प्रताप नगर सेक्टर-8 से अस्थाई अतिक्रमण को करने वालों के विरूद्ध 33 हजार 500 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 6 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में रोडू राम नगर, पत्रकार कॉलोनी, मानसरोवर मेट्रो स्टेशन के पास, पार्श्वनाथ कॉलोनी रोड़, विद्युत नगर चौराहा, आदर्श बाजार गली नं. 17 व 18 तिकलिया कॉलोनी, दुर्गापुरा बस स्टैण्ड, पुलिया के नीचे, खाटूश्याम सर्किल से चीलगाड़ी रेस्टोरेन्ट, 07 नं. चौराहा एनआरआई चौराहा एवं प्रताप नगर सेक्टर-8 से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्यवाही के दौरान 6 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 33 हजार 500 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

## नगर निगम ग्रेटर द्वारा विशेष अभियान चलाकर अवैध होर्डिंग, बैनर, पोस्टर को हटाने की जा रही है कार्रवाई

### 12 मई से चलाया जा रहा है विशेष अभियान

जयपुर टाइम्स

**जयपुर(कासं.)।** नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रूकमणि रियाड़ के निर्देशानुसार सोमवार से नगर निगम ग्रेटर के सभी जोनों में अवैध होर्डिंग, बैनर, पोस्टर को हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान 31 मई 2025 तक निरंतर चलाया जाएगा। आयुक्त रूकमणि रियाड़ ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में अवैध रूप से लगे हुए होर्डिंग, बैनर, पोस्टर, कटआउट शहर को बदरंग करते हैं। साथ ही इससे नियमों के विपरीत होने लगाने से राजस्व आय भी प्रभावित होती है। साथ ही अतिक्रमण को भी बढ़ावा मिलता है। इसलिए समय-समय पर विशेष अभियान चलाकर अवैध होर्डिंग, बैनर, पोस्टर को हटाया जाता रहा है। जोन स्तर पर राजस्व अधिकारी, राजस्व निरीक्षक, सहायक राजस्व निरीक्षक एवं जोन के मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक, स्वास्थ्य निरीक्षक की संयुक्त टीम गठित कर अवैध होर्डिंग, बैनर, पोस्टर पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसके साथ ही सड़कों, चौराहों, तिराहे, फुटपाथ पर लगे हुए लोहे के अवैध होर्डिंग स्ट्रक्चर को कटवाकर टीमों द्वारा जब्त किया जा रहा है। इसके साथ ही बिजली के पोल्स पर नगर निगम ग्रेटर द्वारा ई-ऑक्शन के माध्यम से स्वीकृत विज्ञापनों के अलावा बिजली के पोल्स पर लगे हुए अवैध बैनर, पोस्टर हटाने के बाद लगी हुई रस्सियों को भी पूर्णतः हटाया जा रहा है। उपायुक्त राजस्व (प्रथम) अशोक कुमार शर्मा ने बताया कि मुख्यालय की होर्डिंग शाखा द्वारा भी इस अभियान के तहत अवैध होर्डिंग, बैनर, पोस्टर को भी हटाने की कार्रवाई की जा रही है। अभियान के दौरान टीम द्वारा मुख्य वीआईपी मार्गों एवं मुख्य मार्गों पर लगे हुए अवैध होर्डिंग, बैनर, पोस्टर हटाए जा रहे हैं।

# फुलेरा के उप जिला अस्पताल में सोनोग्राफी मशीन नहीं, गर्भवती महिलाएं निजी क्लीनिकों पर निर्भर

### सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत उजागर करती फुलेरा की स्थिति

जयपुर टाइम्स

**फुलेरा(निसं.)।** "जननी सुरक्षा योजना" और "प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान" जैसे सरकारी कार्यक्रमों के बावजूद ज़मीनी हकीकत कई बार इन दावों को खोखला साबित करती है। ऐसा ही एक उदाहरण है उप जिला अस्पताल, फुलेरा –जहां आज भी सोनोग्राफी जैसी मूलभूत सुविधा मौजूद नहीं है। इस सुविधा के अभाव में क्षेत्र की सैकड़ों गर्भवती महिलाएं मजबूरी में निजी क्लीनिकों का रुख करती हैं, जहां उन्हें एक सोनोग्राफी के लिए 600 से 700 रुपये खर्च करने पड़ते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर और ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाली महिलाओं के लिए यह एक भारी बोझ है।

### सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवालिया निशान

फुलेरा अस्पताल की यह कमी सिर्फ एक सुविधा की अनुपलब्धता नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक प्रणालीगत लापरवाही को दर्शाती है जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों की प्राथमिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं को नजरअंदाज किया जाता है। राज्य सरकार की ओर से स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और मातृ-शिशु स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए करोड़ों रुपये के बजट का प्रावधान होता है, लेकिन जब ऐसे अस्पतालों में सोनोग्राफी मशीन तक उपलब्ध नहीं है, तो यह फंड कहां जा रहा है–यह सवाल उठना लाजमी है।

### स्वास्थ्य अधिकार सिर्फ कागजों तक?

गर्भावस्था के दौरान सोनोग्राफी केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि चिकित्सकीय आवश्यकता है। भ्रूण की सामान्य वृद्धि, स्थिति और किसी भी संभावित जटिलता की पहचान इसके माध्यम से ही संभव है। ऐसे में इस सुविधा का अभाव महिलाओं और नवजातों के जीवन को जोखिम में डाल सकता है।

### स्थानीय लोगों में नाराज़गी

स्थानीय महिलाओं और उनके परिजनों में इस स्थिति को लेकर नाराजगी है। "सरकारी अस्पताल तो इसलिए चुनते हैं कि पैसा बचे और भरोसेमंद इलाज मिले, लेकिन यहां तो हर छोटी चीज़ के लिए प्राइवेट क्लीनिकों पर निर्भर रहना पड़ता है," एक गर्भवती महिला के पति ने बताया।

### क्या प्रशासन लेगा संज्ञान?

अब सवाल यह है कि क्या स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन इस गंभीर स्थिति का संज्ञान लेगा? क्या उप जिला अस्पताल फुलेरा को वह बुनियादी सुविधाएं मिलेंगी जिनका वादा हर नागरिक से किया गया है जब तक यह समस्याएं केवल रिपोर्टों और दौरों तक सीमित रहेंगी, तब तक जमीनी स्तर पर बदलाव संभव नहीं है। जरूरत है कि ऐसे मामलों को प्राथमिकता दी जाए और ठोस कार्यवाही हो ताकि ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं भी सुरक्षित मातृत्व का अधिकार पूरी गरिमा से पा सकें।

## *बजट घोषणाएं तय समय में पूरी हों, किसानों तक योजनाओं का लाभ पहुंचे: कृषि एवं उद्यानिकी सचिव*

जयपुर टाइम्स

**जयपुर(कासं.)।** कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की समीक्षा बैठक में शासन सचिव राजन विशाल ने विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि बजट घोषणाओं को पूर्ण प्लानिंग के साथ तय समयसीमा में पूरा किया जाए, ताकि अधिक से अधिक पात्र किसानों को योजनाओं का लाभ मिल सके। पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में आयोजित इस बैठक में विशाल ने हरियालो राजस्थान कार्यक्रम, मिशन कर्मयोगी पोर्टल, विधानसभा प्रश्नों एवं ई-फाइल की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि योजनाओं को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू किया जाए और उनका व्यापक प्रचार-प्रसार कर पात्र कृषकों को लाभान्वित किया जाए, जिससे उनकी उपज और आमदनी में वृद्धि हो सके। बैठक में विभाग की प्रमुख योजनाओं जैसे फार्म पॉन्ड, डिग्गी, सिंचाई पाइप लाइन, कृषि यंत्र, तारबंदी, गोवर्धन जैविक उर्वरक योजना, वर्मी कम्पोस्ट इकाई, बीज मिनिकिट वितरण, कस्टम हायरिंग सेंटर, मृदा शक्ति संवर्धन योजना, पॉली हाउस, ग्रीन हाउस, ड्रिप एवं स्प्रिंक्लर इरिगेशन, प्याज भंडारण गृह, सौर ऊर्जा पंप स्थापना आदि की विस्तृत समीक्षा की गई। इसके साथ ही हरियालो राजस्थान कार्यक्रम के तहत पौधारोपण की स्थिति और राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्ट समिट के दौरान कृषि एवं उद्यानिकी विभाग द्वारा किए गए एमओयू की प्रगति पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर आयुक्त उद्यानिकी सुरेश कुमार ओला, अतिरिक्त निदेशक कृषि (प्रशासन) हुशियार सिंह, (विस्तार) एस.एस. शेखावत, (आदान) गोपाल लाल जाट, (रसायन) एच.एस. मीणा, संयुक्त निदेशक उद्यान (विस्तार) राजेन्द्र सिंह सहित विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

## 15 मई को आयोजित होगा जिलास्तरीय जनसुनवाई एवं समाधान कार्यक्रम

### आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण को लेकर जिला प्रशासन की पहल

### कलेक्ट्रेट सभागार में सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक होगा आयोजन

जयपुर टाइम्स

**जयपुर(कासं.)।** आमजन की परिवेदनाओं की सुनवाई एवं शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा 15 मई, 2025 (गुरुवार) को जिलास्तरीय जनसुनवाई एवं समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम जिला कलेक्ट्रेट सभागार में प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होगा। कार्यक्रम में जिले के जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहेंगे। सभी संबंधित अधिकारी मौके पर लोगों की समस्याएं सुनकर उनका समाधान करने का प्रयास करेंगे, ताकि आमजन को राहत मिल सके और शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास और मजबूत हो। जनसुनवाई कार्यक्रम में मुख्य सचिव या प्रभारी सचिव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल होंगे। इसी प्रकार जिले के सभी उपखण्ड अधिकारी व ब्लॉक स्तरीय अधिकारी भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में भाग लेंगे। सभी विभागों को निर्देशित किया गया है कि वे समस्याओं के समयबद्ध समाधान के लिए आवश्यक दस्तावेजों एवं सूचना के साथ उपस्थित रहें। इससे पूर्व, इसी दिन प्रातः 10.30 बजे जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला जन अभियोग एवं सतर्कता समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में समिति में दर्ज प्रकरणों की गहन समीक्षा कर निर्णय लिए जाएंगे। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी समस्याओं व परिवेदनाओं को लेकर इस जनसुनवाई कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लें और शासन की इस पहल का लाभ उठाएं।

## सहकारिता मंत्री गौतम दक ने किया भूमि विकास बैंक का निरीक्षण, मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत योजना की प्रगति की समीक्षा

जयपुर टाइम्स

**जयपुर(कासं.)।** राजस्थान के सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने बुधवार को नेहरू सहकार भवन स्थित राजस्थान राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक (एसएलडीबी) कार्यालय का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत एकमुश्त समझौता योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को इसके प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। दक ने अधिकारियों से चर्चा के दौरान कहा कि योजना का उद्देश्य अधिकतम पात्र ऋणी सदस्यों को राहत प्रदान कर बैंक की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करना और किसानों को मुख्यधारा में वापस लाना है। उन्होंने कहा कि यह योजना भूमि विकास बैंकों के इतिहास में 70 वर्षों में पहली बार लाई गई है, जिससे किसानों को पुनः निवेश ऋण लेने का अवसर भी प्राप्त होगा। एसएलडीबी के प्रबंध निदेशक जितेन्द्र प्रसाद ने जानकारी दी कि 13 मई तक योजना के तहत 21,812 पात्र ऋणियों को नोटिस तामील कराए जा चुके हैं और 921 मामलों में 21.96 करोड़ रुपये की वसूली की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि प्राथमिक भूमि विकास बैंकों पर प्रभावी निगरानी हेतु एसएलडीबी द्वारा प्रभारी अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, जो वसूली कार्य में सहयोग कर रहे हैं। मंत्री दक ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन प्राथमिक बैंकों में योजना की प्रगति अपेक्षित नहीं है, वहां विशेष ध्यान देकर कार्य किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे पूर्ण मनोयोग और समर्पण के साथ योजना की सफलता सुनिश्चित करें ताकि अधिक से अधिक ऋणी लाभान्वित हो सकें। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने बैंक परिसर में स्थापित भगवान गणेश की प्रतिमा के दर्शन कर प्रदेश के किसानों की समृद्धि और सहकारी साख ढांचे के पुनरुद्धार की कामना की। इस अवसर पर एसएलडीबी की महाप्रबंधक उषा कपूर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

## खातेदारी जमीनों की चारदीवारी हटाने पर उठ रहे सवाल

### क्या बिना मुआवजा व अधिग्रहण के निजी जमीनों में रोड की स्वीकृति जायज हैं?

जयपुर टाइम्स

**बिजौलियां(निसं.)।** कस्बे के मंदाकिनी महादेव रोड पर नवदीप स्कूल से उप जिला चिकित्सालय तक सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा बनाए जाने वाली सड़क को लेकर मंगलवार को नगरपालिका द्वारा रास्ते में आ रही खातेदारी जमीनों की कच्ची-पक्की चारदीवारी जेसीबी द्वारा हटाई गई थी। इस कार्यवाही को लेकर कई सवाल चर्चा में हैं। मसलन् सरकार या सार्वजनिक निकाय द्वारा किसी भी निजी भूमि को सार्वजनिक उपयोग के लिए अधिग्रहण (अवाप्त) करने से पूर्व भूमि मालिक को उचित मुआवजा दिए जाने का प्रावधान हैं।लेकिन सड़क निर्माण हेतु चौड़ाई बढ़ाने के लिए जिन खातेदारी जमीनों से कल चारदीवारी हटाई गई थी उन भू मालिकों को कोई मुआवजा नहीं दिया गया।क्या मुआवजा दिए बिना व भूमि को अधिग्रहण किए बिना ही सड़क निर्माण की स्वीकृति जारी करना कानून सम्मत हैं?जानकारी के मुताबिक मंदाकिनी महादेव मार्ग पर राजस्व रिकॉर्ड में बतौर आमरास्ता तक दर्ज नहीं हैं।जो वर्तमान रास्ता हैं वो खातेदारी जमीनों के मालिकों द्वारा छोड़ा गया हैं।इससे साफ जाहिर होता हैं कि सड़क निर्माण की स्वीकृति से पूर्व राजस्व रिकॉर्ड की जानकारी नहीं ली गई। राजस्व रिकॉर्ड की जानकारी जुटाए बिना ही सड़क निर्माण की जो वित्तीय-प्रशासनिक स्वीकृति जारी की गई हैं क्या ये गैरकानूनी हैं?इस पर नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी पंकज कुमार मंगल का कहना हैं कि उक्त सड़क निर्माण सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा करवाया जा रहा हैं।शहरी क्षेत्र में जमीन अधिग्रहण का कोई नियम नहीं हैं।जब अधिग्रहण का नियम नहीं हैं तो मुआवजा भी नहीं दिया जा सकता हैं।ये जानकारी करने के बाद ही बताया जा सकता हैं कि अर्बन एरिया में किस प्रक्रिया के तहत सार्वजनिक हित के लिए निजी जमीन ली जा सकती हैं। किसी भी खातेदारी जमीन में आने से कोई सड़क बंद नहीं हो सकती हैं।उक्त सड़क निर्माण की प्रक्रिया पिछले डेढ़ साल से जारी हैं।इसका सर्कुलर निकला हुआ हैं और ये फ़ाइल हमें चार्ज में मिली हैं।उपखण्ड अधिकारी व नगरपालिका प्रशासक अजित सिंह राठौड़ का कहना हैं कि निजी भूमि को बिना अवाप्त किए या बिना मुआवजा दिए सड़क निर्माण की स्वीकृति दी जा सकती हैं या नहीं इसकी जानकारी करने के बाद ही कुछ कहा जा सकता हैं। खातेदारों की खातेदारी सुरक्षित रहे इसका पूरा प्रयास किया जाएगा।जो वर्षों का प्रचलित रास्ता हैं उसको तो छोड़ना पड़ेगा भले ही वो रिकॉर्ड में दर्ज न हो।जिन भू मालिकों को परेशानी हैं उनको सीमांकन करवा कर सन्तुष्ट किया जाएगा।

## सक्षम जयपुर अभियान के तहत आपदा प्रबंधन पर कार्यशाला, सैकड़ों एनसीसी कैडेट्स को मिला प्रशिक्षण

**जयपुर(कासं.)** जिला कलक्टर एवं नियंत्रक आपदा प्रबंधन डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशन में चल रहे 'सक्षम जयपुर अभियान' के अंतर्गत बुधवार को सीकर रोड स्थित श्री भवानी निकेतन शिक्षण संस्थान में नागरिक सुरक्षा विभाग द्वारा एक विशेष जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में सैकड़ों एनसीसी कैडेट्स को आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के तरीकों पर महत्वपूर्ण प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम में नागरिक सुरक्षा विभाग के अनुदेशकों ने उपस्थित युवाओं को आपदा के दौरान आवश्यक प्राथमिक उपायों, सीपीआर तकनीक, अग्निशमन उपकरणों के उपयोग और ब्लैकआउट जैसी परिस्थितियों में

बरती जाने वाली सावधानियों की व्यवहारिक जानकारी दी। साथ ही फायर एक्सटिंग्विशर के संचालन का अभ्यास भी करवाया गया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा अमित शर्मा ने बताया कि इस प्रशिक्षण सत्र में युद्धकालीन परिस्थितियों, प्राकृतिक आपदाओं तथा अन्य आपातकालीन स्थितियों से निपटने की बुनियादी रणनीतियों से कैडेट्स को अवगत करवाया गया। उन्होंने बताया कि आमजन को जागरूक एवं सक्षम बनाने के उद्देश्य से सक्षम जयपुर अभियान के तहत जिलेभर में ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है। शर्मा ने बताया कि नागरिक सुरक्षा विभाग द्वारा प्रतिदिन विभिन्न शिक्षण संस्थानों एवं सार्वजनिक स्थलों पर कार्यशालाओं का आयोजन कर लोगों को यह बताया जा रहा है कि आपात स्थिति में क्या करें और क्या न करें। इस अभियान का उद्देश्य आम नागरिकों में आपदा प्रबंधन के प्रति सजगता और आत्मनिर्भरता विकसित करना है। कार्यक्रम में एनसीसी अधिकारी, संस्थान के शिक्षकगण एवं प्रशासनिक अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

# ग्लोबल वार्मिंग से बिगड़ते हालात

रमाफ्रस्ट उस सतह को कहते हैं, जो दो या अधिक वर्षों से शून्य डिग्री या उससे कम तापमान पर जमी रही हो। अगर ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई तो न सिर्फ तिब्बत का भौगोलिक संतुलन बिगड़ेगा, बल्कि कृषि, पशुपालन और व्यापार भी बुरी तरह प्रभावित होगा। तिब्बत के भौगोलिक परिदृश्य पर नजर डालें तो यह मध्य एशिया की उच्च पर्वत श्रेणियों के मध्य कुनलुन और हिमालय के मध्य स्थित है। इसकी ऊंचाई सोलह हजार फुट है। यहां का क्षेत्रफल सैंतालीस हजार वर्ग मील है। तिब्बत पूर्व में शीकांग से, पश्चिम में कश्मीर से दक्षिण में हिमालय पर्वत से तथा उत्तर में कुनलुन पर्वत से घिरा हुआ है। इस पठार का कुल क्षेत्रफल पच्चीस लाख वर्ग किलोमीटर है। यह पठार पूर्वी एशिया की बृहत्तर नदियों ह्वांगहो, मेकांग आदि का उद्गम स्थल है, जो पूर्वी क्षेत्र से निकलती हैं। भारत की महत्त्वपूर्ण ब्रह्मपुत्र नदी भी दक्षिण तिब्बत से शुरू होती है। तिब्बत के पूर्वी क्षेत्र में कुछ वर्षा होती है

'क्लाइमेट सेंटर ऑफ साउथ वेस्ट चाइना' तिब्बत ऑटोनॉमस रीजन ऐंड रीजनल रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशंस रिसर्च सेंटर' का यह दावा दुनिया को सतर्क करने वाला है कि तिब्बत जलवायु परिवर्तन की चपेट में है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर जलवायु परिवर्तन से निपटने का समुचित उपाय नहीं तलाशा गया तो आने वाले वर्षों में दुनिया की छत कहे जाने वाले तिब्बत का हुलिया बिगड़ सकता है। रिसर्च सेंटर ने अपने अध्ययन में पाया है कि यह सिलसिला पिछले तीन दशक से जारी है और 1981 से 2016 के बीच औसत तापमान में प्रति दशक 0.3 डिग्री सेल्सियस का इजाफा हुआ है। गौरतलब है कि मई से सितंबर के बीच तिब्बत में ज्यादा वर्षा होती है। 1981 से 2016 के बीच की गणना में मई से सितंबर के बीच वर्षा में हर दशक के दौरान 10.1 मिलीमीटर की बढ़ोतरी हुई है, जो तिब्बत की सेहत के विपरीत है। अगर वर्ष 2016 पर नजर दौड़ाएं तो इस साल मई से सितंबर के बीच तिब्बत का औसत तापमान 11.9 डिग्री सेल्सियस रहा, जो आम वर्षों की तुलना में 0.44 डिग्री अधिक है। इस दौरान 445.1 मिलीमीटर औसत बारिश रिकार्ड हुई है, जो आम वर्षों की तुलना में तकरीबन 62.4 मिलीमीटर अधिक है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अल्पकाल के लिए यह स्थिति फायदेमंद है, इसलिए कि गरम और आर्द्र मौसम से क्षेत्र में कृषि अधिक होगी, उपज बढ़ेगा, पर्यटन और पशुपालन को बढ़ावा मिलेगा। लेकिन दीर्घकाल के लिए यह स्थिति तिब्बत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। इसलिए कि इससे इस क्षेत्र में ग्लेशियर और परमाफ्रास्ट के पिघलने का खतरा बढ़ जाएगा, जिससे तिब्बत का पर्यावरण बुरी तरह प्रभावित होगा। परमाफ्रस्ट उस सतह को कहते हैं, जो दो या अधिक वर्षों से शून्य डिग्री या उससे कम तापमान पर जमी रही हो। अगर ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई तो न सिर्फ तिब्बत का भौगोलिक संतुलन बिगड़ेगा, बल्कि कृषि, पशुपालन और व्यापार भी बुरी तरह प्रभावित होगा। तिब्बत के भौगोलिक परिदृश्य पर नजर डालें तो यह मध्य एशिया की उच्च पर्वत श्रेणियों के मध्य कुनलुन और हिमालय के मध्य स्थित है। इसकी ऊंचाई सोलह हजार फुट है। यहां का क्षेत्रफल सैंतालीस हजार वर्ग मील है। तिब्बत पूर्व में शीकांग से, पश्चिम में कश्मीर से दक्षिण में हिमालय पर्वत से तथा उत्तर में कुनलुन पर्वत से घिरा हुआ है। इस पठार का कुल क्षेत्रफल पच्चीस लाख वर्ग किलोमीटर है। यह पठार पूर्वी एशिया की बृहत्तर नदियों ह्वांगहो, मेकांग आदि का उद्गम स्थल है, जो पूर्वी क्षेत्र से निकलती हैं। भारत की महत्त्वपूर्ण ब्रह्मपुत्र नदी भी दक्षिण तिब्बत से शुरू होती है। तिब्बत के पूर्वी क्षेत्र में कुछ वर्षा होती है और बारह सौ फुट की ऊंचाई तक वन पाए जाते हैं। यहां की कुछ घाटियां पांच हजार फुट ऊंची हैं, जहां कृषि कार्य किए जाते हैं। पठार के पश्चिमोत्तर भाग में पांच हजार मीटर से अधिक ऊंचाई वाला चान्गतंग इलाका है, जो भारत के दक्षिण-पूर्वी लद्दाख तक फैला हुआ है। तिब्बत में विभिन्न क्षेत्रों और ऊंचाइयों पर फसलों की किस्मों में बड़ा अंतर पाया जाता है। तिब्बत में खेतीबाड़ी मुख्य तौर पर नदियों की घाटियों में होती है।

जौ, गेहूं, सरसों, मटर, थोड़ा-बहुत धान और मकई की भी फसल पैदा की जाती है। जलवायु की शुष्कता उत्तर की ओर बढ़ती जाती है और जंगलों के स्थान पर घास के मैदान अधिक पाए जाते हैं। जनसंख्या का घनत्व धीरे-धीरे कम होता जाता है और कृषि के स्थान पर पशुपालन बढ़ता जाता है। पठार के दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों में घास के मैदान हैं, जहां मवेशी पालन से खानाबदोश लोग जीवन बसर करते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर तिब्बत को ग्लोबल वार्मिंग की चपेट में आने से नहीं बचाया गया तो न केवल कृषि और पशुपालन बुरी तरह प्रभावित होगा, बल्कि आजीविका का भी संकट उत्पन हो जाएगा। यहां के निवासियों को आजीविका के लिए विस्थापन का दंश झेलना पड़ेगा। पर्यावरणविदों का मानना है कि जलवायु में हो रहे परिवर्तन से तिब्बत के वन क्षेत्र को भारी नुकसान पहुंच सकता है। तिब्बत में वन का क्षेत्रफल तकरीबन चौंसठ लाख हेक्टेयर है, जो स्वायत्त प्रदेश की कुल भूमि का तकरीबन पांच फीसद है। हालांकि यह मात्रा देश के औसत स्तर से काफी कम है, लेकिन यहां लकड़ियों का भंडारण एक अरब चालीस करोड़ से अधिक घनमीटर है। तिब्बत का वन संसाधन मुख्य तौर पर यालूचांगबू नदी के मध्य व निचले भाग, लोका क्षेत्र और पूर्वी तिब्बत की पहाड़ी वादियों में उपलब्ध है। यहां पर ऊन का बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है जो विश्व भर में दुर्लभ है। अगर जलवायु परिवर्तन से कृषि और पशुपालन को नुकसान पहुंचता है, तो फिर उसका नकारात्मक असर तिब्बत की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। वैसे भी गौर करें तो पिछले कुछ वर्षों से तिब्बत का विदेशी व्यापार की स्थिति संतोषजनक नहीं है। यह 2015 में 59.2 फीसद लुढ़ कर पांच अरब युआन यानी 8.61 करोड़ डॉलर रहा और निर्यात 71.9 फीसद घट कर तीन अरब युआन रहा। जबकि आयात 114.4 फीसद घट कर दो अरब युआन रहा। गौरतलब है कि इस गिरावट के लिए प्रमुख रूप से नेपाल में आया भूकंप था। गौरतलब है कि तिब्बत नेपाल का प्रमुख व्यापारिक साझीदार देश है। अगर तिब्बत पर जलवायु परिवर्तन की मार अधिक पड़ती है तो फिर यहां कल-कारखाने और उद्योग-धंधे भी प्रभावित होंगे। गौरतलब है कि 1959 में प्रजातांत्रिक सुधार के उपरांत यहां औद्योगीकरण को बल बल मिला है। यहां के ल्हासा, लिनची और शिकजे क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बिजली, कोयला, धातुशोधन, मशीनरी, रसायन, टैक्सटाइल, चमड़ा, कागज, प्लास्टिक और खाद्य पदार्थ से जुड़े कई बड़े उद्योग स्थापित हुए हैं। अब तो वाणिज्य, पर्यटन, डाक, तार, मनोरंजन और आइटी जैसे नव-उद्योग भी आकार लेने लगे हैं। वैज्ञानिकों ने अपने शोधों में पाया है कि जलवायु परिवर्तन के कारण न केवल तिब्बत का स्वरूप बिगड़ रहा है, बल्कि हिमालय और विश्व के अन्य क्षेत्रों में भी विद्रूप परिवर्तन हो रहा है। एक अध्ययन के मुताबिक पिछले पांच दशक में हिमालय क्षेत्र में ग्लेशियर दो से पांच किलोमीटर तक सिकुड़ गए हैं। इसके अलावा छिहत्तर फीसद ग्लेशियर चिंताजनक गति से सिकुड़ रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय अनुपात को देखते हुए उत्तरी ध्रुव क्षेत्र दोहरी तेजी से गरम हो रहा है और यहां फैली स्थायी बर्फ की मोटी परत कम हो रही है। सदियों से बर्फ की मजबूत चादर में ढके क्षेत्र भी तेजी से पिघल रहे हैं। वर्ष 2007 की इंटर गवर्नमेंटल पैनल की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर के करीब तीस पर्वतीय ग्लेशियरों की मोटाई वर्ष 2005 में आधे मीटर से ज्यादा कम हो गई। यही नहीं, संयुक्त राष्ट्र की ग्लोबल फॉरेस्ट रिसोर्स एसेसमेंट की रिपोर्ट से भी उद्घाटित हो चुका है कि जलवायु परिवर्तन के कारण 1990 से 2015 के बीच वनक्षेत्र में तीन फीसद की गिरावट आई है। वनों के विनाश से वातावरण जहरीला होता जा रहा है और प्रतिवर्ष दो अरब टन अतिरिक्त कार्बन-डाइआक्साइड वायुमंडल में घुल-मिल रहा है।

## सम्पादकीय

### जिसे देख क्रिकेट सीखा, उसने टेस्ट को कहा अलविदा

क्रिकेट टेस्ट मैचों के मुकाबलों में अब विराट कोहली नहीं होंगे। मगर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की दुनिया में अब तक उनकी जो जगह बन चुकी है, उसमें इस खेल के हर प्रारूप में उनकी छवि मौजूद होगी। सोमवार को विराट कोहली ने जब सोशल मीडिया पर टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की, तो भारत सहित दुनिया भर में इस खेल में उनके सफर को याद करते हुए उन्हें भावुक विदाई दी गई। गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में टी-20 मैचों से वे पहले ही संन्यास ले चुके हैं और अब टैस्ट मैचों में भी नहीं दिखेंगे। हालांकि एकदिवसीय मैचों में वे मौजूद रहेंगे। दरअसल, विराट कोहली के उभार के बाद से अब तक देश और दुनिया भर में लोगों ने जिस रूप में उन्हें देखा है, उसमें वे ज्यादातर लोगों के दिमाग में एक सदाबहार, सहृदय और बेहद सक्षम खिलाड़ी के रूप में स्थिर हो चुके हैं। विराट ने भारत को चालीस टैस्ट मैचों में जीत दिलाई, लगातार नौ टेस्ट शृंखला जीतने का कीर्तिमान कायम किया। उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में छह दोहरे शतक, बीस शतक और नाबाद 254 रन का कीर्तिमान दर्ज है। विराट कोहली के सफर में आए उतार-चढ़ाव उनके प्रदर्शन में कभी बाधक नहीं बने। कभी मैदान में उन्होंने अपनी चमक बिखेरी, तो उसकी चकाचौंध में डूबे नहीं, कभी मद्धिम पड़े तो उससे हारे नहीं। सन 2014 में इंग्लैंड में एक टेस्ट शृंखला के पांच मैचों में दस पारियों में विराट ने महज एक सौ पैंतीस रन बनाए, तब उनकी क्षमता पर सवाल उठाए जाने लगे थे। हालांकि उससे पहले वे अलग-अलग देशों के कई तेज पिचों पर शतक जमा चुके थे और उन्हें तेजी से उभरता सितारा माना जाने लगा था। विराट ने अपने उस प्रदर्शन को सबक के तौर पर लिया, अपनी बल्लेबाजी की तकनीक और कौशल में सुधार लाने के लिए उन्होंने खुद को सख्त मेहनत और अभ्यास में झोंक दिया और फिर ऐसे खिलाड़ी के रूप में उभर कर सामने आए, जिसने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों में अपनी क्षमता साबित की और खेल के रुख को बदल देने वाले चेहरे के तौर पर मशहूर हुए। अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टेस्ट क्रिकेट की दुनिया को वे शिद्दत से याद आएंगे।

## कसौटी पर निजता

इस कानून पर विवाद के मुख्य विषय हैं कि किन सूचनाओं को आवश्यक माना जाए और किन्हें अहस्तक्षेप की रणनीति के तहत गोपनीय रखा जाए। लेकिन हम राष्ट्र की एकता, अखंडता, संप्रभुता, जनकल्याण आदि से समझौता नहीं कर सकते हैं और न ही इसकी आड़ में वैयक्तिक गोपनीयता को कुचल सकते हैं। दूसरा मुद्दा है- वर्तमान डिजिटलीकरण युग की एक समांतर दुनिया में हो रहे डेटा के अबाध खेल पर कैसे लगाम लगाई जाए? वर्तमान में हम तकनीकी, सूचना और संचार के युग में जी रहे हैं। जहां चाहे-अनचाहे निजी जीवन से जुड़ी अनेक सूचनाएं साझा करनी पड़ती है। ये गोपनीय और बेहद संवेदनशील भी हो सकती हैं। इन सूचनाओं की सुरक्षा उतनी ही आवश्यक है, जैसे कि भोजन के लिए खाद्य सुरक्षा। गौरतलब है कि इन सूचनाओं का अनावश्यक सार्वजनिक होना किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास को बाधित करने से लेकर उसके जीवन की अंतिम सांस लेने तक के लिए बाध्य कर सकता है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान तकनीकी युग में सर्वाधिक दुरुपयोग इन गोपनीय सूचनाओं का हो रहा है। हमारे पास कोई मजबूत नियंत्रक मशीनरी या कानून नहीं, जिससे दुरुपयोगकर्ता को कठघरे में खड़ा किया जा सर्वोच्च न्यायालय ने 2017 के केएस पुट्टास्वामी मामले में गोपनीयता को मूल अधिकार माना है। अपने अन्य निर्णय मेनका गांधी केस में भी गोपनीयता को व्यक्तिगत स्वतंत्रता का पूरक कहा है। यहां तक कि मानवाधिकार की सार्वभौमिक घोषणा के अनुच्छेद 12 में गोपनीयता को एक मानवाधिकार का दर्जा दिया गया है। प्रश्न है गोपनीयता को मिली सैद्धांतिक स्वीकृति के बावजूद व्यावहारिकता में इसे लाने पर विवाद क्यों हैं? सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 8(जे) की आड़ में संस्थागत गोपनीयता एवं लोक कल्याण का विषय नहीं है। इसका हवाला देते हुए लगभग एक तिहाई पूछे गए सवाल खारिज कर दिए जाते हैं। प्रश्न है कि संस्थागत गोपनीयता कैसे परिभाषित हो? इसी प्रकार श्रेया सिंघल मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने इंटरनेट पर अभिव्यक्ति को मूल अधिकार बताया। लेकिन यह निरपेक्ष तो नहीं है। हमारी भी कुछ जवाबदेही और जिम्मेदारियां हैं। सवाल है कि अभिव्यक्ति की सीमाएं कैसे तय हों कुछ इसी तरह सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 69 राज्य को अधिकार देती है कि अपने निगरानी तंत्र को सशक्त करने के उद्देश्य से किसी भी कम्प्यूटरजनित सूचना पर नजर रखी जा सकती है। यह एकपक्षीय मालूम पड़ता है। इस अधिकार का दुरुपयोग गोपनीयता भंग करने का अधिकार बन गया। निस्संदेह निगरानी तंत्र सुदृढ़ किया जाए, लेकिन इसके दुरुपयोग के विरुद्ध जवाबदेही भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। सर्वविदित है वर्तमान शासन व्यवस्था आधार केंद्रित हो चली है। यह कैसे तय हो कि इसका गलत इस्तेमाल नहीं होगा? निजी कंपनियों को दी गई सूचनाएं सेवा प्राप्ति के बाद उसे मिटाने का अभी कोई प्रावधान नहीं हैं। कंपनियां इस डेटा का मनमानी उपयोग कर रहीं हैं।

## अकेले हम अकेले तुम

**धर्म और राजनीति की चर्चा से भरे मीडिया में यदाकदा संवेदनशून्यता की ऐसी भी कहानियां सामने आ जाती हैं, जहां विदेश में बसे पुत्र को घर लौटने पर महीनों अंदर से बंद मकान में अपनी मां का अस्थि-पिंजर मिला! कभी समर्थ रहे लोगों की नजरअंदाजी का दृश्य हमारे समाज में आम होता जा रहा है। बुजुर्गों के प्रति लापरवाही और हिकारत की घटनाएं हमारे आसपास इतने बड़े पैमाने पर होती हैं कि बारंबार होने की वजह से वे समाज के मानस को वैसे नहीं झझकोरती जैसा किसी अन्य घटना पर लोगों के बीच उबाल देखने को मिलता है।**

अपने विश्व प्रसिद्ध उपन्यास 'एकांत के सौ बरस' में गेब्रियल गार्सिआ मार्खेज ने लिखा है- 'सुखद वृद्धावस्था के लिए आपको एकांत के साथ सम्मानीय समझौता कर लेना चाहिए'! गेब्रियल इस कथन में जीवन की शाम को सम्मानजनक ढंग से बिताने का राज बताते हुए दरअसल इस अवस्था पर तंज करते हुए भी प्रतीत होते हैं। कहने की आवश्यकता नहीं है कि उम्र के इस दौर की हजारों कहानियां और उनके पात्र हमारे चारों और बहुतायत में मौजूद हैं। उपेक्षित और अकेलेपन से जूझते हुए। कुछ वर्ष पहले एक जाने-माने संगठन ने उम्र की अंतिम दहलीज पर खड़ी पीढ़ी की मानसिक और शारीरिक जरूरतों पर सर्वेक्षण किया था। जैसी कि उम्मीद थी, परिणाम दिल दहलाने वाले आए थे। अकेले भारत में ही पैंसठ प्रतिशत से अधिक बुजुर्ग अपनों की ही उपेक्षा का शिकार हो रहे हैं। इसी प्रकार एक तिहाई बुजुर्ग शारीरिक और शाब्दिक हिंसा झेलने को मजबूर है। इसी सर्वेक्षण ने यह भी उजागर किया कि भारत में हर चौथे बुजर्ग का उसके ही परिवार ने आर्थिक या मानसिक शोषण किया है। पराए लोगों से दुख मिलता है तो लोग अपनों की ओर उम्मीद भरी नजरों से देखते हैं। लेकिन जब अपने ही दुख देने लगें या फिर उपेक्षा करने लगें तब क्या किया जाए! धर्म और राजनीति की चर्चा से भरे मीडिया में यदाकदा संवेदनशून्यता की ऐसी भी कहानियां सामने आ जाती हैं, जहां विदेश में बसे पुत्र को घर लौटने पर महीनों अंदर से बंद मकान में अपनी मां का अस्थि-पिंजर मिला! कभी समर्थ रहे लोगों की नजरअंदाजी का दृश्य हमारे समाज में आम होता जा रहा है। बुजुर्गों के प्रति लापरवाही और हिकारत की घटनाएं हमारे आसपास इतने बड़े पैमाने पर होती हैं कि बारंबार होने की वजह से वे समाज के मानस को वैसे नहीं झझकोरती जैसा किसी अन्य घटना पर लोगों के बीच उबाल देखने को मिलता है। न ही इस तरह की घटनाओं को मीडिया माध्यमों में अपेक्षित स्थान मिलता है, जब तक कि वे किसी स्थापित शख्सियत को अपना शिकार नहीं बनातीं! हाल का एक उदाहरण बानबे वर्षीय नामचीन संगीतकार वनराज भाटिया का है। वरिष्ठ अभिनेता कबीर बेदी के ट्वीट से दुनिया को मालूम हुआ कि अपने समय के प्रतिभाशाली संगीतकार वनराज भाटिया आर्थिक और शारीरिक परेशानियों के चलते नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। मुख्यधारा के सिनेमा से इतर कालजयी कला फिल्मों 'अंकुर', 'भूमिका', 'जूनून', '36 चैरंगी लेन', 'मंडी', 'जाने भी दो यारो' और रेडियो जिंगल के लिए कर्णप्रिय संगीत रचने वाले वनराज भाटिया उन चुनिंदा संगीतकारों में शुमार हैं, जिन्होंने भारतीय शास्त्रीय संगीत के साथ पश्चिमी क्लासिकल म्यूजिक की विधिवत शिक्षा हासिल की है। रॉयल अकादमी से शिक्षित वनराज भाटिया लंदन से गोल्ड मेडल लेकर लौटे हैं। अस्सी के दशक से टेलीविजन देख रहे दर्शकों के लिए वनराज का नाम किसी परिचय का मोहताज नहीं है। 'भारत एक खोज', 'यात्रा', 'तमस' जैसे अविस्मरणीय धारावाहिकों में संगीत रचने वाले वनराज उम्र की ढलान पर अकेलेपन और अवेहलना से जूझ रहे हैं।

रोशनी के घेरे में चुनचुनाती चंचल छवियों के पीछे कितना अंधेरा है, इससे देश और दर्शक इत्तिफाक नहीं रखता। अक्सर वे ही लोग स्मृतियों में रहते हैं, जो रोशनी की जद में होते हैं। 'स्पॉटलाइट' हटते ही उनकी खैर खबर पूछने वाला कोई नहीं होता। वनराज इस लिहाज से किस्मत वाले है कि उन्हें तुरंत आर्थिक सहायता मिल गई, अन्यथा अतीत में अपने जमाने के सुपर स्टार भगवान दादा, भारत भूषण, अचला सचदेव, 'लगान' आदि फिल्मों के ईश्वर काका (श्रीवल्लभ व्यास) हिंदी फिल्मों में नायिका की छवि को आधुनिकता का तड़का देने वाली परवीन बॉबी, दक्षिण फिल्मों के चिर-परिचित खलनायक रामी रेड्डी, संजय दत्त को बॉडी बिल्डिंग के लिए प्रेरित करने वाले गेविन पैकार्ड आदि इतने भाग्यशाली नहीं थे। इन लोगों के अंतिम समय में इनकी पूछ-परख करने वाला कोई नहीं था। दो सौ से अधिक फिल्में कर चुके चरित्र अभिनेता एके हंगल की सुध भी तब ली गई थी

# अब हॉलीवुड फिल्म में नजर आएंगी कंगना रनौत

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत अब हॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं। वह हॉरर ड्रामा 'ब्लेस्ड बी द एविल' में पहली बार मुख्य भूमिका निभाएंगी। इस प्रोजेक्ट में कंगना के साथ टीन वुल्फ, टायलर पोसी और हॉलीवुड आइकन सिल्वेस्टर स्टेलोन की बेटी स्कारलेट रोज स्टेलोन होंगी। रिपोर्ट के अनुसार, इस फिल्म का निर्माण इस गर्मी में न्यूयॉर्क शहर में शुरू होने वाला है। निर्माताओं ने खुलासा किया कि टीम ने जानबूझकर अमेरिकी स्थानों का चयन किया ताकि हाल ही में घोषित ट्रम्प इंडस्ट्री टैरिफ से उत्पन्न किसी भी अनिश्चितता से बचा जा सके। इस फिल्म का निर्देशन अनुराग रुद्र ने किया है। जिन्होंने गाथा तिवारी लायंस मूवीज के अध्यक्ष और संस्थापक के साथ मिलकर इसकी स्क्रिप्ट भी लिखी है। 'ब्लेस्ड बी द एविल' एक साइकोलॉजिकल हॉरर है। रिपोर्ट के मुताबिक कहानी एक ईसाई कपल पर केंद्रित है जो गर्भपात के आघात से जूझ रहा है। एक नई शुरुआत की तलाश में, वह एक अंधेरे और भयावह इतिहास वाले एक छोड़े हुए खेत को खरीदते हैं, लेकिन यहां उनका सामना एक दुष्ट शक्ति से होता है। फिल्म के निर्देशक अनुराग ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा, 'ग्रामीण भारत में पैदा होने और अपना बचपन बिताने के कारण, मुझे ऐसी कहानियां सुनाई गईं जो मेरे दिमाग और दिल में बस गईं। यह लोककथा इतनी खास थी कि मुझे वास्तव में सभी कहानियों पर विश्वास था। मैं उन्हें सिनेमा की कला के माध्यम से अंतरराष्टीय स्तर पर प्रदर्शित करना चाहता था।' अभिनेत्री कंगना रनौत ने अभी तक इस प्रोजेक्ट को लेकर कोई रिएक्शन नहीं दिया है। अभिनेत्री को आखिरी बार 'इमरजेंसी' में देखा गया था। इस फिल्म से उन्होंने निर्देशन की भी शुरुआत की। फिल्म में उन्होंने भारत की दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाई थी।

# नित्या मेनन के साथ बनी विजय सेतुपति की जोड़ी

साउथ स्टार विजय सेतुपति की फिल्मों का दर्शकों को बड़ी ही बेसब्री से इंतजार रहता है। पिछले कुछ वक्त से विजय सेतुपति अपनी अनाम आगामी फिल्म को लेकर चर्चाओं में थे, जिसमें उनके साथ अभिनेत्री नित्या मेनन नजर आने वाली हैं। हालांकि, अब मेकर्स ने इस फिल्म के टाइटल की घोषणा कर दी है। जिसके बाद अब फिल्म का नाम सामने आ गया है।

## पावर कपल के रूप में नजर आएंगे विजय-नित्या

फैंस का इंतजार खत्म हुआ और विजय सेतुपति की आगामी फिल्म के 'टाइटल की घोषणा हो गई। विजय सेतुपति और नित्या मेनन की इस फिल्म का नाम है 'थलाइवन थलाइवी'। इस फिल्म का निर्देशन पंडिराज ने किया है। इस ड्रामा फिल्म में विजय और नित्या पावर कपल के रूप में दिखाई देंगे। फिल्म गंभीर रूप से संबंधित रिश्तों पर बात करती है और उनके बीच के हर भाव को दिखाती है।

## टीजर में दिखी दोनों की मजेदार केमेस्ट्री

मेकर्स ने फिल्म का टाइटल टीजर जारी किया है। जिसकी शुरुआत विजय सेतुपति और नित्या मेनन के खाना बनाने की तैयारी करते हुए होती है। इसके बाद दोनों मजाक और बहस करते हुए रसोई में खाना बनाते नजर आते हैं। टीजर में दोनों के बीच जबरदस्त केमेस्ट्री देखने को मिली है। टीजर में योगी बाबू भी नजर आए हैं। जो ये बताते हैं कि यह जोड़ी सामान्य से बहुत दूर है। तभी विजय सेतुपति एक बंदूक निकालते हैं और गोली चलाते हैं। इसके साथ ही टीजर समाप्त हो जाता है।

## अभी सामने नहीं आई रिलीज डेट

विजय सेतुपति और नित्या मेनन दूसरी बार एक साथ किसी फिल्म में नजर आएंगे। पंडिराज द्वारा लिखित और निर्देशित 'थलाइवन थलाइवी' के टीजर के बाद अब दर्शक इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं। हालांकि, अभी फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा नहीं की गई है।

# नई फिल्म के लिए साथ आए मनोज बाजपेयी और विपुल शाह

नेशनल अवॉर्ड विजेता अभिनेता मनोज बाजपेयी एक बार फिर दर्शकों को अपनी दमदार एक्टिंग से चौंकाने को तैयार हैं। उनकी नई फिल्म गवर्नर की घोषणा हो चुकी है, जिसमें वह एक गवर्नर की मुख्य भूमिका निभाएंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह पॉलिटिकल थ्रिलर फिल्म विपुल शाह के प्रोडक्शन हाउस सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले बन रही है। फिल्म के डायरेक्टर चिन्मय मांडलेकर हैं और इसकी शूटिंग जुलाई-अगस्त 2025 में शुरू होने की उम्मीद है।

## गवर्नर की कहानी और तैयारी

गवर्नर एक रोमांचक पॉलिटिकल थ्रिलर है, जो मनोज बाजपेयी के करियर में एक और शानदार प्रदर्शन जोड़ने जा रही है। पीपिंगमून की रिपोर्ट के अनुसार, सनशाइन पिक्चर्स में इस प्रोजेक्ट पर पिछले दो साल से काम चल रहा था। पहले इस फिल्म को अपूर्व सिंह कार्की (सिर्फ एक बंदा काफी है) डायरेक्ट करने वाले थे, लेकिन अपनी दूसरी कमिटमेंट के कारण उन्हें प्रोजेक्ट छोड़ना पड़ा। इसके बाद मनोज बाजपेयी ने चिन्मय मांडलेकर को डायरेक्टर के तौर पर सुझाया। मनोज और चिन्मय हाल ही में नेटफ्लिक्स इंडिया की अपकमिंग कॉप ड्रामा सीरीज इंस्पेक्टर जेंडे में साथ काम कर चुके हैं। फिल्म की प्री-प्रोडक्शन शुरू हो चुकी है और बाकी मुख्य किरदारों के लिए कास्टिंग प्रक्रिया जोरों पर है। विपुल शाह इस फिल्म के प्रोड्यूसर हैं।

## मनोज बाजपेयी के आने वाले प्रोजेक्ट

मनोज बाजपेयी को गैंग्स ऑफ वासेपुर, स्पेशल 26, जोरम, और गुलमोहर जैसी फिल्मों में उनके शानदार अभिनय ने उन्हें दर्शकों और क्रिटिक्स का प्यार दिलाया है। हाल ही में वह नीरज पांडे की नेटफ्लिक्स फिल्म की शूटिंग पूरी कर चुके हैं। इसके बाद वह गवर्नर की शूटिंग शुरू करेंगे। मनोज के पास और भी कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं, जिनमें शेखर कपूर की मासूम- द न्यू जेनरेशन और राम गोपाल वर्मा की पुलिस स्टेशन में भूत शामिल हैं। इसके अलावा, अमेजन प्राइम वीडियो की सुपरहिट सीरीज द फैमिली मैन का तीसरा सीजन भी दिवाली 2025 के आसपास रिलीज होने की उम्मीद है।

# हॉलीवुड में डेब्यू करेंगी सलमान की गर्लफ्रेंड यूलिया वंतूर

सलमान खान की रूमर्ड गर्लफ्रेंड यूलिया वंतूर जल्द ही हॉलीवुड फिल्म में नजर आने वाली हैं। आज ही यह जानकारी सोशल मीडिया पर आई है, जिससे इस बात की पुष्टि होती है कि वह जल्द ही ईकोज ऑफ अस में नजर आएंगी।

## ईकोज ऑफ अस की स्टार कास्ट और शूटिंग

ईकोज ऑफ अस एक अंग्रेजी भाषा की फिल्म होगी, जिसमें यूलिया वंतूर के अलावा पूजा बत्रा, दीपक तिजोरी और स्पेनिश अभिनेत्री एलेसेंड्रा व्हेलन मैरिज नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन जो राजन करेंगे, जिन्होंने लव यू सोनियो से अपने निर्देशन करियर की शुरुआत की थी। बहरहाल, फिल्म की शूटिंग आज से शुरु हो चुकी है। इस फिल्म में यूलिया महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म का निर्माण अभिनेत्री पूजा बत्रा के एलायंस मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के तहत किया जाएगा।

## यूलिया का करियर और चर्चा

यूलिया वंतूर एक रोमानियाई अभिनेत्री, गायिका और मॉडल हैं। यूलिया ने रोमानिया में मॉडलिंग और टेलीविजन प्रस्तुतकर्ता के रूप में काम किया। भारत में आने के बाद, उन्होंने संगीत में भी हाथ आजमाया और कई गानों में अपनी आवाज दी है, जैसे कि हिमेश रेशमिया के साथ एवरी नाइट एंड डे। यूलिया ने बॉलीवुड में कई फिल्मों में आइटम नंबर किए हैं। हालांकि, उन्हें सबसे ज्यादा सलमान खान के साथ उनके संबंधों के कारण जाना जाता है। यूलिया ने सलमान खान की फिल्म राधे- योर मोस्ट वांटेड भाई के गाने सीटीमार में भी अपनी आवाज दी है।

# ओटीटी पर नहीं आएगी सितारे ज़मीन पर, आमिर खान ने चुना यूट्यूब का नया पे-पर-व्यू मॉडल

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान एक बार फिर अपने नए सिनेमाई प्रयोग से चर्चा में हैं। उनकी आगामी फिल्म 'सितारे ज़मीन पर' को लेकर दर्शकों में जितनी उत्सुकता है, उतना ही चौंकाने वाला है इसका रिलीज़ फॉर्मेट। आमतौर पर आजकल की फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के कुछ हफ्तों के भीतर ही ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध हो जाती हैं, लेकिन आमिर खान ने इस रिवाज से हटकर एक नई राह चुनी है। सूत्रों की मानें तो सितारे ज़मीन पर को सिनेमाघरों में रिलीज़ के बाद किसी भी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम नहीं किया जाएगा। इसकी बजाय, यह फिल्म दो महीने बाद यूट्यूब पर पे-पर-व्यू मॉडल के तहत दर्शकों के लिए उपलब्ध कराई जाएगी। इस मॉडल के तहत दर्शक फिल्म को देखने के लिए एक बार का शुल्क देंगे — न कि किसी ओटीटी सब्सक्रिप्शन के जरिए।
आमिर खान का मानना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर जल्दी स्ट्रीमिंग की वजह से दर्शक सिनेमाघरों का रुख नहीं करते, खासकर ऐसी फिल्मों के लिए जो बड़े विज़ुअल इफेक्ट्स या एक्शन से भरपूर नहीं होतीं। 'सितारे ज़मीन पर' एक भावनात्मक और कंटेंट-ड्रिवन फिल्म है, और आमिर इसके साथ एक अलग प्रयोग करना चाहते हैं। यही कारण है कि फिल्म के पोस्टर पर भी किसी ओटीटी प्लेटफॉर्म का लोगो नहीं है — जो आमतौर पर ट्रेंड बन चुका है। इस निर्णय के पीछे आमिर की मंशा यह है कि दर्शकों को सिनेमाघर का अनुभव देने के बाद भी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर फिल्म की वैल्यू बनी रहे और निर्माता को कंटेंट पर पूरा नियंत्रण मिले। यह भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में पे-पर-व्यू आधारित वितरण मॉडल का एक नया अध्याय साबित हो सकता है।

# घर के बाहर कैज़ुअल सेक्सिज़्म का सामना किया, मेरी बोली हुई बात का कोई महत्व नहीं था

सार्थक सिनेमा के लिए जानी जाने वाली भूमि पेडनेकर जितनी कटिबद्ध अपनी भूमिकाओं को लेकर हैं, उतनी ही उनकी चर्चा होती रही है विविधरंगी चरित्रों को लेकर। अभिनय के अलावा वे देश-विदेश के मंचों पर पर्यावरण और महिला मुद्दों पर भी जागरूकता फैलाने का भी काम करती रही हैं। जल्द ही वे द रॉयल्स जैसी वेब सीरीज से ओटीटी पर अपना डेब्यू करने जा रही हैं। उनसे एक खास बातचीत

**भूमि हाल ही में हमने आपको यंग ग्लोबल विमेन लीडर के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करते देखा, कितना फर्क पड़ता है, इस तरह के पार्टिसिपेशन से?**

-बहुत फर्क पड़ता है। मैं खुद को बहुत ही उद्देश्यपूर्ण अभिनेत्री और व्यक्ति मानती हूं, तो मैं अपने काम या जो भी मुझे मंच दिया जाता है, उसमें उद्देश्य ढूंढती हूं। जैसे हाल ही में मैं डावोस समिट गई थी या फिर बीते दो सालों में मैंने जितने भी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को रीप्रेजेंट किया है, मैंने अभिनेत्री नहीं बल्कि एक लड़की होने के नाते अपनी बात रही है। मैं इस तरह के प्लेटफॉर्म्स का लगातार हिस्सा बनना चाहूंगी, क्योंकि जब तक हम इन माध्यमों में अपनी सहभागिता नहीं बढ़ाएंगे, जहां महिलाओं को लेकर पॉलिसीज बनती हैं, कानून बनाए जाते हैं, बड़े फैसलों पर निर्णय लिए जाते हैं, तब तक हम इक्वैलिटी की बात कैसे कर सकते हैं? इसलिए ऐसे मंचों का हिस्सा बनना जरूरी है।

**आप पर्दे पर भी लगातार महिला मुद्दों को मुखर करने वाले किरदारों में नजर आती हैं, मगर क्या आपको लगता है कि महिलाओं की चुनौतियां कुछ कम हुई हैं?**

मुझे लगता है बदलाव तो आया है, मगर अभी लंबा सफर तय करना है महिलाओं को। औरतों की चुनौतियों की फेहरिस्त बहुत लंबी है। मूल रूप से आप हर चीज में जो असमानता देखते हैं और दुर्भाग्य की बात ये है कि इसकी शुरुआत आपको घर से देखने को मिलती है। मैं इस मामले में खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मैं जिस तरह के परिवार में पली-बढ़ी, वहां मुझे अहसास नहीं हुआ कि कैजुअल सेक्सिज्म (अनौपचारिक लिंगभेद) क्या होता है? ऐसी चीजों का मुझे तब अहसास हुआ, जब मैं अपने घर से बाहर निकली और मेरी हर चीज पर सवाल उठाए जाने लगे। कई बार मुझे साफ तौर पर मुंह पर बोला गया कि बाकी चीजें अहमियत रखती हैं, मेरी बोली हुई बात का कोई महत्व नहीं। कई बार हम एक पुरुषों से भरे कमरे में होते हैं और वहां अनौपचारिक रूप से हमें जताया जाता है कि हमारा मत अहमियत नहीं रखता। यही वजह है कि मैं कोशिश करती हूं कि अपने काम या किरदारों के जरिए महिलाओं को सशक्त करने का काम करती हूं।

**करियर की शुरुआत में दम लगा के हईशा से अब तक आपका ट्रांसफॉर्मेशन काबिल-ए-तारीफ है, मगर क्या आपको लगता कि मेल एक्टर के 6 पैक एब्स बनाने की तुलना में ऐक्ट्रेस के ट्रांसफॉर्मेशन को उतना हाईलाइट नहीं किया जाता?**

आप जो कह रही हैं, वो बिलकुल सौ प्रतिशत सही है। हम लड़कियों को खुद को साबित करने के लिए थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। मैंने दम लगा के हईशा के लिए मैंने तकरीबन 27 किलो वजन बढ़ाया था और इस भूमिका के लिए मैं अलग तरह से ट्रांसफॉर्म हुई हूं। आने वाले समय में हो सकता है आपको कोई और भूमि देखने को मिले, मगर मैं यह जरूर कहना चाहूंगी कि मेरे पास शोर मचाने के लिए और भी बहुत कुछ है।

**आपकी नई वेब सीरीज द रॉयल्स में में आपके हीरो ईशान खट्टर हैं, उनके साथ अपनी केमेस्ट्री को लेकर नर्वसनेस थी कि कन्वर्ट हो पाएगी या नहीं?**

मुझे लगता है, वो नर्वसनेस हर किरदार को लेकर होती है। जो आपका किरदार है, जो आपने पढ़ा है और सोचा है, वो कन्वर्ट होगा या नहीं? देखिए, जो शो रनर होते हैं, प्रड्यूसर, एग्जिक्यूटिव प्रड्यूसर वो आपके पास एक कॉन्सेप्ट और किरदार लेकर आते हैं, उसके बाद आपको उसे सेट पर अपने निर्देशक के साथ मूर्त रूप देना होता है, मगर वह तभी कामयाब होता है, जब आपका अपने साथी कलाकार के साथ वो कंफर्ट लेवल हो। हीरो-हीरोइन दोनों ही जब पूरी मेहनत और शिद्दत से काम करते हैं, तभी जाकर उन दोनों के बीच की केमेस्ट्री रंग लाती है।

**जीनत अमान जैसी लेजेंड अभिनेत्री के साथ इस वेब सीरीज में काम करने का अनुभव कैसा रहा?**

जब मुझे पहली बार पता चला कि जीनत जी भी इस शो में हैं, तो मेरे अंदर का फैन बाग-बाग हो गया। मैं उनकी बहुत बड़ी वाली फैन हूं। जब सेट पर मेरा उनके साथ पहला सीन था, तब मैं बहुत नर्वस थी, क्योंकि मेरी समझ में नहीं आ रहा था कि मैं उनके सामने कैसे आऊंगी। मगर वे सच्चे मायनों में क्वीन हैं, आइकॉन हैं। उनका ऑरा कमाल का है। वे दयालु हैं, उनके भीतर बहुत प्यार भरा हुआ है, दूसरों को देने के लिए। आप जब भी उनसे मिलते हैं, तो वे आपको कॉम्प्लिमेंट करती रहेंगी और आपको लगता है कि वे कितनी ज्यादा विनम्र हैं। मैं कामना करती हूं कि काश मेरे उनके साथ और ज्यादा सीन होते। इस मामले में मुझे अपने दूसरे साथी कलाकारों से मुझे बहुत ईर्ष्या होती है, क्योंकि मेरी तुलना में उन्हें जीनत जी के साथ ज्यादा दृश्य करने का मौका मिला।

## यहां होती है चमगादडों की पूजा

वैसे तो आपने चमगादड़ों को देखा होगा, लेकिन बिहार के वैशाली जिले के राजापाकर प्रखंड के सरसई (रामपुर रत्नाकर) गांव में चमगादड़ों की न केवल पूजा होती है, बल्कि लोग मानते है कि चमगादड़ उनकी रक्षा भी करते हैं। इन चमगादड़ों को देखने के लिए पर्यटकों की भीड़ लगी रहती है। यहां लोगों की मान्यता है कि चमगादड़ समृद्धि की प्रतीक देवी लक्ष्मी के समान हैं। सरसई गांव के एक बुजुर्ग गणेश सिंह का मानना है कि चमगादड़ों का जहां वास होता है, वहां कभी धन की कमी नहीं होती। ये चमगादड यहां कब से हैं, इसकी सही जानकारी किसी को भी नहीं है। सरसई पंचायत के सरपंच और प्रदेश सरपंच संघ के अध्यक्ष आईएसएनसाह को बताते है कि गांव के एक प्राचीन तालाब (सरोवर) के पास लगे पीपल, सेमर तथा बथुआ के पेड़ों पर ये चमगादड बसेरा बना चुके हैं। उन्होंने बताया कि इस तालाब का निर्माण तिरहुत के राजा शिव सिंह ने वर्ष 1402 में करवाया था। करीब 50 एकड़ में फैले इस भूभाग में कई मंदिर भी स्थापित हैं।

## बीमारियों का खतरा कम करता है अखरोट

अखरोट में जितनी कैलोरी होने की बात कही है, असल में, अखरोट में उससे 21 फीसदी कम कैलोरी होती हैं। अखरोट खाने के कई फायदों को भी बता सकते हैं जिनमें कैंसर, हृदय और कुछ अन्य बीमारियों के खतरे को कम करना शामिल है। उन्होंने कहा कि हमारे शोध से लोगों की कैलोरी संबंधित चिंताओं को कम करने में मदद मिल सकती है और वे अपनी रोज की खुराक में इसे शामिल कर सकते हैं।

# प्राकृतिक गुणों से भरपूर अनानास

अनानास सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। इसमें कैल्शियम, फाइबर तथा विटामिन सी भरपूर मात्रा पाया जाता है और फैट बहुत कम होता है। गर्भावस्था में होने वाली मॉर्निंग सिकनेस की समस्या को कम करने में अनानास आपकी मदद कर सकता है। इस समस्या को कम करने के लिए खाली पेट अनानास को सेवन करना चाहिए। इसमें ब्रोमिलेन नामक तत्व सर्दी, खांसी, सूजन, गले में खराश और गठिया में फायदेमंद होता है। आइए जानते हैं इसके फायदों के बारे में...

### प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएं

अनानास के सेवन से प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और इससे किसी भी तरह की एलर्जी का खतरा कम हो जाता है।

### हड्डियां को बनाए मजबूत

इसमें मैग्नीशियम बहुत प्रचुर मात्रा में पाया जाता है जो हड्डियों को मजबूत और शरीर में एनर्जी को बनाए रखने में मदद करता है।

### आंखों के लिए फायदेमंद

हर रोज अनानास खाने से बढ़ती उम्र के साथ कम होती आंखों की रोशनी का खतरा कम हो जाता है।

### दिल की बीमारियों से बचाव

यह कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करता है। जिससे दिल की बीमारियों को रोकने में मदद मिलती है।

### कैंसर की रोकथाम

इसका एंटीऑक्सीडेंट आपको हृदय रोग, गठिया, विभिन्न तरह के कैंसर जैसी बीमारियों से बचाने में मदद करते है।

### कैविटी से रखे दूर

यह मुंह के किसी भी प्रकार के बैक्टीरिया को बढ़ने से रोकता है। जिससे दांतो में कैविटी की समस्या नहीं होती है।

### उच्च रक्तचाप

अगर आप उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं तो अनानास आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। इसमें पोटेशियम की उच्च मात्रा और सोडियम की कम मात्रा रक्तचाप के स्तर को सामान्य बनाए रखने में मदद करती हैं।

# ठंडी-ठंडी चिकित्सा पद्धति है क्रायोथेरेपी

क्रायोथेरेपी चिकित्सा की ऐसी पद्धति है जिसमें बर्फ के टुकड़े या ठंडे पानी के प्रयोग से दर्द का उपचार किया जाता है। इसका प्रयोग सबसे अधिक स्पोर्ट्स गतिविधियों के दौरान लगने वाली चोट के उपचार के लिए किया जाता है।

इसके अलावा क्रायोथेरेपी का प्रयोग प्रोस्टेट कैंसर और अनियंत्रित कोशिकाओं पर नियंत्रण पाने के लिए भी किया जाता है। क्रायोथेरेपी से शरीर के उस स्थान के बढ़े हुए तापमान को कम करता है, रक्त संचार की गति को बढ़ाता है, यह तंत्रिकाओं के वेग को भी कम कर देता है जिसके कारण दर्द को काबू में आ जाता है। इस लेख में विस्तार से जानिए इसका प्रयोग कैसे होता है और इसके विभिन्न तरीके क्या-क्या है।

### कब प्रयोग करें

- चोट के कारण होने वाले वाले तेज दर्द को कम करने के लिए
- सूजन को कम करने के लिए
- शरीर के कोमल (tenderness) क्षेत्रों के उपचार के लिए
- मांसपेशियों में खिंचाव या ऐंठन होने पर
- कुछ भड़काऊ स्थितियों (bursitis, tenosynovitis, tendinitis) में।
- अधिक दबाव के कारण होने वाले दर्द में
- डीप वेन थ्रोम्बोसिस होने पर

### कब प्रयोग न करें

- खुले घावों में इसका प्रयोग न करें
- उच्च रक्तचाप होने पर
- हृदय रोगों में
- त्वचा संक्रमण होने पर
- सनसनी होने पर
- शीत पित्ती (Cold Urticaria) में।

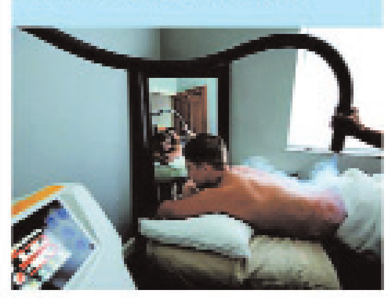

### कोल्ड पैक्स

इस तरह का उपचार बर्फ के टुकड़े को तौलिये में या फिर आइस पैकेट में रखकर किया जाता है। यह शरीर के किसी हिस्से में होने वाले दर्द या फिर ऐंठन की समस्या को दूर करता है।

### कोल्ड व्हर्लपूल मेथॉड

क्रायोथेरेपी से उपचार के इस तरीके में किसी टब में पानी भरकर उसे ठंडा कर दिया जाता है, फिर शरीर के जिस हिस्से का उपचार होना होता है उसे टब में डालकर शरीर के हिस्से को हिलाया जाता है। पैरों की समस्याओं के उपचार के लिए यह तरीका अधिक प्रयोग किया जाता है।

### आइस इमर्सन

इस तरीके का प्रयोग एथलीटों या फिर स्पोर्ट्स गतिविधियों में लगे रहने वाले लोगों के लिए किया जाता है। इस तकनीक में पूरे टब में बर्फ के टुकड़े डाले जाते हैं उसके बाद मरीज को उस टब में घुसाया जाता है।

क्रायोथेरेपी यानी आइस थेरेपी दर्द की समस्या से निजात दिलाने वाला बहुत ही सामान्य और अच्छा तरीका है जिसका प्रयोग हर कोई आसानी से कर सकता है।

### आइस मसाज

इस तरीके में बर्फ के टुकड़े को सीधे तौर पर चोट वाली जगह पर लगाया जाता है। दर्द को दूर करने के लिए यह बहुत ही सामान्य और असरदार तरीका है।

# कीटनाशकों के प्रयोग से फैलता है नोरोवायरस

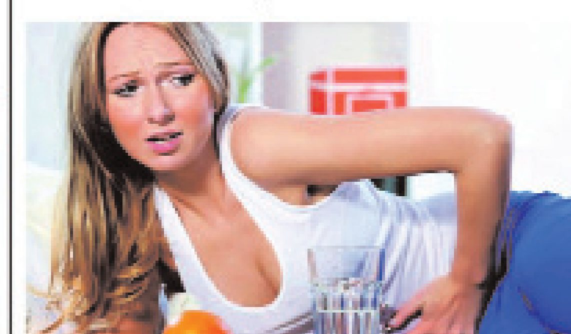

नोरोवायरस एक प्रकार का कीड़ा होता है जिसका वायरस यदि शरीर में प्रवेश कर जाए तो उल्टियां होती हैं। हालांकि यह किसी भी मौसम में हो सकता है। इस संक्रामक वायरस के कारण गंभीर उल्टी और दस्त की समस्या होती है। कुछ अध्ययनों से पता चला है कि ये वायरस कीटनाशकों की वजह से फैल सकता है, तो चलिये जाने कि

नोरोवायरस क्या है, इसके जोखिम क्या हैं और यह किस प्रकार फैल सकता है। यह वायरस बेहद तेजी से फैलता है और इससे संक्रमित होने पर फ्लू जैसे लक्षण नजर आते हैं जिनमें पेट दर्द तथा उल्टी भी शामिल होते हैं।

### कैसे फैलता है नोरोवायरस

किसानों द्वारा कीटनाशकों के मिश्रण को पतला करने के लिए प्रयोग किए जाने वाला गंदा पानी नोरोवायरस फैला सकता है। दरअसल किसान कीटनाशकों के मिश्रण को पतला करने के लिए कुओं, सिंचाई हौदियों, नदियों, और झीलों जैसे स्रोतों से पानी लेते हैं। और इन सभी पानी के स्रोतों में नोरोवायरस भरे होते हैं।

### भोजन के माध्यम से भी फैलता है नोरोवायरस

नोरोवायरस आपके भोजन के माध्यम से भी फैल सकता है। नोरोवायरस रेस्तरां में बनाए गए और डिब्बे बंद खाद्य पदार्थों में हो सकता है। क्योंकि इन खाद्य पदार्थों में कई सारी अलग-अलग सामग्री होती है, नोरोवायरस किस खाद्य पदार्थ से शरीर में गया है, पता लगाना मुश्किल होता है। कई प्रकार के तैयार खाने व खाद्य पदार्थों जैसे, सलाद, सैंडविच, बर्फ, कुकीज, और फल भी इसके लिए जोखिम कारक बन सकते हैं। यदि खाने के बाद उल्टी या दस्त की समस्या हो तो यह नोरोवायरस संक्रमण के कारण भी हो सकता है। जरूरी नहीं कि इस संक्रमण के लक्षण तुरंत दिखाई दें, हो सकता है कि कुछ दिनों बाद आपको इसके लक्षणों का अनुभव हो।

ध्यान रहे कि भोजन को गर्म करना इस वायरस से छुटकारा पाने के लिए पर्याप्त नहीं होता। नोरोवायरस 140 डिग्री फेरनहाइट तक ताप पर जीवित रह सकते हैं। यह वायरस ठंड से जमाने पर भी जीवित रह सकता है।

### टॉयलेट सीट से भी ज्यादा गंदी पानी की बोतल!

एक पानी की बोतल को बार-बार इस्तेमाल न करें। ये आपकी टॉयलेट सीट से भी ज्यादा गंदी हो सकती है और कई तरह से आपको नुकसान पहुंचा सकती है। वैज्ञानिकों ने हालिया शोध में पाया है कि प्लास्टिक की पानी की बोतलों का इस्तेमाल लंबे समय तक बार बार करना सेहत के लिए अच्छा नहीं होता। शोधकर्ताओं के अनुसार बोतल पर जमा होने वाले बैक्टीरिया में से करीब साठ प्रतिशत कीटाणु ऐसे होते हैं जो आपको बीमार कर सकते हैं। इसके चलते डायरिया, फूड प्वाइजनिंग, नौजिया और उल्टी जैसी समस्याएं आमतौर पर होने का खतरा रहता है। शोध में इस्तेमाल की गई ऐसी बोतलों का लैब में परीक्षण किया गया। चौंकाने वाला खुलासा हुआ। पाया गया कि उसके एक सेंटीमीटर के एरिया में करीब नब्बे हजार कीटाणु थे, जो एक टॉयलेट सीट पर इतने क्षेत्र में मौजूद कीटाणुओं से कहीं ज्यादा है। बोतल के मुंह पर सबसे ज्यादा कीटाणु पाए गए। वहीं स्ट्रॉ के ऊपरी हिस्से पर भी उतने ही बैक्टीरिया मिले। बोतल धोने से भी कोई खास फर्क नहीं पड़ता। धोने के बावजूद बैक्टीरिया थोड़ी देर के लिए ही खत्म होते हैं, फिर पनप जाते हैं। तो आपको समझ में आ गया होगा कि जिस पानी की बोतल का आप बार-बार पानी पीने के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं, वह आपके लिए किस हद तक खतरनाक साबित हो सकती है।

# इन नुस्खों से मिलेगी दो मुंहे बालों से मुक्ति

वैसे तो हर महिला को लंबे, काले, घने और रेशमी बालों चाहिए, लेकिन बदलती लाइफस्टाइल और प्रदूषण के चलते आजकल बाल बहुत डेमेज होते हैं पार्लर में न करें पैसा बर्बाद वैसे तो हर महिला को लंबे, काले, घने और रेशमी बालों चाहिए, लेकिन बदलती लाइफस्टाइल और प्रदूषण के चलते आजकल बाल बहुत डेमेज होते हैं। बालों का दुमुहां होना आम समस्या है। महिलाएं अक्सर पार्लर में पैसा खर्च करके अपने बाल कटवाती हैं। लेकिन कुछ टिप्स अपनाकर इन दोमुहें बालों से मुक्ति पा सकते हैं।

**पपीता और दही:** पपीते और दही का घरेलु पैक लगाएं। 150 ग्राम पपीता और आधा कप दही मिलाएं और बालों में लगाएं। फिर ठंडे पानी से धो लें।

**अंडे का मास्क:** अंडे का पीला भाग, तीन टेबल स्पून ऑलिव ऑयल और एक टेबल स्पून शहद मिलाएं। पैक को बालों में 20 से 30 मिनट तक लगा रहने दें। फिर शैंपू से धो लें।

**हॉट ऑयल ट्रीटमेंट:** दो मुहें बालों के लिए हॉट ऑयल ट्रीटमेंट भी काफी अच्छा है। यह काफी असरदार माना जाता है।

**शहद के साथ दही:** यह एक नेचुरल कंडीशनर है। इसको और अच्छा रिजल्ट पाने के लिए दही भी मिला दें। एक कप दही में एक टेबल स्पून शहद मिलाएं और उसे जड़ों पर लगाते हुए सिरों तक लगाएं। उसके बाद इस पैक को धो लें।

## सुख-सुविधाओं के जाल में फंसते जा रहे हैं लोग

# सफलता की होड़ में उधड़ते मानवीय रिश्ते

पश्चिमी संस्कृति के प्रभाव ने हमारे देश में भौतिकवाद को प्रोत्साहन दिया है और अब तो पढ़े लिखे हों या नहीं सभी सुख-सुविधाओं के जाल में फंसते जा रहे हैं। भारतीय अध्यात्म ज्ञान के बारे में जानते सभी हैं पर उसे धारण करना लोगों को अब पिछड़ापन दिखाई देता है। नतीजा यह है कि समाज में आपसी रिश्ते एक औपचारिकता बनकर रह गए हैं।

### सिर्फ सांसारिक शिक्षा काफी नहीं

अक्सर अनेक लोग शिकायत करते हैं कि उनके बच्चे उनसे दूर हो रहे हैं अथवा उनकी देखभाल नहीं करते। इसके दो कारण होते हैं एक तो यह कि नए सामाजिक परिवेश से तालमेल न बिठा पाने के कारण लोग अपने माता-पिता को त्याग देते हैं या फिर वह व्यवसाय के सिलसिले में उनसे दूर हो जाते हैं। दोनों ही स्थितियों का विश्लेषण करने पर अनुभव होगा कि आधुनिक युग के समस्त माता-पिता अपने बच्चों से यह अपेक्षा करते हैं कि वह इस मायावी दुनिया में उच्च से उच्च पद प्राप्त कर, अधिक से अधिक धनार्जन करें और भरपूर मान प्रतिष्ठा की दुनिया में चमककर उनका व अपना नाम रोशन करें। लोग बच्चों की कामयाबी के सपने देखते हैं और केवल सांसारिक शिक्षा तक ही अपने बच्चों को सीमित रखते हैं। किसी तरह अपना पेट पालो यही सिखाते हुए वह ऐसा अनुभव करते हैं कि जैसे कि वह दुनिया का कोई विशेष ज्ञान दे रहे हैं। यह तो एक सामान्य चतुराई है, जिसे सब जानते हैं।

### सभी सुविधाओं के बाद भी अशांत रहता है मन

यह उन माता-पिता का भ्रम है कि शिक्षा तो सभी स्वतः ही प्राप्त करते हैं पर जिन बच्चों को उनके माता-पिता इसके साथ ही अध्यात्म ज्ञान, ईश्वर भक्ति और परोपकार करना सिखाते हैं वह अधिक योग्य निकलते हैं। जब तक आदमी के मन में अध्यात्म का ज्ञान नहीं होगा, तब तक वह न तो स्वयं कभी प्रसन्न रह पाता है और न ही दूसरों को प्रसन्न करता है। आज समस्त सुख सुविधाएं होने के बावजूद भी बहुत सभी लोगों का मन अशांत रहता है, क्योंकि मानव को परमात्मा के ज्ञान का प्रत्यक्ष बोधकर शांति, सत्य, अहिंसा एवं निःस्वार्थ प्रेम का वातावरण स्थापित करने का समय नहीं है। वह तो पैसे कमाने और सफलता की दौड़ में सबसे आगे निकलना चाहते हैं। मनुष्य जीवन में भक्ति और ज्ञान प्राप्त करने की सुविधा मिलती है पर उसका उपयोग नहीं कर हम उसे ऐसे ही नष्ट कर डालते हैं। ऐसे में वह ज्ञानी धन्य है जो दाल-रोटी खाकर पेट भरते हुए भगवान भजन और ज्ञान प्राप्त करने के लिए समय निकालते हैं।

# प्राणघातक हो सकती है कैल्शियम की कमी

### कई रोगों पर भी पड़ता है असर...

यदि व्यक्ति के भोजन में लगातार कैल्शियम या विटामिन 'डी' की कमी बनी रहे तो उसकी हड्डियां कमजोर हो जाएंगी। नए शोधों के अनुसार कैल्शियम की कमी का कई रोगों पर भी प्रभाव पड़ता है।

### शरीर होता है कमजोर

हमारे भोजन से हड्डियों को कैल्शियम मिलने और हड्डियों से शरीर को कैल्शियम मिलने की प्रक्रिया के लिए विटामिन 'डी' की उपस्थिति अनिवार्य है। विशेषज्ञों के अनुसार हर वयस्क को न्यूनतम 1000 मिलीग्राम कैल्शियम की दैनिक आपूर्ति होनी आवश्यक है। यदि भोजन से इतना कैल्शियम नहीं मिल पाता तो हमारे शरीर को पैराथायराइड हार्मोन विटामिन 'डी' के सहयोग से हड्डियों से रक्त का कैल्शियम स्थानांतरित कर देता है। जिससे हमारे शरीर में कमजोरी की शिकायत आने लगती है।

### अपने आहार को करें संयोजित...

हम अपने आहार को इस प्रकार संयोजित करें कि हमें लगभग 1200 मिग्रा कैल्शियम प्रतिदिन मिलता रहे। 240 मिली गाय के दूध में 288 मिग्रा कैल्शियम होता है, जबकि 200 ग्राम दही में 268 मिग्रा कैल्शियम होता है। 100 ग्राम सूखे नारियल में 400 मिग्रा कैल्शियम होता है, जबकि 100 ग्राम खजूर में 120 मिग्रा कैल्शियम होता है। गुड़, पनीर, सोयाबीन, फूलगोभी व मछलियों में भी कैल्शियम पाया जाता है।

### पेट के कैंसर से करता है बचाव...

हमारे शरीर में बहुत से सेल बनते रहते हैं और समाप्त होते रहते हैं। पेट के अंदर ऐसे सेल प्रायः 3 से 10 दिन में बदल जाते हैं पर कभी-कभी ये सेल तीव्र गति से बढ़ने लगते हैं, जिससे पेट के कैंसर की संभावना हो सकती है। अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन जर्नल में प्रकाशित एक लेख के अनुसार जिन लोगों में पेट के कैंसर की संभावना थी, उन्हें 1500 मिग्रा कैल्शियम प्रतिदिन दिए जाने पर सेलों में बढ़ोतरी ठीक हो गई।

## रेसिपी

### ब्रेड कटलेट

**सामग्री**

4 ब्रेड स्लाइस,1 आलू(उबला हुआ), आधा कप मटर(उबले हुए),1 गाजर(कद्दूकस की हुई),1 कप गोभी(कद्दूकस की हुई), 2 टेबलस्पून ब्रेड क्रम्स, 1 प्याज (बारीक कटा),1 हरी मिर्च(कटी हुई),आधा चम्मच अदरक(कसा हुआ),गरम मसाला,1 छोटा चम्मच नींबू का रस, तेल, नमक स्वादानुसार,पानी,3-4 पनीर(टुकड़ों में कटा)

**विधि**

एक कढ़ाही में तेल डालकर इसमें प्याज,अदरक और हरी मिर्च डालकर इसे हल्का गुलाबी होने तक भूनें। अब इसमें गाजर,मटर और गोभी डालें। अब इसमें गर्म मसाला डालकर मिक्स करके 1 2 मिनट के लिए भूनें और गैस बंद कर दें। ब्रेड को पानी में भिगोकर निचोड़ लें और इसे पकी हुई सब्जियों में डाल लें और अच्छे से मिलाएं। अब इसमें आलू,ब्रेड क्रम्स,नींबू का रस और नमक डाल कर मिलाएं। इस मिश्रण को टिक्की का आकार दें और एक प्लेट में ब्रेड क्रम्स डालकर कटलेट को इसमें लपेट कर एक अलग प्लेट में रख लें। एक नॉन स्टिक पैन में तेल डालकर इसमें कटलेट को फ्राई करें। गोल्डन ब्राउन होने तक इसे तलें। इन सबको प्लेट में निकाल कर ऊपर से पनीर के साथ गार्निश करके सॉस के साथ सर्व करें।

### पास्ता बटर मसाला

**सामग्री**

1 कप पास्ता, 1 बड़ा चम्मच लहसुन(पिसा हुआ), आधा चम्मच अदरक(पिसा हुआ),1 टमाटर(कटा हुआ),2 प्याज(कटे हुए),1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर,1 छोटा चम्मच जीरा पाउडर, आधा छोटा चम्मच कसूरी मेथी,2 कप दूध, 2 बड़ा चम्मच तेल,1 छोटा चम्मच हरा धनिया(कटा हुआ), स्वादानुसार नमक

**विधि**

सबसे पहले एक पैन में थोड़ा सा नमक मिलाकर इसमें 2-3 बूंद तेल,पास्ता और पानी मिलाकर उबालें। जब पास्ता पक जाए तो इसे पानी से निकाल कर रख दें। अब एक पैन में तेल डालकर इसमें प्याज, टमाटर, अदरक और लहसुन डालकर भूनें और थोड़ा ठंडा होने पर मिक्सर में पीसकर पेस्ट बना लें। इसके बाद कढ़ाही में तेल गर्म करके इसमें पीसा हुआ पेस्ट और नमक डालकर तेल छोड़ने तक भूनें और इसमें लाल मिर्च,गरम मसाला और जीरा डालकर गाढ़ा होने तक पकाएं। इसके बाद इसमें दूध डाल दें। जब दूध और मसाले अच्छी तरह उबलकर सॉस बन जाए तो इसमें कसूरी मेथी और उबला हुआ पास्ता डालकर मिलाएं। गैस बंद करके गर्मागर्म पास्ते पर हरा धनिया डालकर सर्व करें।

# राज्य जयपुर टाइम्स

जयपुर, गुरूवार
15 मई, 2025


## राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर 16 मई को जागरूकता अभियान, थीम - "देखें, साफ करें, ढकें: डेंगू को हारने के उपाय करें"

जयपुर टाइम्स

**जयपुर(कासं.)** जिले में 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इस वर्ष डेंगू दिवस की थीम "देखें, साफ करें, ढकें डेंगू को हारने के उपाय करें" निर्धारित की गई है। अभियान के तहत एंटीलार्वा गतिविधियां, घर-घर सर्वे, सैम्पलिंग व अन्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत ने बताया कि हर साल 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य आमजन को डेंगू जैसी जानलेवा बीमारी के प्रति सतर्क करना है। इस बार जिले भर में स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा घर-घर जाकर डेंगू लार्वा की जांच की जाएगी और लार्वा प्रदर्शन के जरिए मच्छरों की उत्पत्ति व रोकथाम के उपायों की जानकारी दी जाएगी। डॉ. शेखावत ने बताया कि बुखार के रोगियों को चिन्हित कर उनके सैम्पल लिए जाएंगे ताकि डेंगू की जल्द पहचान की जा सके। अभियान में एंटीलार्वा व एंटी अडल्ट गतिविधियों के माध्यम से मच्छर नियंत्रण पर जोर दिया जाएगा। उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (स्वास्थ्य) डॉ. इंद्रा गुप्ता ने बताया कि डेंगू का मच्छर साफ पानी में पनपता है, इसलिए टंकियों, कूलर और बर्तनों को ढककर रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे अपने घर व आसपास पानी एकत्र न होने दें, किचन व बाथरूम को सूखा रखें और मच्छरदानी का उपयोग करें। डॉ. गुप्ता ने कहा कि डेंगू से बचाव के लिए समय रहते सतर्कता बरतना जरूरी है। बुखार होने पर तुरंत चिकित्सकीय परामर्श लें और किसी भी तरह की देरी न करें।

## मुहाना थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई, डेयरी और स्टोर में चोरी करने वाले दो शातिर चोर गिरफ्तार

### आरोपियों ने जयपुर शहर में दर्जनभर से ज्यादा चोरियों को कबूला, एक्टिवा और दूध की कैरेट बरामद

जयपुर टाइम्स

**जयपुर(कासं.)**। कमिश्नरेट जयपुर साउथ में लगातार हो रही डेयरी और डिपार्टमेंटल स्टोर में चोरी की घटनाओं पर लगाम लगाते हुए मुहाना थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। थाना प्रभारी उदय सिंह यादव के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान संजय पुरी और मनीष के रूप में हुई है, जिन्होंने जयपुर शहर में एक दर्जन से भी अधिक चोरी की वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई एक्टिवा स्कूटी और 15 दूध की कैरेट बरामद की हैं। डेयरी में लगातार हो रही चोरियों को देखते हुए पुलिस की स्पेशल टीम गठित की गई थी, जिसने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया। एडिशनल एसपी ललित शर्मा ने बताया कि आरोपियों का तरीका बेहद शातिराना था। दोनों आरोपी रातभर जोमैटो में डिलीवरी बॉय के तौर पर काम करते थे और सुबह होते ही डेयरियों और दूध स्टोर्स पर पहुंचकर दूध की ट्रे और अन्य सामान चुरा लेते थे। ये चोरी की वारदातें मुख्यतः सवेरे के समय अंजाम दी जाती थीं, जब बाजार में चहल-पहल कम होती है। इस कार्रवाई में ओमप्रकाश डोबर और राजेश की विशेष भूमिका रही। थाना मुहाना की पुलिस टीम द्वारा की गई तत्परता और कुशल जांच की जनता ने सराहना की है। प्रारंभिक पूछताछ में यह सामने आया है कि आरोपी महंगे शौक पूरे करने और किराए की गाड़ियों में घूमने के लिए चोरी करते थे। पुलिस अब आरोपियों से आगे की चोरियों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

## एयरफोर्स के परिणाम में टैगोर कोचिंग सेंटर कुचामन का देशभर में दबदबा, 153 प्रशिक्षुओं का चयन

कुचामन सिटी

**(निसं.)**।टैगोर कोचिंग सेंटर कुचामनसिटी के एयरफोर्स के प्रथम चरण में 153 प्रशिक्षुओं का एक्स और वाई ग्रुप में चयन हुआ है। टैगोर एज्युकेशन ग्रुप चैयरमेन पूरणसिंह रणवां व टैगोर कोचिंग सेंटर निदेशक सुल्तानसिंह कल्याणपुरा ने बताया कि भारतीय एयरफोर्स द्वारा जारी परिणाम में भारत की प्रतिष्ठित टैगोर कोचिंग सेंटर कुचामन के 153 प्रशिक्षुओं का चयन हुआ है जिनमें से 105 एक्स ग्रुप व 48 का वाई ग्रुप में चयन हुआ है। उन्होंने बताया कि टैगोर कोचिंग ने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी देशभर में सर्वाधिक सलेक्शन देने का महारिकॉर्ड बरकरार रखा है। 07 मई 2025 बुधवार को भारतीय वायु सेना ने एक्स और वाई ग्रुप लिखित परीक्षा का परिणाम जारी किया था। नागौर जिले से 32 प्रशिक्षुओं का चयन (एक्स-21, वाई-11), बीकानेर जिले से 14 (एक्स-12, वाई- 02), चूरू जिले से 15 (एक्स-12, वाई-3), सीकर जिले से 23 (एक्स-13, वाई- 10), जयपुर जिले से 15 (एक्स-13, वाई- 2), अजमेर जिले से 11 (एक्स-7, वाई- 4), झुंझुनू जिले से 6 (एक्स-4, वाई-2), जोधपुर जिले से 7(एक्स-3, वाई-4), डीडवाना-कुचामन जिले से 5 (एक्स-3, वाई- 2)

## बच्चों ने अपनी कड़ी मेहनत और अध्यापकों के कुशल मार्गदर्शन में संपूर्ण जिले भर में किया नाम रोशनः सारिका चौधरी

जयपुर टाइम्स

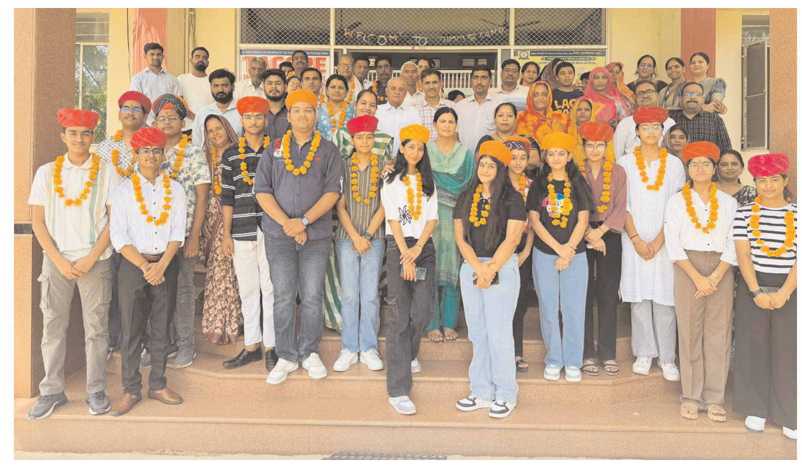

**कुचामन सिटी(निसं.)** CBSE ने कक्षा बारहवी व दसवीं के परीक्षा परिणाम जारी किए। हमेशा की तरह टैगोर इंटरनेशनल आनंदपुरा स्कूल के विद्यार्थियों ने जिले में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय और माता-पिता का नाम रोशन किया। टैगोर इंटरनेशनल स्कूल की निर्देशिका महोदया सारिका चैधरी ने कहा कि बच्चों ने अपनी कड़ी मेहनत और अध्यापकों के कुशल मार्गदर्शन में बारहवीं और दसवीं की परीक्षा में पूरे क्षेत्र में सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। हमेशा की भांति इस बार भी बच्चियों ने बाजी मारी और टॉपर मे ज्यादा संख्या में जगह बनाई। सर्वाधिक अंक यशवर्धन सिंह राठौड़ पुत्र राम सिंह जोधा ने 97.8% और अमिषा किरडोलिया पुत्री जितेंद्र सिंह ने 97.2% अंक लेकर के क्षेत्र में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने का रिकॉर्ड बनाया। चौधरी मोहित पुत्र चेनाराम ने 97%, अदिति चौधरी पुत्री महेंद्र कुमार ने 96.2%, अंकित दादरवाल पुत्र हरदयाल दादरवाल ने 95%, ज्योति कुमावत पुत्री सागरमल कुमावत ने 94.8%, दीपिका पुत्री कन्हैयालाल ने 93.6%, उज्जैनी राजपुरोहित पुत्री सुरेश कुमार ने 92.6%, ज्योति तरड़ पुत्री किस्तुरा राम ने 92.2%, याना सोनी पुत्री लोकेश सोनी ने 92%, दुर्गेश कँवर पुत्री शंकर सिंह ने 91.6%, दिलखुश बेंदा पुत्री बाबुलाल चौधरी ने 91.4% सक्षम जैन पुत्र शरद जैन ने 91%, अनिशा टाक पुत्री आनंदीलाल टाक ने 90%, पीयूष शर्मा पुत्र पवन कुमार ने 90%, नंदिनी शर्मा पुत्री राजकुमार शर्मा ने 90%, अंक हासिल किए। कुल 16 बच्चों ने कक्षा बारहवीं में 90%, से अधिक अंक हासिल करके ना सिर्फ विद्यालय का बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया। इसी प्रकार कक्षा दसवीं में भी छात्राओं ने छात्रों से अधिक अंक हासिल करके रिकोर्ड बनाया। दसवीं कक्षा में शुभांगी पुत्री अनिल कुमार ने 94.8%, मानसी जादोन पुत्री मनोहर सिंह ने 93.2%, शुभम् कुमार पुत्र महिपाल ने 92.2% , सूर्य प्रताप सिंह पुत्र रवीन्द्र सिंह ने 91.4%, संस्कृति स्वामी पुत्री राकेश स्वामी ने 91.2%, देवांश शर्मा पुत्र विष्णु कुमार शर्मा ने 91%, हर्ष कुमावत पुत्र दौलतराम ने 90.6%, नमन धूत पुत्र अरूण धूत ने 90.4%, और हेमन्त मुवाल पुत्र श्री सुखाराम मुवाल ने 90% कुल 9 बच्चों ने कक्षा दसवीं मे 90% अंक प्राप्त करके विद्यालय को सम्मानित किया। यह शानदार सफलता प्रिंसिपल जरीन खान, वाइस प्रिंसिपल नर्मदा शर्मा, राखी मेहता, अनिता बारिया, रितु पारीक, अनिल अग्रवाल, नंद किशोर, कृष्णा सिंह, दिनेश राठौड़, मोहित सोनी, आनंदी शर्मा, नदिम खत्री, केशव कुमावत, आनंद वैष्णव, मनीष शर्मा, राहुल बुगालिया, नरेन्द्र कसेरा, परमेश्वर रणंवा, पन्नालाल, बलवीर बाजियाँ समेत पूरे विद्यालय स्टाफ की कड़ी मेहनत से हासिल हो सकी।

## अज्ञात चोरों ने सिंचाई के लिए बनाएं गए फार्म पोण्ड से त्रिपाल (पन्नी ) चोरी का मामला दर्ज

जयपुर टाइम्स

**चाकसू(निसं.)**। चाकसू उपखंड क्षेत्र के कोटखावदा तहसील के ग्राम पंचायत देहलाला में सिंचाई के लिए बनाए गए फॉर्म पोण्ड के त्रिपाल को अज्ञात चोरों द्वारा काटकर ले गए। पीड़ित देवीसिंह ने बताया कि गांव देहलाला में शराब की दुकान सामने स्थित खेतों की सिंचाई के लिए मेरा फार्म पोण्ड बना हुआ है जिसमें से 12 मई रात्रि को अज्ञात व्यक्तियों द्वारा लगभग 50 फीट लंबाई व 17 फीट गहराई के त्रिपाल काटकर ले गए। जिसकी वजह से पूरा त्रिपाल अब किसी काम का नहीं रहा, फोर्म पोण्ड में लगा त्रिपाल की किमत लगभग 2.50 लाख बताई जा रही। और फार्म पौंड में लगी विद्युत मोटर की रस्सीको काटकर मोटर को ले जाने का प्रयास किया, लेकिन असफल रहे। जैसे ही मुझे त्रिपाल चोरी सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर देखा तो फार्म पोण्ड से त्रिपाल कटा हुआ मिला। तुरंत प्रभाव से त्रिपाल चोरी की सूचना में कोटखावदा पुलिस थाने में दर्ज करवा दिया है

## 158 नेत्र रोगियों को जांच कर 81 को किया ऑपरेशन के लिए चयन

**कुचामन सिटी(निसं.)**। लॉयन्स क्लब कुचामन फोर्ट सेवा ट्रस्ट एवं लॉयन्स क्लब कुचामन फोर्ट के तत्वावधान में रामअवतार सीताराम अग्रवाल चैरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से जिला अन्धता निवारण समिति जयपुर एवं शंकरा नेत्र अस्पताल जयपुर के सहयोग से निःशुल्क नेत्र जांच एवं लेंस प्रत्यारोपण शिविर माहेश्वरी भवन में आयोजित किया गया। सेवा ट्रस्ट अध्यक्ष लॉयन राम काबरा ने बताया कि लॉयन्स का कर्म है सेवा एवं धर्म है सेवा की भावना से मोतियाबिंद पीड़ितों को नेत्र ज्योति प्रदान करवाने हेतु हर माह दूसरे बुधवार को नेत्र शल्य चिकित्सा शिविर आयोजित किया जा रहा है, जिसके चलते आज 64 वा शिविर आयोजित किया गया।


### कार्यालय उप वन संरक्षक, चूरू

क्रमांक- 4281-89 दिनांक- 07-05-2025

इस कार्यालय के अधिन निम्नानूसार विकास कार्य करवाये जाने है-

| क्र.सं. | ई-बिड / बिड संख्या | कार्य का नाम | अनुमानित लागत राशि | UBN नम्बर |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 01/2025-26 | Predator proof fencing work | 224.49 लाख | FOR2526WSOB00160 |

ई - बोली से संबंधित समस्त विवरण / नियम एवं शर्तें वेबसाईट www.sppp.raj.nic.in & www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है ।

उप वन संरक्षक,
चूरू

### कार्यालय नगर पालिका मण्डल विराटनगर (कोटपूतली - बहरोड़)

Ph. 01422-243929 Email- viratnagar.jaipur@yahoo.com

क्रमांकः न.पा.वि. / 2025 / 325 दिनांक- 14.5.2025

**सार्वजनिक आपत्ति सूचना**

ऑनलाईन प्राप्त प्रकरणो के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह 07 दिवस में मय सबूत आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा वाद मियाद कोई आपत्ति मान्य नही होगी ऑनलाईन प्राप्त आवेदन निम्नानुसार है

| क्र.सं. | आवेदक का नाम व पता | राजस्व ग्राम | खसरा सं. | प्रयोजनार्थ |
|---|---|---|---|---|
| 1 | श्री नरेन्द्र कुमार सैनी पुत्र वंशीधर सैनी | विराटनगर (लापटनियों का मोहल्ला) | आबादी क्षेत्र | 252.94 वर्गगज आवासीय पट्टा स्थानान्तरण करवाने बाबत् |

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका विराट्नगर

### कार्यालय नगरपालिका मण्डल राजलदेसर जिला चूरू (राज.)

Email-raj.churu.bika@gmail.com Phone number 01567-294504

क्रमांक- न.पा.रा./2025-26/652 दिनांक-12/5/25

**आपत्ति विज्ञप्ति**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान नगरीय क्षेत्र (कृषि भूमि को गैर कृषि प्रयोजन उपयोग के लिए उपयोग की अनुज्ञा और आवंटन) नियम 2012 के तहत कृषि भूमि रूपान्तरण उपरान्त कृषि भूमि के पट्टे के तहत स्वामित्व पट्टे आवंटन व नीचे वर्णित भूमि मे अपने अधिकार राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 की धारा 69-क के तहत आवासीय प्रयोजन हेतु पत्रावलिया प्राप्त हुई है। उक्त वर्णित पत्रावलियों के पट्टे आवंटन के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति मय दस्तावेजो के अन्दर मियाद 7 दिवस में इस कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद गुजर मियाद प्रस्तुत आपत्तियो पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

| क्र.सं. | नाम आवेदनकर्ता | पता | क्षेत्रफल | खसरा सं. | प्रयोजन |
|---|---|---|---|---|---|
| 01 | श्री कोजूराम पुत्र स्व.श्री तोलाराम मेघवाल | वार्ड नं. 06 राजलदेसर | 192.70 वर्ग मीटर | 1287 | कृषि भूमि |
| 02 | श्री जगदीश पुत्र श्री जुनाराम मेघवाल | वार्ड नं. 05 राजलदेसर | 224.79 वर्ग मीटर | 1287 | कृषि भूमि |

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका राजलदेसर

### कार्यालय नगरपालिका मण्डल राजलदेसर जिला चूरू (राज.)

Email-raj.churu.bika@gmail.com Phone number 01567-294504

क्रमांक- न.पा.रा./2025-26 / 671 दिनांक- 14/5/25

**आपत्ति विज्ञप्ति**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान नगरीय क्षेत्र (कृषि भूमि को गैर कृषि प्रयोजन उपयोग के लिए उपयोग की अनुज्ञा और आवंटन ) नियम 2012 के तहत कृषि भूमि रूपान्तरण उपरान्त कृषि भूमि के पट्टे के तहत स्वामित्व पट्टे आवंटन व नीचे वर्णित भूमि मे अपने अधिकार राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 की धारा 69-क के तहत आवासीय प्रयोजन हेतु पत्रावलिया प्राप्त हुई है। उक्त वर्णित पत्रावलियों के पट्टे आवंटन के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति मय दस्तावेजो के अन्दर मियाद 7 दिवस में इस कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद गुजर मियाद प्रस्तुत आपत्तियो पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

| क्र.सं. | नाम आवेदनकर्ता | पता | क्षेत्रफल | खसरा सं. | प्रयोजन |
|---|---|---|---|---|---|
| 01 | श्री राजेन्द्र कुमार सोनी | वार्ड नं. 14 राजलदेसर | 228.62 वर्ग मीटर | 1275 | कृषि भूमि |
| 02 | श्री मनोज कुमार सोनी पुत्र श्री रामलाल सोनी | वार्ड नं. 14 राजलदेसर | 228.68 वर्ग मीटर | 1275 | कृषि भूमि |
| 03 | श्री महावीर प्रसाद पुत्र श्री रामलाल सोनी | वार्ड नं. 14 राजलदेसर | 228.80 वर्ग मीटर | 1275 | कृषि भूमि |
| 04 | श्री नरेन्द्र कुमार पुत्र श्री रामलाल सोनी | वार्ड नं. 14 राजलदेसर | 228.86 वर्ग मीटर | 1275 | कृषि भूमि |

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका राजलदेसर

### कार्यालय नगरपालिका तारानगर (चूरू) राज.

Office Telephone No. 01561-240245, E-mail- eotrn2009@gmail.com

क्रमांक : / न.पा.ता. / 2025–26 / 545–50 दिनांक :–12.05.2025

**निविदा सूचना संख्या 2025–26 / 03**

सर्व साधारण एवं पंजीकृत ठेकेदारो / फर्मो की जानकारी हेतु प्रसारित किया जाता है कि तारानगर नगरपालिका क्षेत्र में नगरपालिका तारानगर द्वारा स्वीकृत कार्य की निविदाऐ आंमत्रित की जाती है। नगरपालिका तारानगर द्वारा नगरपालिका, राज्य व केन्द्र सरकार के सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो को कार्य हेतु पंजीकृत संवेदको से टेण्डर के माध्यम से दिंनाक 19.05.2025 को निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसकी निविदा से सम्बन्धित अन्य विवरण व शर्ते वेबसाईट https://sppp.rajasthan.gov.in/ पर देखी जा सकती है।

| NIB CODE | UBN NO. |
|---|---|
| DLB2526A1263 | DLB2526GSOB04611 |
| | DLB2526GSOB04613 |
| | DLB2526GSOB04616 |
| | DLB2526SSOB04607 |
| | DLB2526SSOB04608 |
| | DLB2526SSOB04609 |
| | DLB2526SSOB04610 |
| | DLB2526SSOB04612 |
| | DLB2526SSOB04614 |
| | DLB2526WSOB04617 |

राज.संवाद / सी / 25 / 2288

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका तारानगर

### नगर परिषद सुजानगढ (चूरू) राजस्थान

E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :–न.प.सु / विकास शाखा / 2025 / 1337 दिनांक :– 13.05.2025

**:–ई–निविदा सूचना–2025–26:–**

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों / फर्मों से निविदा दिनांक 26.05.2025 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड क्रमांक (DLB2526WSOB04487) है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

राज.संवाद / सी / 25 / 2232

आयुक्त
नगर परिषद सुजानगढ



### नगर परिषद सुजानगढ (चूरू) राजस्थान

E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :–न.प.सु / विकास शाखा / 2025 / 1337 दिनांक :– 13.05.2025

**:–ई–निविदा सूचना–2025–26:–**

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों / फर्मों से निविदा दिनांक 26.05.2025 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड क्रमांक (DLB2526WSOB04487) है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

राज.संवाद / सी / 25 / 2232

आयुक्त
नगर परिषद सुजानगढ



### OFFICE OF GRAM PANCHAYAT JEELO P.S. PATAN (SIKAR)

DATE : 14-05-2025

**Notice Inviting Bid**

Bid for Rate contract of Material Procurement in varies construction works undar MGNAREGA and Other Scheme For FY 2025-26 are invited from intersted bidders till Date 27-05-2025, 12:00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in & http://eproc.raj.nic.in) of the state. The approximate value of the procurement is RS : 2500000

UBN No. PKP2526GLRC00052

PRASHASHAK
G.P. JEELO

VDO
G.P. JEELO

### OFFICE OF GRAM PANCHAYAT BALLUPURA P.S. PATAN (SIKAR)

DATE : 14-05-2025

**Notice Inviting Bid**

Bid for Rate contract of Material Procurement in varies construction works undar MGNAREGA and Other Scheme For FY 2025-26 are invited from intersted bidders till Date 27-05-2025, 12:00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in & http://eproc.raj.nic.in) of the state. The approximate value of the procurement is RS : 3000000

UBN No. PKP2526GLRC00051

PRASHASHAK
G.P. BALLUPURA

VDO
G.P. BALLUPURA

### OFFICE OF GRAM PANCHAYAT MOTHOOKA P.S. PATAN (SIKAR)

DATE : 14-05-2025

**Notice Inviting Bid**

Bid for Rate contract of Material Procurement in varies construction works undar MGNAREGA Scheme For FY 2025-26 are invited from intersted bidders till Date 22.05.2025, 01:00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://sppp.raj.nic.in of the state. The approximate value of the procurement is RS : 9.90 Lac

UBN No. PKP2526GSRC00049

PRASHASHAK
G.P. MOTHOOKA

VDO
G.P. MOTHOOKA

# झुंझुनूं डाइट में शुरू होगा एनटीटी कोर्स, युवाओं को मिलेगा अवसर

**34 संस्थानों में कोर्स शुरू होगा, राज्य सरकार ने दी अनुमति**

जयपुर टाइम्स

**झुंझुनूं(निस)।** शेखावाटी अंचल के युवाओं के लिए खुशखबरी है। अब उन्हें नर्सरी टीचर ट्रेनिंग (एनटीटी) कोर्स के लिए दूसरे जिलों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा। राजस्थान सरकार ने झुंझुनूं जिले समेत राज्य के 34 जिला शिक्षा व प्रशिक्षण संस्थानों (डाइट) में एनटीटी कोर्स शुरू करने की अनुमति दे दी है। इससे युवाओं को स्थानीय स्तर पर ही प्रशिक्षित होकर प्री-प्राइमरी शिक्षण क्षेत्र में करियर बनाने का अवसर मिलेगा। झुंझुनूं डाइट की प्राचार्य सुमित्रा झाझड़िया ने जानकारी दी कि प्रारंभिक शिक्षा निदेशक ने झुंझुनूं डाइट में दो वर्षीय डिप्लोमा इन प्री-स्कूल एजुकेशन की 50 सीटों की एनओसी जारी कर दी है।

### 50 सीटें और जुड़ी

यह कोर्स एनटीटी के नाम से जाना जाता है और नई शिक्षा नीति के तहत प्री-प्राइमरी शिक्षा पर बढ़ते फोकस को देखते हुए इसकी महत्ता बढ़ गई है। वर्तमान में डाइट में डीएलएड के पहले व दूसरे वर्ष में 50-50 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। अब एनटीटी की 50 सीटें और जुड़ने से युवाओं के लिए विकल्प और अवसर दोनों बढ़ेंगे। गौरतलब है कि राजस्थान में पिछले कई वर्षों से एनटीटी कोर्स बंद था। इससे पहले जो युवा यह कोर्स कर चुके हैं, उनमें से कई को सरकारी नौकरी मिल चुकी है। अब सरकारी संस्थान में यह कोर्स शुरू होने से यह निजी संस्थानों की तुलना में किफायती भी होगा। निजी संस्थान अक्सर ड्रेस, पुस्तकें, अतिरिक्त शुल्क आदि का भार विद्यार्थियों पर डालते हैं, जिससे कोर्स की लागत बढ़ जाती है।

### एनटीसीई से लेनी होगी मान्यता

अभी तक यह कोर्स केवल राज्य सरकार की अनुमति पर आधारित है। इसे पूरी तरह से शुरू करने के लिए नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन से मान्यता लेना बाकी है। इसके लिए झुंझुनूं डाइट को सभी आवश्यक संसाधनों सहित आवेदन करना होगा। एनसीटीई की टीम संस्थान का निरीक्षण कर भवन, शिक्षक संख्या, संसाधनों आदि की जांच के बाद अंतिम मान्यता प्रदान करेगी।

### एनटीटी कोर्स की शुरुआत एक महत्वपूर्ण कदम

राज्य सरकार के महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों और पीएम श्री स्कूलों में प्री-प्राइमरी कक्षाएं शुरू हो चुकी हैं, लेकिन इन कक्षाओं के लिए योग्य शिक्षकों की कमी बनी हुई है। इस कमी को दूर करने के लिए एनटीटी कोर्स की शुरुआत एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। वर्तमान में एनटीटी योग्यताधारी शिक्षक सीमित संख्या में उपलब्ध हैं। इसलिए डीएलएड या एसटीसी योग्यताधारी शिक्षकों को ही अस्थायी रूप से एनटीटी कोर्स पढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। प्रवेश प्रक्रिया को लेकर अभी विस्तृत दिशा-निर्देश जारी नहीं किए गए हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि प्रवेश परीक्षा के माध्यम से चयन होगा या 12वीं के अंकों के आधार पर इसकी गाइडलाइन की प्रतीक्षा की जा रही है।

## शहीद मोगा को श्रद्धांजलि के लिए उमड़ रहे लोग

जयपुर टाइम्स

**मंडावा(निस)।** मेहरादासी गांव में शहीद सुरेंद्र मोगा को श्रद्धांजलि देने वालों का बुधवार को भी तांता लगा रहा। शहीद के घर जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह, पूर्व सांसद नरेन्द्र कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष बनवारीलाल सैनी, उपाध्यक्ष प्यारेलाल ढूकिया, जिला मंत्री महावीर ढ़ाका, संदीप शर्मा, मण्डल अध्यक्ष मोहनलाल सैनी सहित अन्य जन प्रतिनिधियों ने शहीद सुरेंद्र मोगा की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए उनकी शहादत को याद किया। शहीद की माता नानू देवी, शहीद वीरांगना सीमा व पुत्री वर्तिका व पुत्र दक्ष को ढाढ़स बंधाया। हर व्यक्ति की जुबान पर एक ही शब्द है कि मेहरादासी निवासी सुरेंद्र मोगा की शहादत को देश कभी नहीं भूलेगा। हम और पूरा देश उनके परिवार के साथ खड़ा है। हम इस वीर सपूत को नमन करते हैं और हम उनके परिवार के साथ खड़े हैं। पूर्व सरपंच सज्जन पूनिया, हरलाल सिंह मोगा सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। गौरतलब है कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तानी हमले में एयरफोर्स में असिस्टेंट मेडिकल सार्जेंट सुरेंद्र मोगा जम्मू कश्मीर के उधमपुर में शहीद हो गए थे।

## अंजनेय सिंह बने शॉटगन शूटर

जयपुर टाइम्स

**मण्डावा(निस)।** मंडावा कस्बे के राजघराना परिवार के ठाकुर शिवार्जुन सिंह के पुत्र अंजनेय सिंह ने कम उम्र में बड़ा धमाका कर देश का नाम रोशन किया है। दिल्ली में आयोजित 7 वें खेलो इंडिया यूथ गेम्स बिहार 2025 में स्कीट शॉटगन स्पर्धा में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए कांस्य पदक जीता है। वह इस स्तर पर पदक जीतने वाले 14 वर्षीय अंजनेय सिंह सबसे कम उम्र के शॉटगन शूटर है। अंजनेय सिंह वर्तमान में मेयो कॉलेज अजमेर में कक्षा 9 में अध्यनरत है। अंजनेय सिंह के दादा ठाकुर केसरी सिंह भी चर्चित चेहरा रहे थे और मंडावा में पर्यटन व्यवसाय को शुरू करवाने में उनके महत्वपूर्ण योगदान को आज भी याद किया जाता है। बता दें कि वह मेयो कॉलेज के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

## मण्डावा में इंटरलोक सड़क का शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

**मण्डावा(निस)।** कस्बे के वार्ड नम्बर 11 स्थित बालाजी मंदिर सामुदायिक भवन से घासीराम जी जेदिया के घर के पास इंटर लोक सड़क का शुभारंभ बुधवार को मण्डावा राज परिवार के ठाकुर अंगद देव के नेतृत्व में किया गया है। इस अवसर पर ठाकुर अंगद देवसिंह ने कहा कि भाजपा सरकार नगर पालिका मण्डावा क्षेत्र में विकास कार्यों में कोई कमी नही रहने देंगे और आम जन की समस्याओं के लिए सदा तत्पर रहेंगे। इस अवसर सतीश आर्य व रवि चन्देलिया ने कार्यक्रम में मेहमानों का स्वागत करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संजय चोपदार, राधेशयाम सैनी पूर्व पालिकाध्यक्ष, गिरवरसिंह चुड़ी पूर्व सरपंच, पार्षद इब्राहिम रंगरेज, राजकुमार निर्माण, संजय घुघरवाल, दीपक खांडल, शिवचरण गाड़ोदिया, रवि शंकर चन्देलिया, पार्षद प्रतिनिधि सलामुद्दीन, चन्द्रभान आर्य, सीताराम सैनी, घासीराम जेदिया, विष्णु झाझोट, अयुब खत्री, दिनेश चोपड़ा, विजय जेदिया, सज्जन फोजी, सूरज कांगड़ा, मुकेश घोघलिया, चन्द्र प्रकाश राठी, रजनीश चांवरिया, बन्टी राठी, विकास बोयल अमित पंवार, गोपाल घोघलिया, विनय, चन्देलिया, सन्नी चांवरिया, सचिन चन्देलिया, विशाल चन्देलिया, ठेकेदार अमन जोशी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

## हेतमसर में भामाशाह ने दी बालिकाओं को एसीयुक्त पुस्तकालय की सौगात

जयपुर टाइम्स

**मण्डावा(निस)।** राजकीय बालिका विद्यालय हेतमसर में अब बालिकाओ को पुस्तकालय में वातानकुलित युक्त वातावरण मिलेगा। गांव के भामाशाह संतोष स्वामी ने अपने पिता बनवारीलाल स्वामी की छठी पुण्य तिथि पर बालिकाओं को यह सौगात दी। इस अवसर पर बालिकाओं, स्टाफ सदस्यों और प्रधानाचार्य सुमन शेखसरिया ने संतोष स्वामी का धन्यवाद ज्ञापित किया। उल्लेखनीय है कि संतोष स्वामी के पिता बनवारी लाल स्वामी ने भी भामाशाह के रूप में विद्यालय में एक कमरे का निर्माण करवाया था, उसी कमरे में उनके बेटे की ओर से लगवाया जाकर पुण्य आत्मा को श्रद्धांजलि दी।

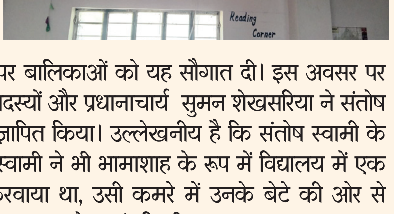


## अनुजा निगम के ऋणियों को साधारण ब्याज व दण्डनीय ब्याज में छूट

जयपुर टाइम्स

**झुंझुनूं(निस)।** अनुजा निगम के ऋण धारकों को ऋण चुकाने मे राहत देने के लिए निगम की तरफ से एकमुश्त समाधान योजना शुरू की गई है। अनुजा निगम परियोजना प्रबंधक अरविन्द कुमार ओला ने बताया कि ओटीएस के तहत निर्धारित अवधि 1 मई से 30 सितम्बर 2025 तक 31 मार्च 2024 को अवधि पार ऋण का मूलधन जमा कराने वाले ऋण धारक का ब्याज व पेनल्टी माफ की जाएगी।

## पक्षियों के लिए लगाए पानी के परिंडे

जयपुर टाइम्स

**सीकर(निस)।** हिंदुस्तान स्काउट्स व गाइड्स राजस्थान राज्य जिला मुख्यालय गोकुलपुरा सीकर के तत्वाधान में परिंदे बचाओ परिंडे लगाओ के तीसरे चरण में अनेक जगह पक्षियों के लिए पानी पीने के लिए परिंडे लगाए गए। जिला सचिव डॉ देवेंद्र सिंह व जिला प्रशिक्षण आयुक्त ललिता कुमारी में बताया कि जिले में हिंदुस्तान स्काउट्स गाइड्स की ओर से जिला संगठन आयुक्त अजय कुमावत व परमेश्वरी वर्मा के नेतृत्व में परिंडा अभियान चलाया जा रहा है परिंडे अभियान के तीसरे चरण में 21 परिंडे गोकुलपुरा ग्राम पंचायत के चौक में गोकुलपुरा पुलिस थाने में गोकुलपुरा मोक्ष धाम में गोपाल गौशाला, वर्धमान बी एस टी सी कॉलेज, पी एम महात्मा गाँधी राजकीय विद्यालय बीकानेर बाईपास गोकुलपुरा में पक्षियों के लिए परिंडे व दाना डालने के लिए चुग्गा पात्र लगाए गए और चुग्गा व पानी डालने की जिम्मेदारी स्काउट गाइड को दी गई। इस कार्यक्रम में जिला सयुंक्त सचिव माया खीचड़, सहायक सचिव नीतू कुमारी शर्मा, स्काउटर गाइडर जिला प्रतिनिधि श्रीचंद महण, नरेश चंद्र माहीच, सुरक्षा जाखड़, शकुंतला कुमारी ढाका, मिथुन जाटोलिया, सुनीता बुडानिया,लीला कुमारी,अशोक कुमार गुर्जर, मनोहर लाल जांगिड़, मनोज कुमार कुमावत, रामनिवास धायल, हिमांशु कलावत, कमलेश यादव, संदीप गुर्जर, राहुल गुर्जर,अन्नू दानोदिया, अंजलि कालावत आदि रोवर रेंजर उपस्थित रहे।

## खुशी के मौके पर भाजपा शहर मंडल ने किया 'खुशी' का स्वागत

जयपुर टाइम्स

**लक्ष्मणगढ(निस)।** सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2025 में 500 में से 499 अंक प्राप्त कर गांव, तहसील, जिले और प्रदेश का नाम रोशन करने वाली मेघावी छात्रा खुशी शेखावत का भाजपा शहर मंडल की ओर से भव्य स्वागत किया गया। भाजपा शहर मण्डल अध्यक्ष ललित पंवार व पूर्व मण्डल अध्यक्ष जयप्रकाश सरावगी के नेतृत्व में बुधवार को चौपड़ बाजार में भाजपा कार्यकर्ताओं ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2025 कला संकाय में 500 में से 499 अंक प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन करने वाली खुशी शेखावत का साफ़ा, मोती माला व माल्यार्पण कर शानदार स्वागत किया गया।भाजपा शहर मण्डल अध्यक्ष ललित पंवार व पूर्व मण्डल अध्यक्ष जयप्रकाश सरावगी ने खुशी शेखावत को साफ़ा, मोती माला व फूल मालाओं से सम्मानित करते हुए कहा कि खुशी ने अपने परिश्रम और समर्पण से यह सिद्ध कर दिया है कि लक्ष्य कोई भी हो, लगन और कठिन मेहनत से उसे प्राप्त किया जा सकता है। पूरा शहर आज उस पर गर्व महसूस कर रहा है। खुशी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों और निरंतर मेहनत को दिया। इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष ललित पंवार, पूर्व मण्डल अध्यक्ष जयप्रकाश सरावगी, सोशल मीडिया प्रभारी कमल सुरोलिया, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष विनित सोनी, पवन पारीक, संजय जोशी, रोनक सरावगी, प्रमोद सैनी, विनोद सैनी, विनय सरावगी, हेमंत चेजारा, प्रहलाद सैनी, रोनक सैनी, दिनेश सैनी, श्याम सुंदर सैनी आदि पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

जयपुर टाइम्स

**मण्डावा(निस)।** आदर्श विद्या मंदिर विद्यालय प्रांगण में कक्षा -10 व 12 सीबीएसई बोर्ड परीक्षा परिणाम 2024-25 में अव्वल रहें विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन के लिए बुधवार को प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में चंद्रप्रकाश शर्मा, राजेंद्र बुडानिया, विमल कुमार सैनी सहित अभिभावक मंचासीन अतिथि रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय निदेशक अभिषेक तेतरवाल ने की। प्रधानाचार्य मुकेश कुमार स्वामी ने बताया कि सीबीएसई बोर्ड परीक्षा परिणाम 2024-25 में विद्यालय की कक्षा- 10 व 12 का परिणाम शत प्रतिशत रहा। कक्षा-10 व 12 में टॉपर क्रमशः वसुंधरा शर्मा पुत्री चन्द्रप्रकाश शर्मा(94.40%) पायल पुत्री राजेंद्र बुडानिया(93%) रवीना रणवा पुत्री ओमप्रकाश (92.40) मदीहा खान पुत्री बोबी खान (90.40%) सक्षम सानोदिया पुत्र शशिकांत( 89.60%) जिज्ञासा पुत्री विनोद (87.60%) लोकेश पुत्र संदीप कुमार (87.40%) ऋचा जांगिड पुत्री बाबूलाल जांगिड (87.20%) अभिषेक सैनी पुत्र विमल कुमार सैनी (85.40%) व उर्मी रेवाड़ पुत्री संजीव रेवाड़ (85%) आदि रहे। समस्त प्रतिभाओं को माला पहनाकर व मिठाई खिलाकर प्रोत्साहित किया गया। विद्यालय निदेशक अभिषेक तेतरवाल ने बताया कि विद्यालय का परिणाम शत प्रतिशत रहा। विद्यार्थियों, शिक्षकों की वर्ष भर कि मेहनत का परिणाम सराहनीय योग्य है। इस अवसर गोविन्द सोनी, बलवीर सिंह, गौतम कालोया, संजू स्वामी, पूनम शर्मा सहित समस्त स्टाफ़ सदस्य व अभिभावक उपस्थित रहें।

## कवि सुरेश सनातनी का झुंझुनूं में किया स्वागत

जयपुर टाइम्स

**लक्ष्मणगढ़(निस)।** झुंझुनूं जिले के सिंगनौर में पर्यावरण मनीषी डॉ. हरिसिंह गोदारा के माता पिता की मूर्ति अनावरण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे लक्ष्मणगढ़ निवासी विख्यात कवि सुरेश बांगड़ सनातनी का पूर्व संसदीय सचिव व ओसियां विधायक भैराराम सियोल व ख्याति प्राप्त कवि हरीश हिन्दुस्तानी ने शॉल , दुपट्टा व पौधा भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर लक्ष्मणगढ़ के कवि सुरेश ने डॉ हरिसिंह के प्रकृति प्रणय पर उनके सम्मान में अपनी कृति भेंट की व गोदारा परिवार का आभार व्यक्त किया।

## जिलास्तरीय जनसुनवाई व समाधान कार्यक्रम आज

जयपुर टाइम्स

**झुंझुनूं(निस)।** जनभावना के अनुरूप पारदर्शी व संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं व समस्याओं की सुनवाई व त्वरित समाधान के लिए गुरुवार को जिला स्तरीय जनसुनवाई व समाधान कार्यक्रम आयोजित होगा। कलेक्ट्रेट सभागार में प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होने वाले जनसुनवाई कार्यक्रम में जिले के जनप्रतिनिधि व समस्त संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी भाग लेंगे। जिलास्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम में जिले के सभी उपखण्ड अधिकारी सहित सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारी भी वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से हिस्सा लेंगे। इस दौरान जिले के सभी विभागों के अधिकारी जनसुनवाई में भाग लेकर आमजन की समस्याओं का निस्तारण करेंगे।

## पाटोदा स्कूल में सरस्वती प्रतिमा का अनावरण

जयपुर टाइम्स

**मण्डावा(निस)।** राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पाटोदा में बुधवार को एक गरिमामय समारोह में मां सरस्वती की प्रतिमा का अनावरण व कक्षा कक्षों के शिलान्यास समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की शुरुआत डूंगरमल पाटोदिया चेरिटेबल ट्रस्ट और सुनील पाटोदिया वेलफेयर ट्रस्ट मुंबई की ओर से भामाशाह प्रदीप पाटोदिया और संगीता पाटोदिया की ओर से दो कक्षा कक्षों मय बरामदा व एक स्टोर के शिलान्यास के साथ हुई जिनकी अनुमानित लागत लगभग 25 लाख रुपए है। इसके अलावा पाटोदिया की ओर से एक लाख ग्यारह हजार रुपए की लागत से बने नवनिर्मित मां सरस्वती मंदिर में प्रतिमा का अनावरण भी किया। कार्यक्रम में हर्षिनी कुलहरी जिला प्रमुख झुंझुनूं, नरेंद्र कुमार पूर्व सांसद, नाथ आश्रम टाईं पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 सोमनाथ महाराज, सरपंच राजपाल सैनी, प्राचार्य फारूक अली खान रामचंद्र शर्मा आदि मंचासीन अतिथि रहे। मूर्ति अनावरण और शिलान्यास कार्यक्रम के साथ अतिथियों का स्वागत किया गया और विद्यालय की छात्र छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। जिला प्रमुख हर्षनी कुलहरि ने आगामी बोर्ड परीक्षा में प्रतिभावान विद्यार्थियों को नगद इनाम देने की घोषणा की व पूर्व सांसद नरेन्द्र कुमार खीचड़ ने ढाणी पाटोदा में ट्यूबवेल निर्माण व पाटोदा में पेयजल टंकी निर्माण राज्य सरकार से करवाने की घोषणा की। समारोह को सम्बोधित करते हुए जिला प्रमुख हर्षिनी कुलहरि ने कहा कि प्रत्येक विद्यालय में माँ सरस्वती की प्रतिमा स्थापित होनी चाहिए। विद्या की दाता माँ सरस्वती ही है प्रत्येक विद्यार्थी को विद्यालय में प्रवेश करते ही सरस्वती की वन्दना करनी चाहिए। उन्होंने भामाशाह पाटोदिया परिवार को उक्त निर्माण कार्य के लिए साधुवाद दिया। पूर्व सांसद ने कहा कि शिक्षा विकास की कुंजी है. शिक्षा ही बच्चों के भविष्य की नींव है। नीव जितनी मजबूत होगी भविष्य उतना ही उज्ज्वल बनेगा। उन्होंने कहा कि सरकारी संस्था भी विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य निर्माण के लिए सतत प्रयासरत है जिसके बेहतर परिणाम भी देखने को मिले है। साथ ही कहा कि शिक्षा विकास का मार्ग प्रशस्त करती है। इसलिए प्रत्येक अभिभावक और शिक्षक का दायित्व है कि वह बच्चों की उन्नति के लिए हर संभव प्रयास करें। भामाशाह संगीता पाटोदिया ने विद्यालय को भविष्य में अपेक्षित सहयोग देने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का संचालन सुरेन्द्र शर्मा व व्याख्याता संदीप ढाका ने किया और अंत में प्राचार्य फारूक अली ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

## भारतीय चिंतन में अहिंसा व पर्यावरण संरक्षण की अवधारणा विषय पर संगोष्ठी

जयपुर टाइम्स

**सुजानगढ़(नि.सं.)।** मा. भंवरलाल मेघवाल राजकीय कन्या महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परपंरा केन्द्र के तहत भारतीय चिंतन में अहिंसा व पर्यावरण संरक्षण की अवधारणा विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जैन विश्वभारती के सह आचार्य रविन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण भारतीय ज्ञान परपंरा का अभिन्न अंग है। सहायक आचार्य डॉ. लिपि जैन ने बताया कि हम अपने स्तर पर छोटे छोटे प्रयासों से पर्यावरण को संरक्षित कर सकते हैं। भारतीय ज्ञान परंपरा में वर्षों से पर्यावरण संरक्षण एवं अहिंसा को बढ़ावा दिया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. प्रेम बाफना ने बताया कि भारतीय ज्ञान परंपरा केन्द्र के तहत भारतीय ज्ञान विज्ञान के विभिन्न पहलुओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना और ज्ञान विज्ञान की समृद्ध परंपरा को उजागर करना है। भारतीय ज्ञान परंपरा केन्द्र की प्रभारी सहायक आचार्य ज्योति ने आभार जताया। इस दौरान डॉ.भारती शर्मा, डॉ. कोमल तूनवाल, डॉ. अंजू खीचड़, डॉ. ओमप्रकाश कालवा, गौरव पांडेय मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रियंका शर्मा ने किया।

## मध्यप्रदेश के मंत्री के खिलाफ फूटा गुस्सा, पुतला फूंका

जयपुर टाइम्स

**सरदारशहर(निस)।** शहर के गांधी चौक पर बुधवार को एसएफआई व राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के कार्यकर्ताओं की ओर से मध्यप्रदेश सरकार के केबिनेट मंत्री विजय शाह के विवादित बयान को लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए मंत्री का पुतला जलाकर मंत्री को हटाने की मांग को लेकर राष्ट्रपति के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। भारतीय सेना की बहादुर बेटी कर्नल सोफिया कुरैशी पर की गई अभद्र टिप्पणी के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन कर अपना विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों ने मंत्री विजय शाह को तत्काल बर्खास्त करने की मांग की है। उनका कहना है कि यह टिप्पणी न केवल एक सैन्य अधिकारी का अपमान है, बल्कि सम्पूर्ण देश की भावनाओं को आहत करती है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि इस पर कठोर कार्रवाई नहीं हुई तो बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगे। ज्ञापन देने वालों में सांवरमल जाखड़, रुपचंद सारण, ओमकार बाली, संजय कुमार, सुनील, विकास, अनिल कुमार, संदीप, भरत राज, भरत सिंह, घनश्याम, पियूष, नरेंद्र सिंह सहित अनेक कार्यकर्ता शामिल रहे।

## नरसी भगवान की सुनाई कथाः उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने पर खुशी शेखावत का किया स्वागत

जयपुर टाइम्स

**लक्ष्मणगढ़(निस)।** ढोलास में आयोजित नानी बाई का मायरा कथा के चतुर्थ दिन व्यासपीठ से पंडित परमेश्वर लाल गुरुकृपा ने भक्त नरसी मेहता के पिता के श्राद्ध स्वयं भगवान श्रीकृष्ण की ओर से संपन्न करना सविस्तार बताया, जो भक्ति और कृपा का एक अद्भुत उदाहरण है। इस दिन कथावाचक ने कथा की महिमा को और बढ़ाया। कथा में "संत समागम हरि कथा तुलसी दुर्लभ दोय" का महत्व बताया गया, जिससे भक्तों को भक्ति और संतों के संग की महत्ता समझाई। कथा के दौरान गाँव की बिटिया खुशी शेखावत की ओर से बारहवीं कक्षा के सीबीएसई बोर्ड में सम्पूर्ण भारत में दूसरा स्थान प्राप्त करने पर व्यासपीठ सहित ग्राम पंचायत के प्रशासक महेंद्र सिंह ख्यालिया, पूर्व सरपंच सुमन ख्यालिया की ओर से उनके पूरे परिवार का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया। व्यासपीठ से पंडित गुरुकृपा ने कहा कि ईश्वर खुशी सरीखी बिटिया सबको दे। कथा में परमहंस आश्रम के महंत ललित गिरी महाराज, तोदी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. नगेंद्र सिंह नाथावत, रामु चूड़ीवाला, सुरेश मोदी, लक्ष्मीकांत चूड़ीवाला, अनिल मिश्रा, रवि कुदाल, रतन सिंह बगड़ी, नरेश शर्मा, रतन सिंह छिंछास, विप्र सेना अध्यक्ष सचिन माटोलिया, संजय जोशी, जयप्रकाश सरावगी, बिनोद पारीक, नथमल भंडारी, सवाई सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

## सरदारशहर पुलिस ने ठगी के पांच लाख रुपए दिलवाए वापस

जयपुर टाइम्स

**सरदारशहर(निस)।** शहर की पुलिस ने साइबर ठगी के शिकार हुए लोगों को राहत पहुंचाई है। एसपी जय यादव के निर्देशन में थाना प्रभारी मदनलाल विश्नोई और कांस्टेबल रामचन्द्र सिहाग ने अपनी तकनीकी दक्षता से पीड़ितों को उनकी रकम वापस दिलवाई हैं। पहले मामले में अजीतसिंह से ठगों ने ऑनलाइन इंवेस्टमेंट के नाम पर 7 लाख रुपये ठग लिए थे। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 3.9 लाख रुपये होल्ड करवाए। इनमें से 2.9 लाख रुपये 8 फरवरी को वापस करवाए गए। बाकी 1 लाख रुपये 14 मई को रिफंड किए गए। दूसरे मामले में जयकृष्ण को 2 लाख रुपये वापस दिलवाए गए। पुलिस ने लोगों को साइबर ठगी से बचने के लिए सावधानियां बरतने की सलाह दी है। ठगी की स्थिति में तुरंत 1930 पर कॉल करें या cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें। किसी भी अनजान लिंक को न खोलें। सोशल मीडिया अकाउंट में टू-स्टेप वेरिफिकेशन का उपयोग करें।

# गौरांशी राठौड़ ने 94% अंक प्राप्त कर बढ़ाया परिवार और स्कूल का मान

### डॉ. वीरेंद्र सिंह राठौड़ ने दी उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं

जयपुर टाइम्स

**जयपुर(कासं.)।** सेंट एंजिला सोफिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल की मेधावी छात्रा गौरांशी राठौड़ ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 12वीं कक्षा की परीक्षा में 94% अंक प्राप्त कर अपने परिवार और विद्यालय का नाम रोशन किया है। गौरांशी की इस उपलब्धि पर पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। गौरांशी ने बताया कि उसकी तबीयत परीक्षा के दौरान ठीक नहीं थी, जिस कारण वह अपेक्षित परिणाम नहीं ला सकी। उसने बताया कि उसे 95% से अधिक अंक आने की उम्मीद थी, लेकिन स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के चलते थोड़े अंक कम रह गए। इसके बावजूद 94% अंक प्राप्त करना उसकी मेहनत, लगन और आत्मविश्वास का परिचायक है। गौरांशी का सपना है कि वह एक दिन एक अच्छी प्रशासनिक अधिकारी बने और देश की सेवा करे। वह अपनी इस सफलता का श्रेय अपनी बड़ी बहन मुस्कान राठौड़ और अपने ताऊजी डॉ. वीरेंद्र सिंह राठौड़ को देती हैं। गौरांशी ने कहा कि मुस्कान दीदी की पढ़ाई के प्रति निष्ठा और ताऊजी की निरंतर प्रेरणा ने उसे हमेशा आगे बढ़ने का हौसला दिया। डॉ. वीरेंद्र सिंह राठौड़ ने गौरांशी की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि वह शुरू से ही मेधावी और अनुशासित छात्रा रही है। उन्होंने गौरांशी को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि वह आने वाले समय में समाज और देश का नाम रोशन करेगी। विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने भी गौरांशी को शुभकामनाएं दी हैं और उसे आने वाले सभी प्रयासों में सफलता की कामना की है।

# मीशो की फ्रेंचाइजी के लिए लॉरेंस के नाम से धमकी, दो बदमाश गिरफ्तार

**जयपुर(कासं.)** जयपुर में मीशो कंपनी की फ्रेंचाइजी के नाम पर गैंगस्टरों की धमकी देने का मामला सामने आया है। आरोपी ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई और आनंदपाल गैंग का सदस्य बताकर कंपनी के रीजनल मैनेजर और अन्य कर्मचारियों को धमकाया। इस मामले में रामगंज थाने में शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी नॉर्थ राशि डोगरा के अनुसार, मीशो कंपनी के अधिकारियों ने शिकायत में बताया कि आरोपी साहिल भुरानी, हिस्ट्रीशीटर आनंद सांडिल्य और विक्रम उर्फ लादेन ने डिलीवरी सेंटर/हब की फ्रेंचाइजी देने के लिए दबाव बनाया। आरोपी लगातार फोन कर जान से मारने की धमकी दे रहे थे और गैंगस्टरों का नाम लेकर डराने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस जांच अधिकारी एसआई संदीप यादव ने बताया कि शिकायत 8 अप्रैल को मिली थी, जिसके बाद एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस टीम ने सबसे पहले आनंद सांडिल्य को गिरफ्तार किया और उसे जेल भेज दिया। इसके बाद मंगलवार को साहिल भुरानी को भी पकड़ा गया, जिससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी आदतन अपराधी हैं और उनके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पीड़ितों की शिकायत के बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए साक्ष्य जुटाए और दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। फिलहाल विक्रम उर्फ लादेन की तलाश जारी है।

# अरावली की गोद में होगा यज्ञ-विज्ञान का दिव्य सत्र, अश्विनी गुरुजी के मार्गदर्शन में ध्यान फाउंडेशन का आवासीय रिट्रीट

जयपुर टाइम्स

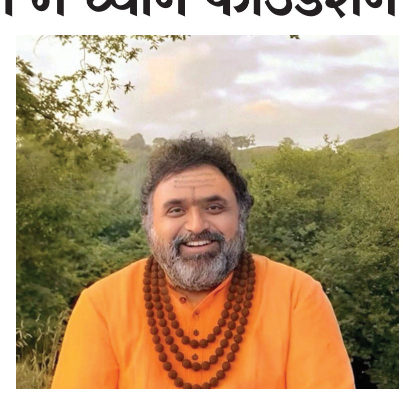

**जयपुर(कासं.)** ध्यान फाउंडेशन द्वारा 21 से 27 मई 2025 तक जयपुर स्थित अरावली की सुरम्य वादियों में एक विशेष 6 रातों का आवासीय 'यज्ञ का विज्ञान रिट्रीट' आयोजित किया जा रहा है। यह सत्र प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु अश्विनी गुरुजी के मार्गदर्शन में यज्ञ, मंत्र और वैदिक चिकित्सा विज्ञान पर केंद्रित होगा। यह अनूठा रिट्रीट वैदिक शास्त्रों में वर्णित ध्वनि और अग्नि की शक्तियों के माध्यम से प्रतिभागियों के शरीर, मन और चेतना में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। अश्विनी गुरुजी, जो योग, आयुर्वेद, मंत्र, यज्ञ और आध्यात्मिक उपचार में गहन अनुभव रखते हैं, इस रिट्रीट में प्रतिभागियों को दिव्य चिकित्सा मंत्रों की ऊर्जा एवं प्रभावों से अवगत कराएंगे। गुरुजी के अनुसार, "यज्ञ कोई कर्मकांड नहीं, बल्कि एक जीवंत विज्ञान है। जब यज्ञ शुद्ध विधि से किया जाता है, तो न धुआं उठता है, न ही वातावरण भारी होता है। इसके विपरीत, चारों ओर सुगंधित वायु और दिव्यता की अनुभूति होती है।" ध्यान फाउंडेशन द्वारा आयोजित पूर्ववर्ती यज्ञों में अग्नि में प्रकट दिव्य रूपों की तस्वीरें और वीडियो dhyanfoundation.com पर उपलब्ध हैं। गुरुजी बताते हैं कि प्रत्येक मंत्र एक विशेष देवत्व की फ्रीक्वेंसी से जुड़ा होता है और जब उसे सटीक उच्चारण व विधि से बोला जाता है, तो वह शक्ति जागृत होती है। उन्होंने यह भी बताया कि ध्यान फाउंडेशन ने मंत्रों की फ्रीक्वेंसी को रिकॉर्ड करने के लिए वैज्ञानिक उपकरणों का उपयोग किया है, जिसके परिणामस्वरूप मंत्रोच्चारण से उत्पन्न हुई दिव्य आकृतियाँ दर्ज की गईं। इस रिट्रीट के दौरान प्रतिभागियों को सात विशिष्ट मंत्रों के समन्वय से बने 'दिव्य चिकित्सा मंत्रों' की ऊर्जा से परिचित कराया जाएगा, जो शरीर की नाड़ियों को सक्रिय कर स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन प्रदान करते हैं। यह कार्यक्रम उन लोगों के लिए एक दुर्लभ अवसर है जो यज्ञ और मंत्रों की वास्तविक वैज्ञानिक और आध्यात्मिक गहराई को समझना चाहते हैं। अधिक जानकारी एवं पंजीकरण हेतु dhyanfoundation.com पर विज़िट करें।

## जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आज

**बीकानेर(निसं.)।।** बैंकों से जुड़ी तिमाही गतिविधियों की समीक्षा के लिए जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक गुरुवार को सांय 4.30 बजे जिला कलेक्टर सभागार में आयोजित होगी। अग्रणी बैंक कार्यालय के मुख्य प्रबंधक ने सभी बैंकर्स को बैठक से संबंधित सूचनाएं लाने के निर्देश दिए हैं।

## जिला स्तरीय जनसुनवाई आज

**बीकानेर(निसं.)।** जिला कलक्टर नम्रता वृष्णि की अध्यक्षता में जिला स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन गुरुवार को प्रातः 11 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय सत्तर्कता समिति की बैठक के बाद किया जाएगा। यह जानकारी प्रशासनिक सुधार व समन्वय विभाग की सहायक निदेशक (लोक सेवाऐं) सुमन शर्मा ने दी।

## एसएमएस स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकी, ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र कर फैलाई दहशत

जयपुर टाइम्स

**जयपुर(कासं.)।** जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम को एक सप्ताह में पांच बार बम से उड़ाने की धमकी दी गई है, जिससे सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया है। बुधवार को दो बार धमकी भरे मेल भेजे गए। पहली बार सुबह खेल परिषद की आधिकारिक ईमेल आईडी पर मेल आया, जिसमें कहा गया कि "पाकिस्तान से पंगा मत लीजिए, हमारे पास भारत में स्लीपर सेल हैं। ऑपरेशन सिंदूर के तहत आपके हॉस्पिटल भी उड़ाए जाएंगे।" दूसरे मेल में चेतावनी दी गई कि पुलिस विस्फोटक की पहचान कर चुकी है, लेकिन धमकी को हल्के में न लें। मेल में एक बार फिर एक रेप पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग दोहराई गई और 2003 हैदराबाद की लेमन ट्री होटल के दोषी का जिक्र करते हुए उस पर ध्यान दिलाया गया। इससे पहले 8, 12 और 13 मई को भी स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकियां मिल चुकी हैं। 13 मई के मेल में भी पीड़िता को न्याय दिलाने की बात कही गई थी। 9 मई को जयपुर मेट्रो को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली थी, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख किया गया था। हालांकि जांच में कुछ नहीं मिला। इसी तरह 20 फरवरी को एसएमएस मेडिकल कॉलेज और 4 अक्टूबर को जयपुर एयरपोर्ट सहित देशभर के 100 से ज्यादा एयरपोर्ट को धमकी दी गई थी, लेकिन कोई भी विस्फोटक बरामद नहीं हुआ। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां मामले की गंभीरता से जांच कर रही हैं और हाई अलर्ट पर हैं। IPL मुकाबलों से पहले इस तरह की धमकियों ने आयोजकों और सुरक्षा बलों की चिंता बढ़ा दी है।

## जिला स्तरीय जनसुनवाई आज

जयपुर टाइम्स

**चूरू(निस)।** जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा की अध्यक्षता में गुरूवार को सवेरे 11 बजे पुराने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित जन सेवा केन्द्र में जिला स्तरीय जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। एडीएम अर्पिता सोनी ने बताया कि जिला स्तरीय जनसुनवाई में जिला कलक्टर आमजन के अभाव-अभियोग सुनेंगे।

## मशीन के नीचे दबने से युवक की मौत

जयपुर टाइम्स

**सुजानगढ़(नि.सं.)।** निर्माण कार्य के दौरान मशीन के नीचे दबने से एक युवक की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार परमेश्वर लाल प्रजापत ने रिपोर्ट में बताया कि मेरा पुत्र सुरेश कुमार प्रजापत (40) ठेकेदारी का काम करता था। नया बास में निकिता जाट पत्नी संजय जाट के घर पर मकान निर्माण का ठेकेदारी का काम कर रहा था। मंगलवार सुबह काम पर मेरा पुत्र सुरेश एवं अन्य मजदूर मिक्चर मशीन को छत पर चढ़ा रहे थे। इसी दौरान अचानक मशीन असंतुलित हो कर नीचे खड़े मेरे पुत्र सुरेश के ऊपर गिर गई, जिससे सुरेश के चोटें आई। जिसे घायलावस्था में राजकीय बगडिया उप जिला अस्पताल लेकर पंहुचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना पर कोतवाली थाने से हैड कांस्टेबल सतवीर सिंह ने अस्पताल पंहुच कर मामले की जानकारी ली। पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों को सौंप दिया

राजस्थान सरकार

**कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, खैरथल-तिजारा**

क्रमांक मुख्य/एनएचएम. / लेखा / 2025/355 दिनांक- -14/05/2025

इस कार्यालय द्वारा जारी निविदा सूचना संख्या 02 / 2025-26 क्रमांक / मुख्य / एनएचएम / 2025-26/351 दिनांक 13.05.2025 में जारी निविदा सूचना भोजन / टैंट / आवास व्यवस्था यूबीएन नम्बर MHS 2526 SLRC 01010 जो कि 26.05.2025 को खोली जानी थी को अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है। अन्य सूचना यथावत रहेगी।

(डॉ अरविन्द गेठ
मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ्य अधिकारी
खैरथल - तिजारा

## उपखंड अधिकारी ने ली समीक्षा बैठक

जयपुर टाइम्स

**सुजानगढ़(नि.सं.)।** उपखंड अधिकारी ओमप्रकाश वर्मा की अध्यक्षता में स्थानीय पंचायत समिति सभागार में आयोजित की गई। बैठक में खाद्य सुरक्षा, स्वामित्व योजना, फसल बीमा योजना, फार्मर रजिस्ट्री पंजीकरण आदि के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में मौजूद सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को समय पर काम सम्पादित करने के निर्देश उपखंड अधिकारी ने दिए इस अवसर पर तहसीलदार राजू देवी बुनकर, विकास अधिकारी रवि कुमार, सहायक निदेशक कृषि विस्तार गोविंदसिंह, भवानीशंकर, सहायक अभियंता चारवी, पटवारी और ग्राम विकास अधिकारी मौजूद रहे।

## कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ भाजपा के मंत्री का बयान निंदनीयः महनसरिया

जयपुर टाइम्स

**चूरू(निस)।** कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ भाजपा के मध्य प्रदेश के एक मंत्री की ओर से दिए बयान की चूरू जिला मुख्यालय पर कांग्रेसजनो की एक बैठक में चूरू नगर परिषद के पूर्व सभापति गोविंद महन सरिया ने निंदा की। उन्होंने कहा कि सोफिया कुरैशी का परिवार तीन पीढ़ी से देश की सेवा कर रहे हैं। उनके दादाजी ने भी देश की सेवा की है। उनके पति आज भी देश की सेवा कर रहे हैं महनसरिया ने कहा कि भाजपा गलत बयान बाजी करके देश की सेना का व जनता का अपमान कर रही है जो निंदनीय है। हम कांग्रेसजन व जनता भारत सरकार से मांग करते हैं कि ऐसे मंत्री खिलाफ तुरंत कार्रवाई करें इस अवसर पर पूर्व जिला परिषद सदस्य मोहनलाल आर्य, अमर सिंह दनेवा, सतवीर बेनीवाल, जिला अध्यक्ष मुंशी खान, इदु खान फतेह खानी, मुबारक मोबाइल, मनोज महनसरिया एडवोकेट इदरीश खान दौलत खानी, मोहन ट्रेलर, लक्ष्मण मेहरा, शिवम सोनी, दिव्यांश रामगढ़िया व ललित मेघवाल सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

## रायवाली में चिकित्सा शिविर का आयोजन

जयपुर टाइम्स

**सूरतगढ़(निसं.)।** ग्राम पंचायत रायावली में जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार सरपंच प्रतिनिधि विकास शेखावत की ओर से चिकित्सा शिविर का शुभारंभ कर मरीज़ों को लाभान्वित किया गया। जिसमे चिकित्सकों ने स्वास्थ्य जाँच कर दवाइयां वितरित की और टीबी रोगियों की स्क्रीनिंग की। एनसीडी काउंसलर की ओर से मरीजों को परामर्श दिया गया गया। शिविर में डॉ योगेश बिश्नोई, डॉ शोभा बिश्नोई, नर्सिंग ऑफिसर सुरेंद्र कौर, एसटीएस करनैल सिंह, एसटीएलस अश्विनी वर्मा, आरबीएसके टीम राधेश्याम, सुमन, एनसीडी काउंसलर दीपक शर्मा, एएनएम मुकेश और आशा कार्यकर्ता ने सेवाएं दी।

## हादसे में दो मोटरसाइकिल सवार घायल

जयपुर टाइम्स

**सुजानगढ़(नि.सं.)।** गत रात्रि को सुजला कॉलेज के पास स्थित प्रार्थना बस स्टॉप के नजदीक अज्ञात वाहन ने टक्कर से दो मोटरसाइकिल सवार घायल हो गये। जिन्हे उधर से गुजर रहे मनीष पारीक और अन्य ने 108 की सहायता से सुजानगढ़ के राजकीय बगडिया उप जिला अस्पताल पंहूचाया। जहां टीम हारे का सहारा संयोजक श्याम स्वर्णकार ने घायलों को इमरजेंसी में भर्ती करवा कर उनका इलाज शुरू करवाया कर परिजनों को सूचित किया। हादसे में शिव नारायण भार्गव पुत्र भागुराम भार्गव उम्र 23 वर्ष निवासी जसवंतगढ़, एवं महेंद्र पुत्र भागुराम भोपा उम्र 22 वर्ष निवासी डाबड़ी घायल हो गये थे। प्राथमिक उपचार के पश्चात चिकित्सकों ने शिवनारायण की हालत गंभीर होने के कारण उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। हादसे की सूचना पर जसवंतगढ़ पुलिस ने अस्पताल पंहुच कर घटना की जानकारी दी।

## जिला स्तरीय गोपालन समिति की बैठक 20 को

**चूरू(निस)।** जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा की अध्यक्षता में 20 मई को सांय 5 बजे जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय गोपालन समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। पशुपालन संयुक्त निदेशक डॉ मदनलाल गहनोलिया ने बताया कि बैठक में वित्त वर्ष 2024–25 में अंधे व अपाहिज गोवंश को माह अगस्त, सितंबर, अक्टूबर–2024 अंतर्गत अतिरिक्त 90 दिवस की सहायता का अनुमोदन सहित विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की जाएगी।

## नगरपरिषद का सड़कों की चौड़ाई बढ़ाने का कार्य जारी

# सरदारशहर का निखरेगा सौंदर्य, अतिक्रमणों पर चल रहा पीला पंजा

### सभापति की मुहिम का दिखने लगा शहर में असर

जयपुर टाइम्स

**सरदारशहर(निस)।** सरदारशहर के लिए सड़कों कम चौड़ाई से आमजन परेशान थे और शहर के लिए अतिक्रमण नासूर बन गया था। हर सड़क, बाजार के साथ चौराहे भी अतिक्रमण की जकड़न में थे। फुटपाथ तक फैली दुकानों का दायरा चौराहों की ओर रुख कर रहा थे। बेलगाम अतिक्रमण से चौराहे जाम में घिरे रहते थे। लोग परेशान होते हैं। बरसों से अतिक्रमणकारी मस्त हैं और बेफिक्र थे। लेकिन अब नगर परिषद सभापति राजकरण चौधरी ने अतिक्रमणकारियों पर टेढ़ी नजर कर ली हैं। जिससे अब अतिक्रमणकारियों की सांसे रुकी हुई हैं। शहर में नगर परिषद की ओर से सड़कों की चौड़ाई को बढ़ाने के लिए अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। जिसका असर अब शहर में देखने को मिल रहा है। नगर परिषद सभापति राजकरण चौधरी के नेतृत्व में आपसी सहमति से सड़कों की चौड़ाई बढ़ाने का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। सभापति राजकरण चौधरी की टीम की ओर से चलाई गई एक मुहिम का असर अब धीरे-धीरे शहर में देखने को मिल रहा है। जहां एक फीट जमीन के लिए लड़ाई झगड़ा व मुकदमे होते हैं। लेकिन सभापति व उनकी टीम की ओर से न तो कोई पुलिस जाप्ता और ना ही कोई विवाद के बिना आपसी सहमति से सड़कों की चौड़ाई को बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। जिसकी पूरे क्षेत्र में प्रशंसा की जा रही है। शहर में हर जगह पक्ष व विपक्ष के लोगों की ओर से सभापति राजकरण चौधरी की टीम की ओर से सड़कों की चौड़ाई को बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। सभापति के कार्यों की प्रशंसा नहीं की जाती थी वहीं आज हर आदमी की जुबान पर शहर में हो रहे कार्यों को लेकर प्रशंसा ही सुनी जा रही है। सभापति राजकरण चौधरी की टीम की ओर से शहर के विकास को लेकर जिन परिवारों की ओर से सड़क की चौड़ाई को बढ़ाने के लिए जमीन का दान देकर नगर परिषद का सहयोग किया है। उनका बहुत-बहुत आभार भी जताकर नगर परिषद की ओर से उनका सम्मान करने की बात कही जा रही हैं। शहर में अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत युद्ध स्तर पर नगर परिषद की ओर से कार्य किया जा रहा है। जल्द ही इन सड़कों का अलग ही रूप देखने को आमजन को मिलेगा। सरदारशहर नगरपरिषद क्षेत्र में लगातार बढ़ते अतिक्रमण के बाद शहरवासियों को विभिन्न प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। लेकिन एक बार फिर नगरपरिषद की ओर से शहर में अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू किया है। शहर के मुख्य मार्ग कर्वा पार्क से अतिक्रमण हटाने का काम शुरू हुआ हैं। नगरपरिषद सभापति राजकरण चौधरी ने बताया कि पिछले वर्ष रामनवमी शोभायात्रा पर जब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरदारशहर पधारे थे। तब इन तंग गलियों के कारण उन वीआईपी लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा था और इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री जी के साथ बातचीत भी हुई थी। उन्होंने कहा कि शहर में लगातार वाहनों की बढ़ती संख्या और बढ़ती भीड़ को देखते हुए नगरपरिषद की ओर से यह निर्णय लिया गया है कि राजवाला कुआं से रोडवेज बस स्टैंड तक और 5 भाई चौक से सूर्य मंदिर तक अतिक्रमण हटाया जाएगा और इन सड़कों को चौड़ा करके शहर के इन मार्गों को सुलभ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मरीजों को लेकर एंबुलेंस अस्पताल तक जाती है तो इस दौरान काफी समय लग जाता है। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण हटाने के वक्त पुलिस प्रशासन का भी सहयोग मांगा गया है। उन्होंने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि शहर के विकास के लिए हमारा सहयोग करें। जिन्होंने भी अतिक्रमण किया है वह खुद ही अपना अतिक्रमण हटा लें। उन्होंने कहा कि अगर कोई भी अतिक्रमण पट्टे में आता है तो उससे संबंधित कागजात वह नगरपरिषद में पेश करें अन्यथा नुकसान की जिम्मेदारी खुद की होगी। वहीं उन्होंने कहा कि उसके बाद रेलवे स्टेशन, शिव मार्केट, लेडिज मार्केट आदि जगहों से भी अतिक्रमण हटाकर मार्गो को चौड़ा करने का कार्य किया जाएगा। 125 साल पहले बनी हवेली पर भी नगर परिषद का पिला पंजा चल गया। हालांकि इस दौरान हवेली मालिक ने बड़ा दिल दिखाते हुए शहर हित में अपनी हवेली स्वेच्छा से तोड़ने की सहमति नगर परिषद को दी। हवेली मालिक मानकुमार कुंडलिया ने बताया कि हमारी बैश कीमती हवेली करीबन 125 साल पहले मेरे पिताजी ने बनावाई थी। उस समय वाहनों की संख्या बहुत कम थी तो उस समय के हिसाब से हवेली सही थी। लेकिन अब धीरे धीरे यातयात बढ़ा हैं। जिससे मार्ग छोटे हो गए हैं। ऐसे में हमने हमारी हवेली को स्वेच्छा से तोड़ने की सहमति प्रशासन को दी हैं। इसी प्रकार कई अन्य व्यापारियों ने भी अपनी जगह प्रशासन को दी हैं। 108 एंबुलेंस के चालक संजय खीचड़ ने बताया कि पहले जब हम दुर्घटना में घायल किसी मरीज को लेकर मुख्य बाजार से गुजरते थे तो थोड़ी सी दूरी में आधे घंटे से ज्यादा का समय लग जाता था। लेकिन अब सड़कों चौड़ाई बढ़ने से अस्पताल तक पहुंचने में काफी आसानी होगी और दुर्घटना में घायल मरीजों की जान बचाई जा सकेगी। यातायात प्रभारी हेड कांस्टेबल गणपतराम ने बताया कि संकरी गलियां होने के कारण दिन में कई बार जाम लग जाता था। शहर में वाहनों की संख्या अधिक होने के कारण बार-बार शहर वासियों को जाम की स्थिति का सामना करना पड़ता था। शादियों के सीजन में यह समस्या और भी गंभीर रूप धारण कर लेती थी। लेकिन अब सड़कों की चौड़ाई बढ़ने से शहर वासियों को और यातायात व्यवस्था में काफी सुधार होगा। अतिक्रमण हटने से अब शहर में बदलाव देखने को मिल रहा है। रास्ते चौड़े हो रहे हैं। यातायात सुगम सरल हो रहा है। ऐसे में आमजन अपने आप को अतिक्रमण से मुक्त महसूस कर रहा है। एम्बुलेंच चालक संजय खीचड़ ने बताया कि सड़कों पर अतिक्रमण होने के चलते एंबुलेंस को 5 मिनट का रास्ता पार करने में 30 मिनट लग जाता था। लेकिन अब सड़के अतिक्रमण मुक्त होने से हमें समय कम लगेगा। निश्चित ही अतिक्रमण हटने से शहर की सुंदरता को बढ़ावा मिलेगा।

## दुष्कर्म के आरोपी को 10 वर्ष का कठोर कारावास

जयपुर टाइम्स

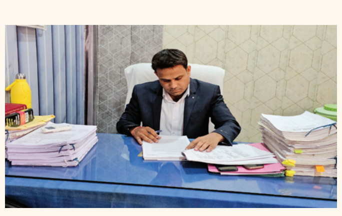

**तारानगर(निस)।** तारानगर के अपर जिला व सेशन न्यायाधीश संतोष कुमार मीणा ने दुष्कर्म के मामले में भालेरी थाना क्षेत्र के कोहीणा गाँव के जयसिंह पुत्र भगवानसिंह को अपराध अंतर्गत धारा 366, 376 (2) भारतीय दंड संहिता में दोषसिद्ध कर 10 वर्ष के कठोर कारावास व दस हजार रूपए के अर्थ दंड से दंडित कर जेल भेजा है। अभियोजन की ओर से पैरवी कर रहे अपर लोक अभियोजक पंकज कुमार स्वामी ने बताया कि अर्थ दंड जमा नहीं करवाने पर आरोपी को तीन माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

## सरकारी स्कूलों में नामांकन बढ़ाने के लिए शिक्षकों की अनूठी पहल

### गांव-गांव जाकर मास्साब कर रहे नामांकन के लिए प्रेरित, स्मार्ट क्लास समेत कई सुविधाओं की दे रहे जानकारी

जयपुर टाइम्स

**सरदारशहर(निस)।** तहसील के गांव भादासर में शिक्षा को हर घर तक पहुंचाने का अभियान शुरू किया गया है। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय के शिक्षक घर-घर जाकर अभिभावकों से संवाद कर रहे हैं। प्रधानाचार्य अभिषेक शर्मा के नेतृत्व में शिक्षक विद्यालय में नामांकन बढ़ाने को लेकर एक अनूठी पहल की हैं। शिक्षक रविन्द्र पूनियां, राजेश कुमार, गिरधारीलाल सारण, दलीप जाखड़ और दिनकर जांगिड़ ने गांव भादासर उतारदा और चारणवासी गांवों का दौरा किया। उन्होंने अभिभावकों को सरकारी स्कूलों में मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। इनमें मिड डे मील, निशुल्क किताबें और यूनिफॉर्म शामिल हैं। साथ ही छात्रवृत्ति योजनाओं और स्मार्ट क्लास की सुविधाओं के बारे में भी बताया गया। शिक्षकों के इस प्रयास को गांव वालों का समर्थन मिल रहा है। कई अभिभावकों ने अपने बच्चों का नामांकन सरकारी विद्यालय में करवाने का आश्वासन दिया है। इस पहल से क्षेत्र में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ने के साथ सरकारी स्कूलों में सरकार की योजनाओं का विधार्थियों को लाभ मिलेगा। बच्चों और ग्रामीणों में शिक्षा को लेकर नया उत्साह देखा जा रहा है।

## जिला स्तरीय गोपालन समिति की बैठक 20 मई को

जयपुर टाइम्स

**चूरू(निस)।** जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा की अध्यक्षता में 20 मई, 2025 को सायं 5 बजे जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय गोपालन समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। पशुपालन संयुक्त निदेशक डॉ. मदनलाल गहनोलिया ने बताया कि बैठक में वित्त वर्ष 2024-25 में अंधे व अपाहिज गोवंश को माह अगस्त, सितंबर, अक्टूबर 2024 अंतर्गत अतिरिक्त 90 दिवस की सहायता का अनुमोदन सहित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की जाएगी।

## मिलेगी अच्छी तालीम: युसूफ नूर मोहम्मद गर्ल्स स्कूल का उदघाटन

जयपुर टाइम्स

**चूरू(निस)।** जिला मुख्यालय स्थित वार्ड 27 में मोहल्ला व्यापारियान में बुधवार को युसूफ नूर मोहम्मद गर्ल्स स्कूल का शुभारम्भ किया गया। विद्यालय का शुभारंभ मुख्य अतिथि सैयद मोहम्मद अनवार नदीम-उल-कादरी शहर इमाम ने फीता काटकर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. मुमताज अली कुरैशी ने की। वहीं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. एफ.एच. गौरी, डॉ. एहसान गौरी, डॉ. अख्तर अली खान, एडवोकेट आबिद कुरैशी, मौलाना अब्दुल जब्बार, मौलाना मोहम्मद रफीक, मुफ्ती इरशाद कासमी, तंजीम जमीयत उल कुरैश के अध्यक्ष हाजी मुश्ताक, उपाध्यक्ष हाजी याकूब थीम व हाफिज मोहम्मद इश्तियाक रहें। विद्यालय भवन का निर्माण मोहम्मद रमजान कुरैशी ने अपने पिता युसूफ नूर मोहम्मद की स्मृति में करवाकर तंजीम जमीयतुल कुरैश संस्थान को सौंपा। कार्यक्रम में अतिथियों का माला पहनाकर स्वागत किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने बताया कि यह विद्यालय कक्षा 01 से 09 तक की लड़कियों को षिक्षा ग्रहण कराएगा। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि शहर इमाम ने कहा कि लड़कियां शिक्षित होकर दो घरों का नाम रोशन करेगी। उन्होंने लड़कियों की शिक्षा के लिए बेहतरीन संदेश दिया। लड़कियां शिक्षत होकर देश सेवा करेंगी, जिस प्रकार सोफिया कुरैशी ने देश का नाम रोशन किया है। डॉ. एफ. एच. गौरी ने कहा कि इस्लाम में शिक्षा के लिए पहला शब्द इकरा आया है। कुरान में इसका मतलब पढ़ाई से हैं। हाजी याकूब थीम ने इस पुनित कार्य के लिए हाजी वाला परिवार का आभार व्यक्त किया। कौम कुरैशियान झुंझुनू के अध्यक्ष उमर कुरेशी ने कहा कि हमें सबको साथ लेकर चलना होगा, तब ही हम आगे बढ़ सकेंगे। मास्टर मुस्तफा कुरेशी ने कहा कि मुस्लिम कौम में अब महिला शिक्षा को लेकर काफी जागरूकता आयी है। मास्टर अब्दुल कुरेशी झूंझूनूंवाला ने कहा कि लड़कियों की तालीम से समाज में सुधार होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. मुमताज कुरैशी ने कहा कि स्कूली शिक्षा के साथ-साथ उच्च शिक्षा भी हमारा मकसद है, बच्चियों को अच्छी शिक्षा मिलने से समाज में जागरूकता आयेगी। कार्यक्रम में अणुव्रत समिति की अध्यक्ष रचना कोठारी, सचिव ताहिर खान एडवोकेट, प्रिंसिपल फरीदा, मौलाना उस्मान सरदारशहर, शौकत अली खान झारिया, पूर्व एडिशनल एसपी अयूब मोहम्मद, नूर मोहम्मद खान, डॉ. एम.एम शेख, हाजी हनीफ खान नसवान, पूर्व प्रिंसिपल रशिद खान मोयल, उस्मान अंसारी, वाहिद अली खान, हाजी फजले हक चौहान, बाबू इस्माइल पूर्व पार्षद, मोहम्मद रमजान कुरैशी, हाजी यूसुफ चौहान, मोहम्मद शफीक पीटीआई घांघू, गुलाम हुसैन हाजीवाला, मौलाना मोहम्मद इश्तियाक बिसाऊ आदि उपस्थित रहे । हाजी याकूब थीम ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन मुफ्ती इरशाद अहमद कासमी ने किया।

## टॉपर विद्यार्थियों का किया सम्मान

जयपुर टाइम्स

**बिसाऊ(निस)।** केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड दिल्ली के बोर्ड परीक्षा 2025 में न्यू राजस्थान पब्लिक विद्यालय के छात्र/छात्राओं ने अच्छे अंक लाकर विद्यालय और अपने परिवार का नाम रोशन किया। विद्यालय के छात्र पार्थ जांगिड ने 96.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर मण्डावा विधानसभा क्षेत्र में सर्वेक्षेष्ठ अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। संस्था निदेशक डॉ प्रताप सिंह ने बताया कि कक्षा 10 वंद्य 12 का 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम रहने पर निदेशक डॉ प्रताप सिंह ने छात्र/छात्राओं को मिठाई खिलाकर धन्यवाद दिया। बच्चों को और कडी मेहनत कर आगे बढने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के छात्र/छात्राए पार्थ जांगिड 96.20 प्रतिशत, सौर्य शर्मा 92 प्रतिशत, शिक्षा शर्मा 87 प्रतिशत, प्राची गोदारा 86 प्रतिशत, भावना कुमारी 84 प्रतिशत, गजल बारठ 83 प्रतिशत अंक प्राप्त किये। विद्यालय के 13 छात्र/छात्राओं ने 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए। इस मौके पर सभी स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

### दवाखाने में 'दवा' नहीं, दिख रही 'दारू'

## चूरू के डीबी अस्पताल की लैब में शराब पार्टी

### टेक्नीशियन और सहायक पकड़े गए

जयपुर टाइम्स

**चूरू(निस)।** सरकारी डीबी अस्पताल की लैब में शराब पार्टी का मामला सामने आया है। अस्पताल प्रशासन को बार-बार शिकायतें मिल रही थीं। औचक निरीक्षण के दौरान लैब टेक्नीशियन राजेश गोदारा और लैब सहायक मुकेश को शराब पीते हुए पकड़ा गया। कार्यवाहक अधीक्षक डॉ. इदरीश खान ने बताया कि इस तरह की शिकायतें पहले भी मिल चुकी थीं। एक कर्मचारी ने भी इसकी शिकायत की थी। मामले की जांच के लिए कमेटी बनाई गई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की जाएगी। लैब प्रभारी डॉ. नदीम के अनुसार निरीक्षण के दौरान शराब पार्टी की सामग्री जब्त की गई है। मामले की शिकायत पुलिस को भी दी गई है। अस्पताल प्रशासन ने इस घटना को गंभीरता से लिया है। चिकित्सा विभाग की छवि को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

## अभिषेक जोशी को राज्यपाल ने किया सम्मानित

जयपुर टाइम्स

**सुजानगढ(नि.सं.)।** वीकेएस फाउंडेशन जयपुर की ओर से नारद जयंती के उपलक्ष में पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन पाथेय भवन नारद सभागार में आयोजित किया गया। इस सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि माननीय राज्यपाल हरिभाऊ वागड़े, मुख्य वक्ता पांचजन्य पत्रिका के संपादक हितेश शंकर व अध्यक्ष जयपुर प्रान्त सह संघचालक हेमंत सेठिया रहे। कार्यक्रम में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक व डिजिटल तीनों माध्यमो के चयनित पत्रकारों का सम्मान किया गया। प्रिंट मीडिया से मेघश्याम पाराशर को "पुण्यार्थ जीवन, हितार्थ सौदा" स्टोरी के लिए, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से श्रीवत्सन को मेवात में साइबर ठगी पर स्टोरी के लिए व न्यू मीडिया से अभिषेक जोशी पुत्र पवन जोशी सुजानगढ़ भोजलाई बास को भारत रफ्तार में सामाजिक समरसता पर स्टोरी के लिए सम्मानित किया गया।

### पार्षद नंदकिशोर की मांग पर बनाया ट्यूबवैल

## पेयजल संकट से जूझ रहे लोगों के लिए राहतः 160 उपभोक्ताओं को मिलेगा पर्याप्त पानी

जयपुर टाइम्स

**रतनगढ़(निस)।** रतनगढ़ के वार्ड संख्या 28 में पिछले एक साल से चल रही पानी की किल्लत का अब स्थाई समाधान हुआ है। समस्या का समाधान होने से वार्ड के करीब 160 उपभोक्ताओं को अब पर्याप्त पानी मिल रहा है। मामले के अनुसार शहर के वार्ड 28 में धोलिया कुए के पास में नया ट्यूबवेल बनवाया है। पेयजल किल्लत से जूझ रहे वार्डवासियों ने समस्या से पार्षद नंदकिशोर भार्गव को अवगत करवाया, जिस पर पार्षद जलदाय विभाग कार्यालय पहुंचे और अधिकारियों को उक्त समस्या बताकर समाधान की मांग की। पार्षद की मांग पर विभाग ने एक नया ट्यूबवेल बनवाया है। जिसका लाभ वार्ड 28 की 9 गलियों में रहने वाले करीब 160 उपभोक्ताओं को हुआ है। अब इन घरों में पर्याप्त पानी की आपूर्ति हो रही है। समस्या का समाधान होने पर वार्डवासियों ने जलदाय विभाग व पार्षद भार्गव का आभार जताया है।

## दो कारों की भीषण टक्कर, अधिकारी समेत 3 की मौत

**नीमकाथाना (निस)।** सीकर में भीषण सड़क हादसे में एडिशनल ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर समेत तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं पंचायत समिति के बीडीओ सहित पांच लोग घायल हो गए। हादसा सीकर के दादिया थाना क्षेत्र में सोमवार शाम को हुआ था। दादिया थानाधिकारी अशोक झाझड़िया ने बताया- नीमकाथाना पंचायत समिति के बीडीओ मानसिंह पूनिया जिला परिषद की बैठक में भाग लेने स्टाफ के साथ सीकर गए थे। बोलेरो से नीमकाथाना लौटते हुए सामने से आ रही द्व20 कार से उनकी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। हादसे में बोलेरो में सवार एडिशनल बीडीओ प्रेम कुमार वर्मा (57) (निवासी चला, नीमकाथाना) और ड्राइवर बलदेव सैनी (55) (निवासी मावंदकला, नीमकाथाना) और द्व20 कार का ड्राइवर पंकज की मौत हो गई।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।